धनबाद, मंगलवार
8 अप्रैल 2025
वर्ष : 10 अंक : 308
पृष्ठ : 12
मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
नई पत्र वार्ता
सोच आगे की ...

ब्रीफ न्यूज

झारखंड सरकार का अनोखा ऑफर, रील बनाकर कमाएं 10 लाख, मिलेंगी कई सुविधाएं

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची :सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, यूट्यूबर्स और कंटेंट क्रिएटर्स अब तक रील बनाकर इंस्टाग्राम और फेसबुक से पैसे कमाते थे। लेकिन झारखंड सरकार ने एक अनोखी पहल की शुरूआत की है। इसके तहत वे झारखंड की खूबसूरती और संस्कृति पर क्रिएटिव रील बनाकर 10 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि जीत सकते हैं।इसका उद्देश्य राज्य की 528 पर्यटन स्थलों को प्रमोट करने के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रोजगार के नये अवसर प्रदान करना है।सरकार की तरफ से रील बनाने वाले को जेटीडीसीएल होटलों में दो दिन की मुफ्त ठहरने की सुविधा मिलेगी। साथ ही पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए यात्रा साधनों की सुविधा के साथ वन विभाग और इको टूरिज्म टीम का पूरा सहयोग भी मिलेगा।यह पहल न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, बल्कि ग्रामीण इलाकों को भी जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।पर्यटन विभाग ने इसके लिए कई शर्तें भी रखी हैं. रील में पॉजिटिव और सत्य जानकारी होनी चाहिए। **शेष पृष्ठ-4.....**

झारखंड में पड़ सकते हैं ओले, आंधी बारिश का भी अलर्ट

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांचीः झारखंड के विभिन्न हिस्सों में तेज गर्मी पड़ रही है। आईएमडी की मानें तो जल्द झारखंड में मौसम बदल जाएगा। रांची और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार से अगले चार दिन तक आसमान में बादल छाने के साथ हल्की बारिश के आसार हैं। मंगलवार से तेज हवा के साथ कुछ स्थानों पर वज्रपात का येलो अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया है। मौसम में होने वाले इस बदलाव से लोगों को गर्मी से भी राहत मिलने की उम्मीद है। आईएमडी के अनुसार, अगले चार दिन तक सूबे के विभिन्न हिस्सों में आंधी और बारिश वाला मौसम रहेगा।मौसम विभाग ने 9 अप्रैल को झारखंड में कुछ स्थानों पर ओले गिरने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने 8 अप्रैल को गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, हजारीबाग, रांची, खुंटी, कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह, बोकारो, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम, साहेबगंज, गोड्डा, पाकुड, दुमका, देवगढ़, जामतारा और धनबाद जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या **शेष पृष्ठ-4.....**

रात की ड्यूटी से गायब मिले पुलिसकर्मी, कमिश्नर ने 16 को किया निलंबित

वाराणसी,(एजेंसी) : रात की ड्यूटी से गायब मिले 16 पुलिसकर्मियों को पुलिस कमिश्नर ने निलंबित कर दिया है। इनमें 11 सब इंस्पेक्टर, तीन हेड कांस्टेबल व दो कांस्टेबल हैं। यह आदेश उन्होंने ट्रैफिक पुलिस लाइन में सैनिक-सम्मेलन में दिया। रात की ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों की जांच के लिए पुलिस कमिश्नर आफिस से भेजी गई टीम ने जांच की। इस दौरान सब इंस्पेक्टर आलोक कुमार, अजय त्यागी, विश्वास चौहान योगेन्द्र नाथ मिश्रा समेत 11 सब इंस्पेक्टर, हेड कान्सटेबल अखिलेश यादव, राम कुमार सिंह मनीष श्रीवास्तव, कांस्टेबल रामचन्द्र, मनीष कुमार तिवारी को निलंबित किया गया है। कमिश्नर ने प्रधान लिपिक कार्यालय में कर्मचारियों की समस्याओं के दृष्टिगत कर्मचारी शिकायत निवारण रजिस्टर बनाने को कहा। महिला आरक्षी रेखा से पूछे गए प्रश्न का सही उत्तर देने, सीएम डैशबोर्ड की सही जानकारी होने **शेष पृष्ठ-4.....**

झारखंड विधानसभा परिसर में सरहुल, बाहा मिलन समारोह का किया गया आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची : सोमवार को झारखंड विधानसभा परिसर में सभा सचिवालय के पदाधिकारी कर्मचारीगण की ओर से सरहुल, बाहा मिलन समारोह का आयोजन किया गया है ।सरहुल मिलन समारोह विधि विधान के साथ शुरू हुआ। सदस्य राजेश कच्छप ने प्रकृति पर्व सरहुल के संबंध में अपने संबोधन के माध्यम से प्रकाश डाला ,उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज प्रकृति की पूजा करते हैं । हमारे ईष्ट देव भी प्रकृति के रूप में पूजे जाते हैं। सूरज की रोशनी और धरा की सृजनशीलता के मिलन से पेड़ पौधों में नए फूलों,फलों का लगना नए ऋतु के आगमन पर फसलों का लहलहाना इन सभी अवसरों को सम्मिलित रूप से प्रकृति पूजक जनजातीय समाज उत्सव के रूप में मनाते हैं ।इसी रूप में सरहुल ,बाहा पर्व जनजातीय समाज का एक बड़ा उत्सव है। मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि आज पूरी दुनिया पर्यावरण के संरक्षण में बड़ी बड़ी योजनाएं बना रही है। सरहुल,बाहा पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण की ओर प्रेरित करती है ।इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र एवं छात्राएं जनजातीय समाज के विभिन्न शैलियों पर अपनी नृत्यों संगीत का प्रदर्शन भी किए। अध्यक्ष झारखंड विधानसभा रबीन्द्रनाथ महतो अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होने पर सरहुल, बाहा मिलन समारोह के अवसर पर आयोजन समिति सहित सभी पदाधिकारी कर्मियों को शुभकामनाएं दी हैं ।कार्यक्रम का संचालन अनूप कच्छप प्रशाखा पदाधिकारी झारखंड विधानसभा सभा ने किया ।कार्यक्रम में वित्त एंव सासंसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर , सदस्य राजेश कच्छप ,प्रभारी सचिव माणिक लाल हेमब्रम सभा सचिवालय के पदाधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य गण्यमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से रक्षा राज्य मंत्री ने मुलाकात की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। सोमवार को मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस अवसर पर विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री से मिले विधायक प्रदीप यादव

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। सोमवार को मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में विधायक श्री प्रदीप यादव ने औपचारिक मुलाकात की।

घरेलू रसोई गैस 50 रुपये हुई महंगी, नई कीमतें आज आधी रात से लागू होंगी

नई दिल्ली,(एजेंसी) : महंगाई के मोर्चे पर आम जनता को जोर का झटका लगा है। केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस और उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की है। नई कीमतें आज आधी रात से लागू हो जाएंगी।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस वितरण कंपनियों की ओर से घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उज्ज्वला योजना और सामान्य श्रेणी के घरेलू रसोई गैस के ग्राहकों दोनों के लिए एलपीजी की कीमत में इजाफा किया गया है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, उज्जवला योजना के तहत अब 500 रुपये वाला सिलेंडर 550 रुपये में मिलेगा, जबकि अन्य ग्राहकों के लिए यह 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये प्रति सिलेंडर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा कदम है, जिसकी हम आगे बढ़ने के साथ समीक्षा भी करेंगे। पुरी ने कहा कि हम प्रत्येक 2-3 सप्ताह में इसकी समीक्षा करते हैं। इसलिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा।

एलपीजी की कीमत में इस बढ़ोत्तरी के बाद सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत राजधानी नई दिल्ली में अब 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी। इसी तरह उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं **शेष पृष्ठ-4.....**

हजारीबाग का पदमा ओपी बनेगा थाना, देवघर हवाई अड्डा के पास खुलेगा ओपी

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न उच्चस्तरीय समिति की बैठक में फैसला

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न उच्चस्तरीय समिति की बैठक में हजारीबाग के पदमा ओपी को थाना का दर्जा देने का फैसला लिया गया। वहीं एक अन्य फैसले में देवघर हवाई अड्डा के पास नया पुलिस आउट पोस्ट खोलने पर मुहर लगायी गयी।

गौरतलब है कि पदमा में पुलिस आउट पोस्ट काफी अर्से से कार्यरत है। बैठक में बताया गया कि पदमा ओपी का कार्य क्षेत्र काफी बड़ा है। इसका सृजन बरही थाना से दूर स्थित एनएच 30 के इलाके में विधि व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए किया गया था। लेकिन, अब यह इलाका विस्तृत आबादी वाले क्षेत्र में परिवर्तित हो गया है। इस इलाके में आपराधिक गतिविधियां भी उसी

अनुपात में बढ़ी हैं। साथ ही सड़क हादसे में वृद्धि, बढ़ते उद्योग और उग्रवादियों की सक्रियता तथा सांप्रदायिक सद्भावना बिगाड़ने की कोशिशों के मद्देनजर पदमा ओपी को पूर्ण थाना में उत्क्रमित करने का निर्णय लिया गया। पदमा ओपी को थाना में उत्क्रमित करने में अनुमानित दो करोड़ 70 लाख रुपये खर्च होंगे।

दूसरी ओर देवघर जिला के कुण्डा थानान्तर्गत देवघर हवाई अड्डा के कारण विमानपत्तन ओपी के सृजन का निर्णय लिया गया। इसके प्रस्ताव में गृह विभाग द्वारा बताया गया कि कुण्डा थाना से देवघर हवाई अड्डा की दूरी सात किमी. एवं मुख्यालय से 12 किमी. होने के कारण थाना का कार्य क्षेत्र काफी बड़ा हो जाता है। हवाई अड्डा का इलाका दुर्गम होने के कारण कुण्डा थाना से विधि व्यवस्था के संधारण में कठिनाई होती है। वहीं पिछले कुछ दिनों में आपराधिक घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसके मद्देनजर आम लोगों की सुरक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति की बैठक में पुलिस आउट पोस्ट खोलने पर मुहर लगायी गयी। इस ओपी **शेष पृष्ठ-4.....**

कल्याण मंत्री ने आदिवासी कल्याण आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

वर्ष 2025-26 आदिवासी स्वाभिमान वर्ष

आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपराएँ एवं जीवनशैली इस भूमि की धरोहरःचमरा लिंडा

नीतिगत निर्णय लेने हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री श्री चमरा लिंडा ने आज कल्याण कॉम्प्लेक्स में आदिवासी कल्याण आयुक्त श्री अजय नाथ झा एवं अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री श्री चमरा लिंडा ने अधिकारियों से कहा कि बिना किसी शिकायत एवं बाधा के एकलव्य सहित अन्य सभी कल्याण आवासीय विद्यालयों के नामांकन परीक्षा का निर्धारित समय पर आयोजन करा लेने के लिए आपसभी का कार्य सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य के

एसटी/एससी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए लिए योजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 आदिवासी स्वाभिमान वर्ष होगा, इसके लिए समर्पित प्रयास किए जायें। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की विशिष्ट पहचान का पर्याय है यहाँ का आदिवासी समाज। झारखंड की 32 आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपराएँ, और जीवनशैली इस भूमि की धरोहर हैं। सदियों से इन समुदायों ने अपने श्रम, संघर्ष और साहस से समाज और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखा है। आज यह प्रासंगिक है कि हम उनके गौरवशाली अतीत को न केवल संरक्षित करें, बल्कि उनके आत्मसम्मान और अधिकारों को और अधिक सशक्त करें। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और परंपरागत आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देकर हम उनके स्वाभिमान को मजबूत कर सकते हैं।

नीतिगत निर्णय लेने हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मंत्री श्री चमरा लिंडा ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी समाज के उत्थान के लिए ऐसे नीतिगत निर्णय लेने हेतु प्रतिबद्ध है, जो उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण को गति दे। उनका सम्मान, स्वाभिमान, कल्याण और विकास केवल संवैधानिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारे नैतिक मूल्यों का भी प्रतिबिंब होना चाहिए। कल्याण मंत्री ने कहा कि हमारा विभाग अपने प्रयासों से एक ऐसे झारखण्ड की कल्पना को साकार करें, जहाँ आदिवासी समाज अपने अधिकारों के साथ स्वाभिमानपूर्वक जीवन जी सके और अपनी अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक संजो सके।

शेष पृष्ठ-4.....

देश में अगले 11 दिन पड़ेगी भीषण गर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी) : राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। 14 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी है। बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पिछले 26 साल में बाड़मेर में अप्रैल के पहले हफ्ते में यह सबसे ज्यादा तापमान है। अगले कुछ दिन गर्म से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मप्र में भी भीषण गर्मी ने समय से पहले ही दस्तक दे दी है। भोपाल का तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इस सीजन में यह सबसे ज्यादा है। प्रदेश के 13 जिलों में तापमान 40 से 42.2 डिग्री के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार, आज नीमच, मंदसौर, भिंड, मुरैना, श्योपुर और रतलाम में लू चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 11 दिन तक देश के अधिकतर राज्यों में लू चलने और अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने अनुमान लगाया है। 10 अप्रैल तक राजस्थान, गुजरात के कुछ जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर **शेष पृष्ठ-4.....**

सौहार्द और भाईचारे की अनोखी मिसाल पेश करता है श्री श्री विष्णु सेवा समिति अखाड़ा

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जमशेदपुरः झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान आज जमशेदपुर के जुगस्लाई स्थित गौरी शंकर रोड का श्री श्री विष्णु सेवा समिति द्वारा संचालित श्री रामनवमी के अवसर पर श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर समिति के अखाड़ा में शामिल हुए।ज्ञात हो कि जुगसलाई गौरीशंकर रोड में आपसी सौहार्द और भाईचारे की अनोखी मिसाल वर्षों से देखने को मिलती आ रही है जहाँ हिन्दू मुस्लिम दोनों समुदाय मिलकर रामनवमी अखाड़ा उठाते आए हैं.वहीं दुर्गा पूजा के अवसर पर भी बहुत ही धूमधाम से यहां दुर्गा पूजा मनाई जाती है।

संक्षिप्त खबर

बरनवाल युवक संघ ने की रामनवमी पर पेयजल और शरबत की व्यवस्था

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह: शहर में विभिन्न मुख्य चौराहों पर रामनवमी को लेकर विभिन्न संगठन द्वारा अखाड़े में जा रहे लोगों के लिए शीतल जल शरबत आदि की व्यवस्था की थी। इस मौके पर अखाड़ा देखने जा रहे और अखाड़ा खेलने वाले सभी लोगों ने काफी संख्या में शरबत एवं शीतल पेयजल को ग्रहण किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बरनवाल युवक संघ के राकेश रंजन,अशोक कुमार, दिलीप कुमार,राजेंद्र लाल बरनवाल,विक्की बरनवाल आदि बरनवाल बंधुओं का सराहनीय योगदान रहा। वहीं बरनवाल युवक संघ के इस नेक कार्य की लोगों ने भूरी भूरी प्रशंसा की।

मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा सेवा शिविर का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामनवमी के पावन अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा सेवा शिविर का आयोजन किया गया। प्राथमिक उपचार, शीतल पेय,ठंडे जल की सुविधा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई गई। सेवा आंकड़े लगभग 250 लोगों को प्राथमिक उपचार करीब 15,000 श्रद्धालुओं को शरबत व जल सेवा की गई। इस आयोजन का सफल संचालन मंच के ऊर्जावान युवाओं में सोनू सिंघानिया, युवा सुनील अग्रवाल, युवा अमित बाचुका, युवा सौरव जालान एवं युवा आयुष धंधड़िया द्वारा अत्यंत सराहनीय ढंग से किया गया।समस्त सदस्यों की भागीदारी व सहयोग से यह सेवा शिविर अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा।

रामनवमी पर्व को संपन्न कराने हेतु जिला एवं पुलिस प्रशासन दिखे सक्रिय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : रामनवमी पर्व के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक लगातार स्वयं कर रहे थे इसकी मॉनिटरिंग।गिरिडीह जिले में रामनवमी पर्व सकुशल संपन्न हुआ। सभी के सहयोग व बेहतर समन्वय से जिले भर में धूम धाम से रामनवमी पर्व मनाया गया।शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने को लेकर जिला प्रशासन ने सभी शांति समितियों का आभार व्यक्त किया। रामनवमी पर्व को सफलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने हर रूट का निरीक्षण कर सारी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक स्वयं सारी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे थे, ताकि सुरक्षित माहौल में रामनवमी पर्व को संपन्न कराया जा सके। इसके अलावा उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने रामनवमी पर्व को लेकर शुभकामनाएं दी और शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व संपन्न कराने की अपील की।

उपायुक्त ने किया ईवीएम, वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह: जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा के द्वारा प्रखंड कार्यालय गिरिडीह स्थित ईवीएम, वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने ईवीएम वेयर हाउस की विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उपायुक्त ने सीसीटीवी व अन्य उपकरणों की स्थिति और रखरखाव का जायजा लिया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा मासिक निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा परिसर का अवलोकन के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, बीयू हॉल, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जनरेटर रूम, तैनात सुरक्षा बलों के लॉग बुक, अग्निशमन यंत्र आदि सहित अन्य व्यवस्थाओं तथा कमरों के सीलिंग आदि का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने के निर्देश दिए। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बीएसएल में 17 एसीटी, ओसीटी ने दिया योगदान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बीएसएल में योगदान दिए 17 एसीटी, ओसीटी प्रशिक्षुओं के नए बैच के लिए सोमवार को ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा तथा उप महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) राजेश कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा के साथ सुरक्षा शपथ लेने के पश्चात अपने स्वागत अभिभाषण में उपमहाप्रबंधक (ज्ञानार्जन व विकास) राजेश कुमार ने प्रशिक्षुओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए बोकारो स्टील प्लांट में उनका स्वागत किया और सभी प्रशिक्षुओं को अपने पुरे प्रशिक्षण अवधि का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रोत्सहित किया। मुख्य अतिथि सुश्री नीता बा ने बदलते तकनीकी परिवेश और विश्व प्रतिस्पर्धा के अनुसार प्रशिक्षुओं को अपनी दक्षता को बढाने हेतु प्रेरित किया। धन्यवाद ज्ञापन देते हुए एसपी एन मिश्रा सहायक प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने प्रशिक्षुओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में ज्ञानार्जन व विकास विभाग के नव प्रशिक्षु प्रकोष्ठ के कर्मचारियों का अहम योगदान रहा।

लू-तापघात को लेकर जारी एडवाइजरी का आमजन करें अनुपालन : उपायुक्त

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जारी की एडवाइजरी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बढ़ रही गर्मी के चलते जिला प्रशासन ने आमजन से विशेष एहतियात बरतने की अपील की है। इन दिनों अत्यधिक गर्मी व लू-तापघात होने से आमजन चपेट में आ सकते हैं, खासकर हाइरिस्क वाले लोगों को खास ख्याल रखने की जरूरत है।

उपायुक्त विजया जाधव ने जिलावासियों से अपील की है कि वह जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एडवाइजरी का अनुपालन करें।

लू खतरनाक साबित हो सकती हैं। इसके प्रभाव को कम करने तथा रोक-थाम के लिए आमजन निम्नलिखित सावधानियाँ बरतें :-

सुरक्षा के उपाय:-

* जहाँ तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर न निकलें।
* जितनी बार हो सकें पानी पीयें। सफर में अपने साथ पीने का पानी हमेशा रखें।
* जब भी बाहर धूप में जायें हल्के रंग के और ढीले-ढीले सूती कपड़े पहनें, धूप के चश्मे का इस्तेमाल करें, गमछे या टोपी से अपने सिर को ढकें और हमेशा जूते या चप्पल पहनें।
* अधिक तापमान में कठिन काम ना करें। जहाँ तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर के काम से बचें।
* खाली पेट न रहे तथा धूप में नंगे पाव न चले।
* अगर आपका काम बाहर का है तो टोपी, गमछा, छाता एवं धूप वाले चश्मा का इस्तेमाल जरूर करें और गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर व गर्दन पर रखें।
* हल्का भोजन करें, अधिक पानी की मात्रा वाले फल जैसे तरबूज, खीरा, नींबू, संतरा आदि का सेवन करें तथा ज्यादा प्रोटिन वाले भोजन का सेवन ना करें, जैसे मांस या मेदे, जो शारिरिक ताप को बढ़ाते हैं।
* घर में बना पेय जल जैसे कि लस्सी, नमक चीनी का घोल, छाछ, नींबू पानी, आम का पन्ना इत्यादि का नियमित सेवल करें।
* बच्चों और पालतू जानवारों को पार्क किए हुए वाहनों में अकेला ना छोडे।
* जानवरों को छांव में रखें और उन्हें खूब पानी पीने को दें।
* अपने घर को ठंडा रखें, पर्दे, शटर आदि का इस्तेमाल करें। रात में खिड़कियाँ खुली रखें।
* अगर आपकी तबीयत ठीक न लगे या चवकर आए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

लू के प्रमुख लक्षण

* पसीना आना त्वचा का गर्म-लाल एवं शुष्क होना सिरदर्द, थकान, चक्कर एवं उल्टी आना बेहोश हो जाना आंखों की पुतलियां छोटी हो जाना

लू लगने पर क्या करें

* लू लगे व्यक्ति को छांव में लिटा दें। अगर तंग कपड़े हो तो उन्हें ढीला कर दें अथवा हटा दें।
* ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछे या ठंडे पानी से नहलायें।
* व्यक्ति को ओआरएस, नींबू पानी, नमक-चीनी का घोल पीने को दें, जो कि शरीर में जल की मात्रा को बढ़ा सकें।
* यदि व्यक्ति पानी की उल्टियों करे या बेहोश हो, तो उसे कुछ भी खाने वा पीने को न दें।
* लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार ना हो तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाएँ।

जेईई मेन- 2 के चौथे दिन 668 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 45 रहे अनुपस्थित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन)- 2025 के दूसरे सत्र के तहत बोकारो में चौथे दिन सोमवार को भी परीक्षाएं शांतिपूर्वक संपन्न हुईं। दोनों ही निर्धारित केंद्रों पर कुल मिलाकर परीक्षा में कुल 668 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 45 परीक्षार्थी उपस्थित नहीं हो सके।

एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि चिकिसिया स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर में बने केंद्र में प्रथम पाली में 214 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 17 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 212 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 11 अनुपस्थित रहे। इस केन्द्र पर दोनों ही पालियों को मिलाकर उपस्थित कुल 426 परीक्षार्थियों में से 04 पीडब्ल्यूडी (शारीरिक रूप से अक्षम) कैंडिडेट शामिल हुए। दूसरी ओर, नवाडीह मूर्तिटांड़ स्थित आरआर टेक्नोलॉजी में बनाए गए सेंटर पर पहली पाली में कुल 128 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 9 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में 114 उपस्थित तथा 8 अनुपस्थित रहे।

सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने बताया कि प्रशासन, केंद्राधीक्षकों एवं पर्यवेक्षकों के सहयोग से उक्त दोनों ही केन्द्रों पर परीक्षाएं पूरी तरह से शांतिपूर्ण माहौल में चल रही हैं। अभी तक कहीं से भी कदाचार अथवा अन्य किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं है। दो दिन पहले बोकारो बंद के दौरान भी परीक्षाएं सुचारू रूप से चलती रहीं।

गौरतलब है कि 02-09 अप्रैल, 2025 की अवधि में चल रहे जेईई मेन- 2 पहले पांच दिन पेपर 1 (बीई/बीटेक) की परीक्षा दो पालियों में, क्रमशः सुबह 9.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक और दोपहर 3.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक, ली जा रही है। परीक्षा के आखिरी दिन पेपर 2 का आयोजन किया जाएगा। पेपर 2 ए और 2 बी की परीक्षा एक ही शिफ्ट में होगी। जेईई मेन में पेपर 2 उन छात्र-छात्राओं के लिए होता है जो आर्किटेक्चर (बी.आर्क) या प्लानिंग (बी. प्लानिंग) में प्रवेश लेना चाहते हैं।

आज से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम सभी सीडीपीओ और पर्यवेक्षिका के साथ बैठक कर मिशन पोषण 2.0 के उद्देश्य और कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी पोषण पखवाड़ा का आयोजन 08 अप्रैल से 22 अप्रैल तक किया जा रहा है। इसी के निमित्त जिला समाज कल्याण स्नेह कश्यप ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से सभी सीडीपीओ और पर्यवेक्षिका के साथ बैठक कर मिशन पोषण 2.0 के उद्देश्य और कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि मिशन पोषण 2.0 का उद्देश्य सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार और सामुदायिक भागीदारी रणनीतियों के माध्यम से पोषण में सुधार करना है। एसबीसीसी का मतलब है ऐसे सामाजिक कारणों को समझना और बदलना, जो पोषण को प्रभावित करते हैं। यह मिशन समुदायों को मजबूत करने और लोगों को सशक्त बनाने पर ध्यान देता है। इस पोषण पखवाड़ा का उद्देश्य पोषण संबंधित जन जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से पोषण के परिणामों और लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करना है। इसमें पोषण से जुडी सेवाओं को बेहतर तरीके से लागू करना और सामुदायिक भागीदारी को सुनिश्चित करना है।

मैनेजमेंट ऑफ मालनुट्रिशन थ्रू इम्प्लीमेंटशन ऑफ सीएमएएम मॉडल सामर समुदाय आधारित कुपोषण प्रबंघन कर्यक्रम को 24 जिलों में किये जाने का दिशानिदेश जारी किया गया है। पोषण पखवाड़ा का ध्यान समुदायों को सामर समुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन प्रोटोकॉल के अनुसार बच्चों के प्रबंधन के प्रति जागरूक करना है। इसके तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में भूख परीक्षण को बढ़ावा देना, बच्चों का सही तरीके से रेफरल सुनिश्चित करना और 11 चरणों में प्रबंधन कर पोषण ट्रैकर में इन सूचनाओं को अपडेट करना शामिल है।

एसएफसी बेरमो का गोदाम बहुउद्देशीय भवन में शिफ्ट

उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर बीडीओ ने की कार्रवाई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव ने राज्य खाद्य निगम (एसएफसी) बेरमो का गोदाम जर्जर एवं असुरक्षित होने की मिल रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए वैक्लपिक व्यवस्था के तहत प्रखंड परिसर स्थित बहुउद्देशीय भवन में गोदाम को शिफ्ट करने का निर्देश दिया। सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी बेरमो की देख रेख में गोदाम में अनाज, खाद्यान्न को बहुउद्देशीय भवन में शिफ्ट किया गया। आगे से प्रखंड के आवंटित खाद्यान्न को बहुउद्देशीय भवन में ही सुरक्षित रखझरखाव किया जाएगा।

बोकारो जेनरल हॉस्पिटल में मनाया गया विश्व स्वास्थ्य दिवस

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : सोमवार को बोकारो जेनरल हॉस्पिटल में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया जो सभी के लिए स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व को पहचानने के लिए एक समर्पित दिन है। इस वर्ष, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के लिए स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य को अपना थीम चुना है, जो बच्चों के स्वास्थ्य और विकास से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है। इसे ध्यान में रखते हुए, बीजीएच में स्वस्थ मातृत्व के महत्व पर प्रकाश डालने वाले पोस्टरों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमे स्वस्थ शिशुओं के जन्म तथा उचित मार्गदर्शन और निवारक सेवाओं और देखभाल के साथ एक स्वस्थ बचपन के बारे में बताया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन बोकारो जनरल हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ.बी.बी.करुणामय, सीएमओ डॉ.आनंद कुमार और डॉ.अनिंदा मंडल के द्वारा किया गया।

जनता दरबार पहुंचे उपायुक्त , लोगों के मामलों पर की सुनवाई

क्रमवार 46 मामलों पर की सुनवाई, ऑन स्पॉट दर्जनों मामलों का किया निष्पादन

प्राप्त आवेदनों पर लिया संज्ञान, संबंधित पदाधिकारियों को निष्पादन का दिया जरूरी निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को उपायुक्त विजया जाधव ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 46 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं, शिकायतों पर सुनवाई की। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा दर्जनों मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया।

जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, सामान्य शाखा, जिला आपूर्ति, भूमि पर कब्जा, राजस्व, चास अंचल, आपूर्ति विभाग, विशेष प्रमंडल, लीड बैंक मैनेजर, अंचल कार्यालय चंदनकियारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। मौके पर डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

बोकारो इस्पात संयंत्र राष्ट्र निर्माण की एक गौरवशाली इकाई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र, लोक उपक्रम के क्षेत्र में भारत का चौथा एकीकृत इस्पात संयंत्र है, जिसे देश के प्रथम स्वदेशी इस्पात संयंत्र होने का गौरव प्राप्त है। इसका निर्माण अधिकतम स्वदेशी उपकरणों, सामग्री और तकनीकी विशेषज्ञता के साथ किया गया था। वर्ष 1964 में जब इस संयंत्र की नींव रखी गई, तब से ही इसने न केवल औद्योगिक क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में भी एक नई शुरूआत की।

इस संयंत्र की स्थापना से पूर्व यह क्षेत्र मुख्यतः वनाच्छादित एवं कृषि-आधारित ग्रामीण बस्तियों से युक्त था, जहाँ की अधिकांश जनसंख्या कृषि एवं पारंपरिक आजीविका पर निर्भर थी. लौह अयस्क, कोयला एवं अन्य खनिज संसाधनों की प्रचुरता, तथा सामरिक दृष्टिकोण से इसकी अनुकूल भौगोलिक स्थिति के कारण इस क्षेत्र का चयन एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना हेतु किया गया। बोकारो इस्पात संयंत्र की स्थापना ने न केवल इस क्षेत्र में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचनाओं का अभूतपूर्व विकास सुनिश्चित किया, बल्कि परिधीय क्षेत्रों के समग्र उत्थान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे स्थानीय निवासियों को भी राष्ट्र की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी का अवसर प्राप्त हुआ। आज, बोकारो इस्पात संयंत्र विभिन्न ग्रेड के फ्लैट स्टील उत्पादों का निर्माण करता है, जिनका उपयोग भारतीय रक्षा क्षेत्र, भारतीय रेलवे, ऑटोमोबाइल उद्योग, ड्रम निर्माण, एलपीजी सिलेंडर सेक्टर और कंस्ट्रक्शन आदि जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होता है। हमारे उत्पाद न केवल देशभर में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी उत्कृष्टता के लिए पहचाने जाते हैं – जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है.

एक सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई के रूप में, बोकारो इस्पात संयंत्र प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को आजीविका प्रदान करता है तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि एक सामाजिक उत्तरदायित्व है, जिसने लाखों परिवारों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। यह संयंत्र भारत सरकार की नीतियों के अंतर्गत संचालित होता है और देश की जनता के प्रति जवाबदेह है। यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम इस संयंत्र को राष्ट्र संपत्ति के रूप में देखें और इसकी सुरक्षा व उन्नति में अपना सक्रिय योगदान दें। इस संयंत्र ने अब तक अनगिनत कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ- साथ यहाँ निवास कर रहे लाखों लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभाई है, और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह सतत अवसरों का द्वार बना रहेगा।

समय-समय पर कुछ चुनौतियाँ और असंतोष सामने आ सकते हैं, किन्तु बोकारो इस्पात संयंत्र संवाद से समाधान की समृद्ध परंपरा से जुड़ा रहा है। संयंत्र के उत्पादन एवं संचालन में किसी भी प्रकार का व्यवधान, न केवल संस्था के लिए बल्कि इससे जुड़े समस्त समुदाय के लिए नुकसानदेह होता है। हाल ही में घटित आंदोलन के कारण कंपनी को उत्पादन में भारी नुकसान उठाना पड़ा, जिससे करोड़ों का आर्थिक घाटा हुआ है जो राष्ट्र की भी क्षति है। यह स्पष्ट है कि ऐसी कोई भी गतिविधि जो संयंत्र के नियमित संचालन को बाधित करती है, उसका व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पड़ता है, जो अंततः क्षेत्रीय विकास की गति को भी प्रभावित करता है। बोकारो इस्पात संयंत्र संवाद से समाधान की परंपरा में विश्वास रखता है, और सभी हितधारकों से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा रखता है। राष्ट्र की धरोहर–बोकारो इस्पात संयंत्र–की सुरक्षा, उन्नति और निरंतर प्रगति के द्वारा ही यह आने वाले समय में आत्मनिर्भर भारत का सशक्त प्रतीक बन सकेगी।

Page 3_Page 3.qxd 4/7/2025 10:19 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

कोयलांचल सिटी में भगवती जागरण में जमकर झूमे माता के भक्तगण

पत्रकार शंकर चौधरी व उनकी धर्मपत्नी रीता चौधरी ने माता का ज्योत सिर पर लेकर पहुंचे दरबार

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : 99 कोयलांचल सिटी में रविवार को भगवती जागरण का भव्य आयोजन किया गया. जागरण की शुभारंभ मंदिर परिसर से अखण्ड ज्योत जागृत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ प्रज्जवलित किया गया. यजमान रीता चौधरी एवं शंकर चौधरी माथे पर ज्योत लेकर कार्यक्रम स्थल तक जयकारा लगाते सैकडों लोग कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे.गायक शशि सरदार ने मां मुरादे पुरी कर दे हलवा बांटूगी,ज्योत जगा कर सर झूका मै तो आउंगी,गायक रजनी मेहरा ने शेरा वाली मां ज्योता वाली मां, शेर पर सवार होकर आ जा शेरावाली,,वही जगपाल सिंह ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, जैसे भक्ति गीतों पर मौजूद श्रद्वालु रात भर झूमते दिखे. कार्यक्रम को सफल बनाने में शंभू नाथ चौहान,दिलीप साव,राज सिंह, बिनोद जी ,गुप्ता जी आदि शामिल थे.

मां दुर्गा के जयकारों से गूंजा डोरंडा

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

रांची । रांची के डोरंडा में सोमवार को चैती दुर्गा पूजा के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में डोरंडा बाजार, चैती दुर्गा मंदिर, मणिटोला और भवानीपुर से एक साथ जुलूस प्रारंभ हुआ। पूरा इलाका मां दुर्गा के जयकारों और भक्ति रस में डूब गया।

इस शोभायात्रा में श्री शिव मंदिर महावीर मंदिर डोरंडा बाजार महावीर मंडल के मुख्य संरक्षक आलोक दूबे, मुनचुन राय, मैनेजर प्रधान, अनिल प्रधान, शंभू गुप्ता ने शोभायात्रा में श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया।

वहीं इस अवसर पर कई गणमान्य लोगों ने भी श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए और शरबत एवं आइसक्रीम का भी वितरण किया गया। शोभायात्रा में शामिल महिलाओं पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। भक्तों ने मां दुर्गा से देश और राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

झारखंड पुलिस का 16 अप्रैल को फिर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

रांची । झारखंड के सभी जिलों में 16 अप्रैल को पुलिस द्वारा चौथी बार जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शुरू होगा।

पुलिस मुख्यालय से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, डीजीपी अनुराग गुप्ता ने इस संबंध में सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को आदेश जारी किया है। पहले जहां समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, इस बार उसी स्थान पर कार्यक्रम का आयोजन होगा। इससे पहले पुलिस की ओर से 10 सितंबर 2024, 18 दिसंबर 2024 और 22 जनवरी 2025 को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

जिन शिकायतों पर कार्रवाई नहीं हो सकती, उसकी जानकारी भी शिकायतकताओं को देना। पुलिस की ओर से बनायी जा रही सर्वोतम पद्धतियों को इन कार्यक्रमों में दिखाना। नागरिकों की समस्याओं को समझकर पुलिस व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना। नागरिकों की पुलिस से संबंधित शिकायतों को प्राप्त करना और उक्त शिकायतों को पंजीकरण करना। शिकायतों पर पुलिस की ओर से की गयी कार्रवाई की सूचना शिकायतकर्ता को देना। यदि निर्धारित समय पर कार्रवाई ना हो पाये तो वरीय पदाधिकारियों को इसकी सूचना देना। कार्रवाई योग्य शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान करना।

महावीर झंडा विसर्जन के दौरान हाईटेंशन तार की चपेट में आए पांच श्रद्धालु, एक गंभीर

पूर्वी सिंहभूम(एजेंसी)। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में महावीर झंडा विसर्जन जुलूस के दौरान सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यशोदा नगर शारदा राम बजरंग अखाड़ा का महावीरी झंडा हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया, जिससे पांच राम भक्त गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद सभी घायलों को आनन-फानन में टाटा मोटर्स अस्पताल ले जाया गया, जहां एक श्रद्धालु की हालत गंभीर होने के कारण उसे टाटा मुख्य अस्पताल रेफर कर दिया गया है। अन्य चार घायलों का इलाज टाटा मोटर्स अस्पताल में चल रहा है। झुलसने वालों में विजय कुमार दे, विजय कुमार, शमी कुमार प्रसाद, संजय कुमार सिंह और प्रदीप वर्मा शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही जिला परिषद सदस्य डॉ. परितोष मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन भी सतर्क हो गया है और आगे ऐसे हादसे न हों, इसके लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही जा रही है।

झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक आठ को

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

रांची। झारखंड मंत्रिमंडल की बैठक मंगलवार को होगी। मंत्रिमंडल की बैठक दोपहर एक बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। यह जानकारी सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सोमवार को दी है। मंत्रिपरिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी।

भाजपा के स्थापना दिवस पर निकाली बाइक रैली, विधायक राज सिन्हा ने जनता का जताया आभार

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर विधायक राज सिन्हा के आवासीय कार्यालय जगजीवन नगर से बाइक रैली निकाली गई. बाइक रैली में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए. रैली की अगुवाई कर रहे विधायक राज सिन्हा ने कहा कि भाजपा ने सफलता पूर्वक अपने 45 साल पुरे कर लिये हैं. धनबाद की जनता ने जिस प्रकार से भाजपा को अपना प्यार और आशीर्वाद दिया है उन सभी जनता का आभार व्यक्त करने के लिये हम निकले हैं.बता दें कि धनबाद जिला भारतीय जनता पार्टी इस स्थापना दिवस पर छह अप्रैल से ही कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है और 12 अप्रैल तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होंगे.

संजय अग्रवाल बने मारवाड़ी युवा मंच धनबाद कोयलांचल शाखा के नए नेतृत्वकर्ता

शाखा संस्थापक अध्यक्ष नीरज अग्रवाल बने युवा विकास एवं खेलकूद के प्रांतीय संयोजक

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : मारवाड़ी युवा मंच, धनबाद कोयलांचल शाखा की सत्र 25- 26 की वार्षिक आमसभा संस्थापक अध्यक्ष नीरज अग्रवाल की अध्यक्षता एवं चुनाव पदाधिकारी के रूप में निवर्तमान प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय तायल और निवर्तमान प्रांतीय सहायक मंत्री विकास पटवारी के सहयोग से कावेरी रेस्टोरेंट बैंक मोड़, धनबाद के सभागार में संपन्न हुई. वर्तमान अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पिछले दो साल से हमारी टीम द्वारा जो सामाजिक कार्य किए गए जिसके फल स्वरुप हमारी शाखा को इन दो वर्षों के अंतराल 34 प्रांतीय पुरस्कारों से और 6 राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया जो यह वाकई में अतुलनीय है. जिसे आगे आने वाली कमिटी के युवा साथी

निश्चित रूप से जारी भी रखेगी.सभा में उपस्थित शाखा संस्थापक अध्यक्ष नीरज अग्रवाल को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के सत्र 25- 27 के लिए शाखा सदस्यों द्वारा मारवाड़ी युवा मंच झारखंड प्रांतीय पदाधिकारी के रूप युवा विकास एवं खेल के संयोजक बनने की खुशी में अंग वस्त्र देकर उनका मान बढ़ाया और भविष्य के कार्यों हेतु शुभकामनाएं दी. बैठक में मौजूद सभी युवा सदस्यों की सर्वसम्मति से आगामी सत्र 25- 26 के लिए संजय अग्रवाल को अध्यक्ष, शिव शंकर चौधरी उपाध्यक्ष प्रिंस कथूरिया उपाध्यक्ष सुनीता अग्रवाल सचिव विनीता अग्रवाल कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त कर नए सत्र का कार्यकाल के पदभार को सौंपा गया.आम सभा में नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय अग्रवाल, संस्थापक अध्यक्ष सह नवनिर्वाचित प्रांतीय संयोजक नीरज अग्रवाल, निर्वर्तमान झारखंड प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय तायल, निवर्तमान झारखंड प्रांतीय सहायक मंत्री विकास पटवारी, नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष प्रिंस कथुरिया नवनिर्वाचित सचिव सुनीता अग्रवाल नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष विनीता अग्रवाल,राधा कथुरिया, बबीता अग्रवाल,हर्षिता विलासिया, शीतल विलासिया, ललित अग्रवाल, किशन साह,

राहुल मजरिया, अनूप अग्रवाल, रविन्द्र चमरिया, राज खंडेलवाल, दीपक सिंघानिया, अमित जैन, रोहित मजरिया, शुभम तायल, राहुल कथूरिया, अंकित कथूरिया, शुभम मित्तल, आनंद खंडेलवाल और शाखा संरक्षक विष्णु भीमसरिया सामाजिक बंधु अनिल चौधरी मौजूद थे.

तेलमच्चो बाजार में पेट्रोल पंप का उद्घाटन विधायक शत्रुघ्न महतो ने किया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

महुदा : तेलमच्चो बाजार स्थित मुख्य मार्ग के समीप इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प का शुभारंभ बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने नारियल फोड़ व फीता काटकर किया. उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि तेलमच्चो राजगंज मुख्य मार्ग में अब लोगों को वाहन में पेट्रोल डीजल लेने में अब सुविधा होगी. किसी को दूर नहीं जाना पड़ेगा. पम्प संचालक सह विधायक प्रतिनिधि शिबू महतो ने कहा कि तेलमच्चो पेट्रोल पम्प में यात्रियो को सभी प्रकार की सुविधा मिलेगी. शीतल पानी, स्वच्छ महिला पुरुष शौचालय आदि व्यवस्था है. पेट्रोल, डीजल इंधन में किसी प्रकार की मिलावट नहीं मिलेगी. शुद्धता के साथ आपको इंधन मिलेगा. मौके पर मुखिया प्रातिनिधि शिबू फहतो, मुखिया मीरा कुमारी, झरी महतो, संतोष कुमार महतो, भाजपा जिला महामंत्री धनेश्वर महतो, शिक्षक संघ के अंचल सचिव रामेश्वर महतो उर्फ बॉबी, युधिष्टिर महतो, धनंजय गहतो उर्फ मनभुल, एंजय कुमार महतो, जितेन्द्र कुमार महतो, सुनिता देवी, सावित्री देवी, सारूबाला देवी, सुगा देवी, उमा देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे.

जेपीएससी नियुक्ति घोटाले के मामले में हाईकोर्ट ने 18 आरोपितों को दी अग्रिम जमानत

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

रांची । हाई कोर्ट ने जेपीएससी-वन नियुक्ति घोटाले के मामले में 18 आरोपितों को अग्रिम जमानत दे दी है। इन आरोपितों में रांची के अपर समाहर्ता (लॉ एंड ऑर्डर) राजेश्वर नाथ आलोक, अनिल कुमार यादव, सीमा सिंह, सुशमा नीलम सोरेंग, ज्योति झा, कामेश्वर राम, लकखी राम बासकी, हरिवंश पंडित, सुदर्शन मुर्मू, अनंत कुमार, राजीव कुमार, योगेंद्र प्रसाद, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण सहित अन्य शामिल हैं।

सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद इस मामले में हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गयी थी। जेपीएससी-वन नियुक्ति घोटाले में दायर अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई न्यायाधीश रंगोन मुखोपाध्याय की अदालत में सोमवार को हुई। अग्रिम जमानत पर सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से अग्रिम जमानत का विरोध किया गया।

हालांकि कोर्ट ने इसे अस्वीकार करते हुए आरोपितों की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार की। सीबीआई ने जेपीएससी-वन नियुक्ति घोटाले की जांच के बाद कुल 37 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

सीबीआई ने जेपीएससी के पांच अधिकारी और 12 परीक्षकों के अलावा 20 तत्कालीन परीक्षार्थियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में तीन लोगों को मिला उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा सम्मान

चतरा(एजेंसी)। जलछाजन परिसर में स्थित द प्रेस क्लब चतरा के कार्यालय में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मियों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा सम्मान दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि चतरा उपायुक्त रमेश घोलप और अपर समाहर्ता अरविंद कुमार उपस्थित हुए। कार्यक्रम में उपायुक्त से पहुंचने पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष विपिन सिंह ने पौधा और वरिष्ठ पत्रकारों ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया। सम्मान समारोह में उपस्थित उपायुक्त रमेश घोलप ने कहा कि पत्रकारों की ओर से स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करने की योजना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि चतरा जैसे पिछड़े क्षेत्र में कई दशक से सेवा दे रहे चिकित्सक का सेवा कार्य सराहनीय है। इन्हें सम्मान मिलने से अन्य लोगों को भी

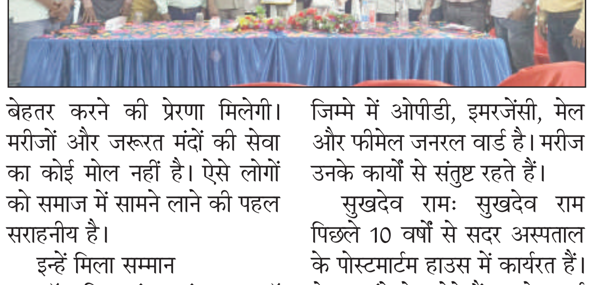

बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी। मरीजों और जरूरत मंदों की सेवा का कोई मोल नहीं है। ऐसे लोगों को समाज में सामने लाने की पहल सराहनीय है।

इन्हें मिला सम्मान

डॉ नित्यानंद मंडलः डॉ नित्यानंद मंडल जनरल सर्जन रहे हैं। वे झारखंड सरकार के सेवानिवृत चिकित्सा पदाधिकारी हैं। पिछले 35 वर्षों से चतरा में सेवा दे रहे हैं। चतरा में इनका कार्य और सेवा सराहनीय रहा है।

जोर्जिना मिंजः जोर्जिना मिंज सदर अस्पताल चतरा में ग्रेड वन की परिचारिका हैं। 2013 से कार्यरत हैं। ये मरीजों की सेवा में 24 घंटे तत्पर पर रहती है। इनके जिम्मे में ओपीडी, इमरजेंसी, मेल और फीमेल जनरल वार्ड है। मरीज उनके कार्यों से संतुष्ट रहते हैं।

सुखदेव रामः सुखदेव राम पिछ्ले 10 वर्षों से सदर अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में कार्यरत हैं। वे 24 घंटे सेवा देते हैं। उनके कार्य और तत्परता की सभी तारीफ करते हैं। द प्रेस क्लब चतरा की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर इन तीनों अधिकारियों और कर्मियों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा सम्मान दिया । जिले के वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति में चतरा उपायुक्त और अपर समाहर्ता ने उन्हें अंगवस्त्र, मोमेंटो और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए काटें ग्रामीणों की तरह जीवन : डॉ अभिषेक

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

रांची : विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सोमवार को सदर अस्पताल परिसर में जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ वायु और स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 की थीम - स्वास्थ्य शुरूआत, आशाजनक भविष्य रखा गया है। यह विषय मुख्य रूप से मां और नवजात बच्चों की सेहत और सुरक्षा पर ध्यान देता है। कार्यशाला में सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के ओएसडी संजय श्रीवास्तव, मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आंनद, महामारी बीमारियों के विशेषज्ञ प्रवीण कर्ण सहित अन्य शामिल हुए। मौके पर मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आंनद ने बताया कि जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण बढ़ने में मानव का बहुत बड़ा योगदान है। जलवायु परिवर्तन का

बहुत बड़ा कारण विकास है। मौजूदा समय में जिस रफ्तार से शहरीकरण हो रहा है, ठीक उसी रफ्तार से जलवायु परिवर्तन भी हो रहा है। उन्होंने बताया कि दिन और रात के तापमान में काफी अंतर आ गया है। रातों को भी गर्मी बढ़ रही है। डॉ आनंद ने कहा कि गर्मी से बचने के लिए एसी का प्रयोग करना कोई कारगर उपाय नहीं है, बल्की हमें प्राकृतिक चीजों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। हमें सतत विकास सस्टेनेबल डेवलपमेंट को लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन को रोकने का एक उपाय है कि हम गांव के लोगों की तरह जीवन जीना सीखें। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ने में ट्रीपल रिडयू, रियूज और रिसाकल का कॉनसेप्ट बहुत अहम है।

हवा को शुद्ध करने के लिए बहुत से प्रोग्राम चलाये जा रहे

संजय श्रीवास्तव ने बताया कि शहरों की हवा को शुद्ध करने के लिए बहुत से प्रोग्राम चलाये जा रहे हैं। हम वन विभाग के साथ मिलकर शहरों के बीच-बीच में छोटे-छोटे पार्क बना रहे हैं। साथ ही पेड़ भी लगाये जा रहे हैं। ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। शहरों में ड्राईव चलाया जा रहा है कि कोई भी कही भी कूड़ा-कचड़ा न जलाए। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण को रोकने में हर एक व्यक्ति को आगे आना होगा। वायु प्रदूषण मृत्यु का एक बहुत बड़ा कारण है। दैनिक क्रियाकलाप शहरीकरण अन्य कारणों से प्रदूषण बढ़ रहा है। इससे जलवायु परिवर्तन हो रहा है और हमारे स्वास्थ्य पर इसका सीधा प्रभाव पड़ रहा है।

वहीं प्रवीण कर्ण ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण अत्यजधिक गर्मी एक बहुत बड़ी समस्या बन गई हैं। हीट स्ट्रोक के मामले गर्मी के माह में वृद्धि हो रही है। इसे लेकर सभी अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में व्यवस्था दुरूस्त की गई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी लोगों के लिए जानलेवा होती जा रही है। गर्मी से बचाव के लिए ट्रैफिक सिग्नल के पास शेड का व्यवस्था किया जा सकता है। ताकि, ठहराव के समय लोगों को छाया मिल सकें। चौक चौराहे पर ठंडे पानी और छाछ की व्यवस्था प्रशासन कर सकता है। उन्हों ने बताया कि लोगों को बढ़ती गर्मी में अनावश्यक रूप से बहार निकलने से बचना चाहिए और खुद का ध्यान रखना चाहिए। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम समन्वयक, जिला डेटा प्रबंधक, रिजनल कॉर्डिनेटर, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गया जंक्शन पर विदेशी शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : गया जंक्शन पर रेल पुलिस की टीम द्वारा चलाये गए सर्च अभियान में विदेशी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। रेल सूत्रों ने बताया कि रेल थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाए गए सर्च अभियान में वन-बी प्लेटफार्म पर एक पिट्ठू बैग व एक थैला पाया गया। बैग व थैले की जांच किये जाने पर 37 केन बीयर व एक बोतल विस्की बरामद की गई। संलिप्त एक युवक को पकड़ा गया। पकड़े गए युवक संजीव कुमार वारसलीगंज जिला नवादा का रहने वाला है। इस संबंध में रेल थाना में मामला दर्ज की गई। पूछताछ के बाद युवक को जेल भेज दिया गया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में गोष्ठी आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सोमवार को पूर्व मध्य रेलवे के सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर डा. सुबोध कुमार मिश्रा, चिकित्सा निदेशक के नेतृत्व में जन-जागरूकता के तहत ओपीडी परिसर में मरीजों एवं उनके परिजनों के बीच महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के देखभाल पर केन्द्रित रहा।

इस गोष्ठी में डा अरविंद कुमार ओझा अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशकशिशु रोग द्वारा समग्र रूप से नवजात शिशु की देखभाल एवं उनसे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं के बारे में जानकारी दी गई । डा. संध्या किरणअपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक सामान्य सह स्त्री रोग विशेशज्ञ के द्वारा गर्भावस्था एवं प्रसव के समय उचित देखभाल एवं समस्याओं का निवारण विषय पर व्याख्यान दिया गया । इस अवसर पर डा. हरीश कुमार एवं डा. नेहा राजनंदिनी, डीएनबी स्टूडेंट द्वारा मातृ एवं नवजात शिशु के स्वास्थ्य विषय पर प्रजेंटेशन दिया गया । इस गोष्ठी में बहुत बड़ी संख्या में मरीज तथा उनके परिजन, पारामेडीकल कर्मचारी एवं इस अस्पताल के अन्य चिकित्सक भी शामिल हुए । गोष्ठी का संचालन डा. स्वीटी कुमारी, मंडल चिकित्सा अधिकारी पैथ के द्वारा की गई । विदित हो कि वर्ल्ड हेल्थ डे की शुरूआत विश्व स्वास्थ्य संगठन के गठन के साथ जुड़ी है ।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया): फतेहपुर प्रखंड की लोधवे पंचायत के तेलनी गांव में हैंड इन हैंड इंडिया के द्वारा ग्राम उत्थान कार्यक्रम अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थय दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य अभ्यास के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें हमेशा साफ सफाई और खान पान पर विशेष ध्यान के प्रति प्रेरित किया गया। मौके पर शिक्षा समन्वयक अभय कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस पर महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य अभ्यास के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने इस वर्ष स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य को थीम घोषित किया है। ताकि मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को रोका जा सके। महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता दी जा सके। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि ग्राम उत्थान कार्यक्रम के तहत महिलाओं को सशक्त, स्वयं निर्णय लेने में सक्षम, आर्थिक रूप से मजबूत बनाना हैं। साथ ही महिलाओं को कौशल विकास कार्यक्रम से जोड़कर उन्हें हुनरमंद बनाना व अपना खुद का उद्यम हो उस पर कार्य करना प्रमुख उद्देश्य है। आंगनबाड़ी सेविका ललिता देवी ने कहा कि स्वस्थ्य रहने के लिए साफ सुथरा रहने, सही समय पर खान पान एवं पौष्टिक आहार लेने को अपने दैनिक जीवन से जोड़ना होगा। तभी महिलाएं बीमारी को मात दे सकती हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी रामस्वरूप तुरिया, सेविका ललिता देवी, आशा मालती देवी, हैंड इन हैंड इंडिया के शिक्षा समन्वयक डॉ. अभय कुमार ने दीप प्रज्वलीत कर किया। मौके पर गुडू कुमार, रविंद्र कुमार, राखी कुमारी, कंचन कुमारी आदि मौजूद रही।

दुर्गा पंडाल में महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से नृत्य करते खेला सिंदुर उत्सव

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया): फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित बड़ी देवी स्थान में बसंतीक दुर्गा पूजा पंडाल में सोमवार देर शाम को सिंदूर खेला गया। महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से नृत्य कर सिंदूर खेला। मां को विदाई देने से पूर्व सुहागन महिलाओं ने मां पर सिंदूर चढ़ाकर अखंड सौभाग्य का वरदान मांगा। मां की सिंदूर लगाने के बाद भक्ति धुन पर सभी महिलाओं ने नृत्य किया। मां को विदाई देते समय लोगों को आंखे नम हो गई। दुर्गा पूजा की ओर से आयोजित पूजा स्थल पर बड़ी संख्या में महिलाएं इस पूजा में शामिल हुईं। महिलाओं ने पहले मां दुर्गा को सिंदूर लगाया और सदा सुहागन रहने का आशीर्वाद लिया। इसके बाद महिलाएं आपस में एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और मां के साथ सेल्फी ली। इस सिंदूर खेला उत्सव में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं। इधर, मां दुर्गा सहित मां सरस्वती मां लक्ष्मी और भगवान गणेश व भगवान कार्तिकेय की प्रतिमाओं का मंगलवार को क्षेत्र के अतिप्राचीन व ऐतिहासिक शाहपोखर में विसर्जन किया जाएगा।

फतेहपुर के नौडीहा झुरांग में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकली रामनवमी जुलूस

उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, जय श्रीराम के नारे से गूंजयमान होता रहा इलाका

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया) : फतेहपुर प्रखंड की संवेदनशील नौडीहा झुरांग पंचायत में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोमवार को ढोल-बाजे के साथ रामनवमी का भव्य जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में भगवा ध्वज के साथ श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं के जय श्रीराम के नारे से पूरा इलाका गूंजयमान होता रहा।

नौडीहा झुरांग पंचायत की मुखिया कुमारी सुधा व समाजसेवी सुरेंद्र प्रसाद ने बताया कि पंचायत के झुरांग, नैडीहा, कुंभियातरी, बडगांव, गोली, तेतरिया, धंछु, मंझला, मचरक, हाराकुरहा आदि गांवों से एक साथ महावीरी जुलूस निकला। ग्रामीण आगे-आगे हाथों में झंडा पताका लिए चल रहे थे। सभी गांव का जुलूस पूरे गांव का भ्रमण करते हुए नौडीहा मैदान में पहुंचा। यहां अभी का मिलान हुआ। यहां के बाद देर शाम में जुलूस कुंभियातरी पहाड़ी पर पहुंचा खुशी-खुशी जुलूस का समापन हुआ। जुलूस में शामिल श्रद्धालु ढोल-बाजे पर खूब झूमे। इस दौरान जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारे से पूरा इलाका गुंजायमान रहा। महावीरी जुलूस के दौरान फतेहपुर प्रखंड की अति संवेदनशील माने जाने वाला नौडीहा झुरांग पंचायत क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चौकस दिखा। चप्पे-चप्पे पर दंडाधिकारी पुलिस अफसर एवं जवान ड्यूटी में मुस्तैद देखे गए। जुलूस के दौरान फतेहपुर थाने व गुरपा ओपी की पुलिस चौकस बनी रही। शांतिपूर्ण माहौल में जुलूस सम्पन्न कराने के लिए जगह-जगह पुरूष व महिला बल को तैनात किया गया था। जुलूस के आगे, बीच में और पीछे से पुलिस चल रही थी। इस दौरान पुलिस पूरी सतर्कता बरत रही थी। जुलूस के दौरान शांति व विधि व्यवस्था बनाये रखने में डीएसपी सुनील कुमार पांडेय, बीडीओ शशिभूषण साहू, सीओ रंजीत कुमार, बीईओ दिनेश कुमार राय, सर्किल इंस्पेक्टर के. के. अकेला, फतेहपुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह, गुरपा थानाध्यक्ष अजय कुमार के साथ ही बड़ी संख्या में पुरुष और महिला पुलिस के अधिकारी व जवान शामिल थे।

पूर्व मध्य रेलवे ने 200 मीलियन टन से ज्यादा माल लदान कर बनाया कीर्तिमान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूर्व मध्य रेलवे ने 200 मीलियन टन से ज्यादा माल लदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापति किया। इस सम्बंध में पूर्व मध्य रेलवे के जीएम छत्रसाल सिंह ने विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। साथ ही भविष्य की कार्य योजनाओं पर चर्चा की।पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 202 मीलियन टन माल लदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके लिए बधाई दी । बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजनाओं एवं लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा की गयी । महाप्रबंधक ने चालू वित्तीय वर्ष में माल लदान के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल करने के लिए कार्ययोजना बनाकर उसपर तत्काल अमल करने पर बल दिया । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल द्वारा पहली बार 200 मीलियन टन माल लदान किये जाने को यादगार बनाने हेतु महाप्रबंधक द्वारा एक स्मृति चिन्ह भी जारी किया गया ।

विदित हो कि पूर्व मध्य रेल द्वारा माल ढुलाई के क्षेत्र में भी रिकॉर्ड कायम करते हुए 200 मीलियन टन माल लदान किया गया जबकि समाप्त हुए वित्तीय 2024-25 के 31 मार्च तक 202.63 मीलियन टन माल ढुलाई कर माल ढुलाई के क्षेत्र में भारतीय रेल के 04 प्रथम क्षेत्रीय रेल में शामिल होने का गौरव हासिल किया गया । इसके साथ ही माल ढुलाई से 26,354 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ जिससे माल ढुलाई से प्राप्त आय के क्षेत्र में भारतीय रेल में पूर्व मध्य रेल को दूसरा सर्वाधिक आय प्राप्त करने वाला क्षेत्रीय रेल बनने का गौरव हासिल हुआ है ।

मोरवे में आग लगने से दस कोठी बांस और पटवन का पाइप जला

ग्रामीणों व दमकल के सहारे आग पर पाया गया काबू, गेहूं फसल व घर जलने से बाल-बाल बचा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया): फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र के मोरवे गांव में आग लग जाने से दस कोठी बांस और पटवन का पाइप जलकर नष्ट हो गया। ग्रामीणों और दमकल के सहारे आग पर काबू पा लिया गया। इस कारण गेहूं फसल और घर आग के जद में आने से बच गया। पीड़ित किसान बाबूलाल यादव ने बताया कि सोमवार को उनके बांस के कोठी में अचानक आग लग गया। आग आदि तेजी से फैल गया और दस कोठी बांस आग के चपेट में आ गया। ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने के प्रयास में जूट गए। साथ ही फायर बिग्रेड को भी सूचना दे दी गई। इसके बाद दमकल भी पहुंच गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के अथक प्रयास और दमकल के सहारे आग पर काबू पाया जा सका। लेकिन तब तक दस कोठी बांस और खेत पटवन का पाइप जलकर नष्ट हो गया। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लेने से अगल-बगल सटे खेतों में खड़ी व खलिहान में रखा गेहूं फसल और घर आग के चपेट में आने से बच गया। इससे बड़ी नुकसान होने से बच गया है।

गया स्टेशन से आठ किलो गांजा के साथ यूपी का तस्कर गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : गया जंक्शन के एक नंबर प्लेटफार्म से रेल पुलिस की टीम ने अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ अन्तर्राज्यीय गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया।

गया जंक्शन परिसर क्षेत्र में रेल अपराधियों के खिलाफ तथा लैपटॉप-मोबाइल चोरी,चैन स्नैचर, अटैची लिफ्टर, अवैध मादक पदार्थ एवं अन्य अपराधों के रोकथाम के उद्देश्य को लेकर चलाये जा रहे विशेष जांच अभियान के दौरान सोमवार को रेल पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। बताया गया कि रेल थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में रेल पुलिस की टीम ने एक प्लेटफार्म पर खड़ी 13009 अप हावड़ा-योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस के सामान्य बोगी में चेकिंग के दौरान में एक व्यक्ति को सन्दिग्ध स्थिति में देखा। पुलिस को देखकर व्यक्ति अपने ट्रॉली बैग लेकर ट्रेन से भागने लगा जिले रेल पुलिस की टीम ने प्लेटफॉर्म पर पकड़ा। पकड़े गए व्यक्ति से नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम जगधारी पिता स्व उमराव घर अमठा गोपालपुर दौलताबाद थाना जहानागंज सदर (उत्तर प्रदेश) बताया। साथ ही वर्तमान पता में मकान नम्बर बी-180 रमेश इन्कलेब गली नम्बर-4 थाना अमन विहार दिल्ली बताया। इस व्यक्ति को दंडाधिकारी के समक्ष तलाशी लिये जाने के क्रम में उसके पास के ट्रॉली बैग से करीब 40 हजार रुपये मूल्य के आठ पैकेट में रखे करीब आठ किलो गांजा बरामद हुआ। इस संबंध में रेल थाना में मामला दर्ज की गई पूछताछ के बाद गिरफ्तार व्यक्ति को जेल भेज दिया गया। कार्रवाई के दौरान टीम में अवर निरीक्षक विरेन्द्र प्रसाद, जवान दीपक कुमार, विवेक कुमार, रमन कुमार, काजल भारती, ब्यूटी कुमारी शामिल थी।

विमल नेगी मौत मामला: जय राम ठाकुर बोले- सीबीआई को सौंप देनी चाहिए जांच, यही समय की मांग

शिमला, 07 अप्रैल (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से आग्रह किया कि वह विमल नेगी की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दें। उन्होंने कहा कि अब बहुत देर हो चुकी है और यह समय की और नैतिकता की मांग है कि मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जाए। ठाकुर ने सवाल उठाया कि जब नेगी के परिजनों ने सीबीआई जांच की मांग की है और सरकार की जांच को खारिज कर दिया है, तो मुख्यमंत्री को

इसे सीबीआई को सौंपने में क्या परेशानी है?उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने नेगी के परिवार को 15 दिन का समय दिया था, लेकिन इन 15 दिनों में मामले के एक प्रमुख आरोपित पुलिस की नजर से फरार रहा। इसके बावजूद पुलिस ने उस आरोपित से पूछताछ करना भी जरूरी नहीं समझा। ठाकुर ने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ईमानदार अधिकारी की मौत के बाद उसके परिवार को न्याय के लिए कैंडल मार्च निकालना पड़ रहा है।मुख्यमंत्री के ईडी के छापे से संबंधित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस तरह के बयान शोभा नहीं देते। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन निदेशालय का काम अलग है और यदि सीबीआई जांच करवानी है तो यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह केंद्र सरकार से मांग करे या कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई हो।ठाकुर ने यह सवाल उठाया कि सरकार सीबीआई जांच से क्यों भाग रही है। उन्होंने कहा कि अगर पावर कारपोरेशन में भ्रष्टाचार के आरोप बेबुनियाद हैं, तो सरकार को सीबीआई जांच में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे सरकार को क्लीन चिट मिल सकती है।

सीयू में आयोजित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में विवेकानंद ग्रुप बना विजेता

धर्मशाला, (एजेंसी) : हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के धौलाधार परिसर में चल रहे अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी संबंध में सोमवार को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 83 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों की तीन टीमें बनाई गई थीं। इस प्रतियोगिता में कुल तीन टीमों क्रमशः विवेकानंद ग्रुप में प्रतिभागी आईना स्नेही (कप्तान), आंचल कौशल, बालकृष्ण, अभय एवं अनमोल, सावरकर ग्रुप में जितेन्द्र (कप्तान), गुलशन, नीरज, प्रिंस, काजल और सावित्री बाई फुले ग्रुप में सुशील (कप्तान), शालिनी, शिल्पा, शबनम, शशि रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कुल 40 प्रश्नों के चार राउंड सम्मिलित थे। इस प्रतियोगिता में विवेकानंद ग्रुप विजयी रहा।

इस कार्यक्रम के दौरान केंद्र के शिक्षक डॉ राजकिशोर सिंह और डॉ अंकिता शर्मा उपस्थित रहे। आठ अप्रैल को इसी श्रृंखला में कविता और भाषण प्रतियोगिता आयोजित होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत प्रकाश बंसल, अधिष्ठाता अकादमिक एवं कार्यक्रम समन्वयक प्रो प्रदीप कुमार ने विजेता टीम को शुभकामनाएं प्रदान कीं।

पृष्ठ एक का शेष...

हजारीबाग का पदमा ओपी बनेगा थाना, देवघर हवाई....

के सृजन में लगभग चार करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न उच्चस्तरीय समिति की बैठक में गृह विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती वंदना दादेल, कार्मिक सचिव श्री प्रवीण टोप्पो, ग्रामीण विकास सचिव श्री के श्रीनिवासन, राजस्व सचिव श्री चंद्रशेखर और आइजी हेडक्वार्टर श्री मनोज कौशिक मौजूद थे।

घरेलू रसोई गैस 50 रुपये हुई महंगी, नई कीमतें....

के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपये से बढ़कर 553 रुपये हो जाएगी।

देश में अगले 11 दिन पड़ेगी भीषण....

जा सकता है। उत्तर प्रदेश में इस साल अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से ज्यादा रहने और हीटवेव चलने की आशंका है। दिन का तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहने का अनुमान है। रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा रह सकता है।

दिल्ली में तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा

बीते दिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3.1 डिग्री ज्यादा है, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री कम 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा। शहर में सोमवार को हीटवेव चलने और अधिकतम तापमान 41 डिग्री के आसपास रह सकता है।

आज पूर्वोत्तर राज्यों में ओले गिरने के आसार

केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, असम, मेघालय और अंडमान-निकोबार में मंगलवार को गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। आंध्र और पूर्वोत्तर राज्यों (असम, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, नगालैंड, मणिपुर) के कुछ हिस्सों में ओले भी गिर सकते हैं। कुछ राज्यों में रविवार को भी बारिश हुई है।

कल्याण मंत्री ने आदिवासी कल्याण आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों...

बैठक में प्रबन्ध निदेशक टीसीडीसी श्री नीलसोम बागे, उप निदेशक श्री धीरेंद्र सिंह, अप निदेशक श्रीमती मोनिका टूटी, श्री राकेश उरांव, श्रीमती अमृता कुजूर आदि उपस्थित थे।

झारखंड सरकार का अनोखा ऑफर, रील....

भ्रामक, नकारात्मक या झूठी जानकारी देने पर कार्रवाई हो सकती है। रील नई, क्रिएटिव और ऑथेंटिक होनी चाहिए।एक क्रिएटर को साल में एक बार ही इनाम मिलेगा।सरकार रील का प्रमोशनल इस्तेमाल कर सकती है, लेकिन क्रिएटर को पूरा क्रेडिट मिलेगा।

झारखंड में पड़ सकते हैं ओले, आंधी बारिश...

बौछारें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग ने 9 अप्रैल को झारखंड के रामगढ़, रांची, खुंटी, गिरिडीह, बोकारो, सरायकेला, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, साहेबगंज, गोड्डा, पाकुड, दुमका, देवगढ़, जामतारा, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, जामतारा और धनबाद जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बौछारें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने 10 अप्रैल को झारखंड के गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा जिलों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं लोहरदगा, हजारीबाग, रांची, गुमला, खुंटी, कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह, बोकारो, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, बोकारो, धनबाद, देवगढ़, जामतारा, गोड्डा, पाकुड, दुमका, देवगढ़ और साहेबगंज जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ने और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने 11 अप्रैल को झारखंड के गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा जिलों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं मौसम विभाग ने लोहरदगा, हजारीबाग, रांची, गुमला, सिमडेगा, खुंटी, कोडरमा, रामगढ़, बोकारो, गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, बोकारो, धनबाद, देवगढ़, जामतारा, गोड्डा, पाकुड, दुमका, देवगढ़ और साहेबगंज जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बौछारें और ओले पड़ने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

रात की ड्यूटी से गायब मिले पुलिसकर्मी...

पर उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, बाजार, माल, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, संवेदनशील स्थानों एवं भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा प्रबन्ध कर नियमित पेट्रोलिंग की जाए। जरुरत के मुताबिक सीसीटीवी एवं ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाए।

संक्षिप्त खबर

पंचायत सचिव का प्रशासनिक दृष्टि से तबादला

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : रानीश्वर प्रखंड के 17 ग्राम पंचायतों में 13 पंचायत सचिव को प्रशासनिक दृष्टि से तबादला कर दिया गया । प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने रांगालिया पंचायत के सचिव हरिनारायण सिंह को धानभाषा एवं दक्षिणजोल पंचायत का अतिरिक्त प्रभार दिया हैं । गोबिंदपुर पंचायत के सचिव दीप्ती दास को बाँसकुली पंचायत का अतिरिक्त प्रभार दिया हैं। सादीपुर पंचायत के सचिव सुलक्षणा कुजूर को सुखजोड़ा पंचायत का सचिव बनाया गया हैं। वही कई पंचायत सचिव को पूर्व पद के साथ अन्य पंचायत जो अच्छे काम कर रहे हैं उन्हें अतितिक्त प्रभार दिया हैं । जिसको लेकर यहां तरह तरह की चर्चा हो रहीं हैं ।पंचायत सचिवों को पूर्व पद के साथ अन्य पंचायत का प्रभार देने की आदेश को प्रशासनिक स्थानांतरण मानने से कई लोग इन्कार करते हैं ।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : भारत विकास परिषद शाखा ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर में किया गया। जांच शिविर लगाने का उद्देश्य बच्चों में होने वाले खून की कमी, बदलते वातावरण का कुप्रभाव ,सर्दी खांसी एवं अन्य प्रकार के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच हो सके और समय रहते उचित इलाज एवं आवश्यक सावधानी का सुझाव दिया जा सके। शिविर का आयोजन डाङ्ग शक्ति प्रकाश गावस्कर एवं डा० दीपा अग्रवाल के टीम द्वारा किया गया। जिसमें स्कूल के लगभग 66 बच्चे एवं बच्चियों के स्वास्थ्य का जांच परीक्षण कर उन्हें तत्काल आवश्यक दवा एवं सुझाव दिया गया। भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय पदाधिकारी संस्कार प्रकल्प की भारती शर्मा, डॉ० मधुर कुमार सिंह, प्रीति भालोटिया, जीतेन्द्र कुमार साह, प्रदीप कुमार, सतीश कुमार, ज्योति हिम्मतसिहका , प्राचार्य, शिक्षक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हिंदू समाज को दहशतगर्द बताना दुर्भाग्यजनक : बाबूलाल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में रामनवमी के दौरान झारखंड के बहुसंख्यक हिंदू समाज के लिए 'दहशतगर्द' (आतंकवादी) शब्द का प्रयोग बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रदेश के मुख्यमंत्री से अपेक्षा होती है कि वह सभी नागरिकों के प्रति समान व्यवहार और सम्मानजनक भाषा अपनाएं, लेकिन यहां उन्होंने भड़काऊ और विभाजनकारी शब्दों का प्रयोग कर अपनी दुर्भावनापूर्ण सोच को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि यह ठीक वैसा ही प्रयास है जैसा कांग्रेस ने पहले मजहबी आतंकवादियों को बचाने के लिए ह्यहिंदू आतंकवादद्ध का झूठा नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया था। अब उसी राह पर हेमंत सोरेन चलते हुए, एक सोची-समझी रणनीति के तहत, झारखंड में बहुसंख्यक समाज को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता हेमंत सोरेन के इस नफरती और जिहादी सोच को सफल नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री तत्काल बहुसंख्यक हिंदू समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और स्पष्ट करें कि अपने ही नागरिकों के प्रति ऐसा अपमानजनक और आपत्तिजनक शब्द इस्तेमाल करने के पीछे उनका इरादा क्या था। अन्यथा, झारखंड की जनता करारा जवाब देगी।

प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को लेकर आवेदन

पलामू, (एजेंसी)। जिले के नीलांबर पीतांबरपुर प्रखंड प्रमुख सुनील कुमार पासवान के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए प्रखंड क्षेत्र के 20 पंचायत समिति सदस्य में से 16 पंचायत समिति सदस्यों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सुकेशनी केरकेट्टा को सोमवार को लिखित आवेदन दिया। आवेदन में आरोप लगाया गया कि प्रखंड प्रमुख के द्वारा किसी योजना में 45 प्रतिशत कमीशन मांगा जाता है, जबकि प्रखंड में संचालित योजना की बात की जाए तो सिर्फ अपनी पंचायत पिपरा में लगभग 15 सार्वजनिक कार्य हुए, परंतु शेष पंचायत में कोई भी विकास योजना उनके द्वारा नहीं ली गयी। प्रखंड प्रमुख एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ एक भी बैठक माहवारी नहीं बुलायी गयी। सरकार के निदेर्शानुसार माह में एक बार बैठक विकास के लिए नियम संगत होना जरूरी है। आरोप लगाया गया कि प्रखंड में पंचायत समितियों के बगैर लाभुकों से सीधी मोटी रकम प्राप्त करके प्रमुख के द्वारा योजना की स्वीकृति दी जाती है एवं कार्य पूर्ण कर लिया जाता है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि पंचायत समितियों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए आवेदन को अग्रेत्तर करवाई के लिए सदर अनुमंडल पदाधिकारी को प्रेषित कर दिया गया है। वहां से तिथि निर्धारित होने के बाद अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी।

राजस्व संग्रहण के मामले में कार्यालय प्रधान से स्पष्टीकरण पूछने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कुमुद सहाय ने राजस्व संग्रहण से संबंधित समीक्षात्मक आयोजित बैठक में विगत वित्तीय वर्ष में सभी विभागों,कार्यालयों के लक्ष्य के विरुद्ध वार्षिक राजस्व वसूली की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने वैसे सभी विभागों,कार्यालयों जिनका विगत वित्तीय वर्ष में वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध राजस्व वसूली कम रही है, पर नाराजगी जाहिर करते हुए सम्बन्धित अधिकारी को स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया।इसके अलावा उन्होंने विभागवार राजस्व संग्रहण, भू राजस्व संग्रहण से संबंधित अंचलवार समीक्षा, सामान्य दाखिल खारिज के लंबित मामलों, राजस्व न्यायालय में लंबित ई कोर्ट से संबंधित मामलों, जीएम लैंड सत्यापन, सीमांकन, सैरात संग्रहण, भू अर्जन अधिनियम के तहत अर्जित भूमि का दाखिल खारिज, नीलाम पत्र वाद सहित अन्य सभी बिंदुओं का बारी बारी से समीक्षा की एवं सभी को लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में समुचित कार्रवाई का निर्देश दिया।

वहीं राजस्व सम्बन्धी विभिन्न बिंदुओं पर उन्होंने अपेक्षित प्रगति लाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी राहुल कुमार , अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, जिला भू अर्जन पदाधिकारी सत्यप्रकाश, संबंधित अंचल अधिकारी एवं अन्य उपस्थित रहे।

पारा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिले के सभी दसों प्रखंडों में पारा लीगल वॉलिंटियर्स के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें समझाया गया कि आज के इस माहौल में आधुनिकरण के साथ बीमारियां भी बढ़ती जा रही है। विश्व में फैले रोगों से बचाव के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मलेरिया, कुष्ठ रोग, नेत्र हीनता, पोलियो की गंभीर समस्या, कोरोना जैसी गंभीर बीमारियों को दूर कर पीड़ित मरीजों को इलाज मुहैया कराना एवं कुपोषण को दूर करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है। लोगों को अच्छी सेहत के लिए साफ सफाई, स्वच्छ जल, पौष्टिक भोजन तथा चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए रोजाना योग एवं कसरत अति आवश्यक है।

जिले में पोषण पखवाड़ा का आयोजन 08 से 22 अप्रैल तक

विभिन्न गतिविधियों, थीम के माध्यम से किया जाएगा जगरूकता कार्यक्रम

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : देश के सुनहरे भविष्य के लिए बच्चे, युवा एवं महिलाओं का स्वास्थ्य अच्छा होना अति आवश्यक है ताकि भविष्य में यही बच्चे, युवा बेहतर मानव संसाधन के रूप में परिणत हो सके और देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी योग्यतानुसार सेवा दे सकें। इसी क्रम में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा 08 से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में जिले में भी पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। इस बाबत उपायुक्त विजया जाधव ने नोडल विभाग जिला समाज कल्याण विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को बेहतर समन्वय के साथ पखवाड़ा का सफल आयोजन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्धारित कैलेंडर के अनुरूप जिला, प्रखंड एवं आंगनबाड़ी केंद्र स्तर पर गतिविधि आयोजित करने को कहा है। पोषण पखवाड़ा के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियां विभिन्न विभागों के सहयोग से संचालित किये जाएंगे। इसमें स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, सूचना जनसंपर्क विभाग, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जेएसएलपीएस शामिल हैं, सभी समन्वय के साथ गतिविधि, कार्यक्रम आयोजित करेंगें। कार्यक्रम को एक जन आंदोलन का रूप देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। जिसमें पोषण रथ रवाना किया जाना, साइकिल रैली, पोषण प्रदर्शनी आदि प्रमुख हैं। इसके साथ ही महिलाओं के गोद भराई का कार्यक्रम अन्नप्रासन कार्यक्रम, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के लिए एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम, मातृ एवं शिशु देखभाल और पोषण सुनिश्चित करने के कार्यक्रम विभिन्न स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। पोषण पखवाड़ा के तहत जिला स्तर से लेकर प्रखंड, पंचायत एवं गांव स्तर पर विभिन्न गतिविधि, कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष पोषण पखवाड़ा का मुख्य थीम जीवन के पहले हजार दिवस का महत्व, लाभार्थी माड्यूल को लोकप्रिय बनाना, सामुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन राज्य भर में राल आउट एवं बच्चों में मोटापे को नियंत्रण करने हेतु स्वास्थ्य जीवन शैली अपनाना है।

उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक संपन्न

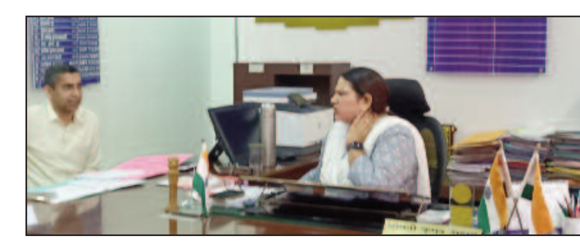

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कुमुद सहाय की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक की गई। जिसमेंउपायुक्त ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की पूर्व की बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में हुए कार्यों की समीक्षा की एवं जरूरी दिशा निर्देश दिया। वहीं उन्होंने बैठक के दौरान प्राकृतिक आपदाओं यथा वज्रपात व्यक्ति एवं पशु, अतिवृष्टि, आंधी तूफान एवं आगलगी से मकान क्षति, सड़क दुर्घटना एवं आपदाओं में अस्वाभाविक रूप से मृत्यु होने के उपरांत आश्रितों,पीड़ितों को मुआवजा राशि उपलब्ध कराने हेतु प्राप्त विभिन्न 15 अभिलेखों की बारी बारी से समीक्षा की। समीक्षोपरांत उन्होंने प्राप्त सभी 15 अभिलेखों यथा पानी में डूबने का 01, सड़क दुर्घटना का 01, वज्रपात (व्यक्ति) का 01, वज्रपात (पशु) का 04, अतिवृष्टि (मकान क्षति) का 03, आंधी तूफान (मकान क्षति) का 02 एवं आगलगी (मकान क्षति) के 03 अभिलेखों की समीक्षा कर सर्वसम्मति से समुचित निर्णय लेते हुए सम्बन्धित को आवश्यक एवं उचित दिशा निर्देश दिया। इस मौके पर जिप अध्यक्ष राधारानी सोरेन, वन प्रमंडल पदाधिकारी राहुल कुमार , अपर समाहर्ता , सिविल सर्जन डॉ. आनंद मोहन सोरेन, जिला भू अर्जन पदाधिकारी सत्यप्रकाश, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय , कार्यपालक अभियंता पीएचईडी , जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी के अलावा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

सेविका एवं सहायिका के रिक्त पद पर जल्द चयन का निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : उपायुक्त की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक। उपायुक्त ने जिला अंतर्गत सेविका एवं सहायिका के रिक्त पद पर जल्द आमसभा करते हुए चयन करने का निर्देश दिया। वीएचएसएनडी, सीबीई,पोषण ट्रैकर की गतिविधियों से संबंधित प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई ।सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को परियोजना अंतर्गत सभी सेविकाओं को पोषण ट्रैकर में ऑनलाइन एंट्री करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा डीएमएफटी मद से दिए गए सभी सामग्रियों जैसे एएनसी बेड,टैब मोबाइल इत्यादि का उपयोग सेविका द्वारा करने का निर्देश दिया सभी महिला सुपरवाइजर को अनबद्ध निधि से टैब दिया जायेगा। समीक्षा के क्रम में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को आंगनवाड़ी मे पोषण वाटिका लगाने के लिए निर्देश दिया ।बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

आनंद मार्ग ने ग्रामीणों में बांटे 500 फलदार पौधे

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी)। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से गदरा, रहरगोड़ा और बारीगोड़ा के ग्रामीण इलाकों में सोमवार को 500 फलदार पौधे बांटे गए। इस अवसर पर संस्था के कार्यकताओं ने 500 जरूरतमंदों को भोजन कराया। भोजन वितरण के बाद ग्रामीणों को भक्ति और ध्यान का महत्व समझाते हुए सुनील आनंद ने कहा कि हरि का कीर्तन करने से हमारे में भीतर गुस्से की भावना का क्षय होता है। उन्होंने सुझाव दिया कि किसी भी कार्य को शुरू करने से पहले पांच मिनट तक कीर्तन करना चाहिए। उन्होंने बाबा नाम केवलम कीर्तन को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए कहा कि यह अशांति, तनाव और चिंता से मुक्ति दिलाने वाला अभ्यास है। कीर्तन ईश्वर से गहरे संबंध स्थापित करने, संकल्प शक्ति को मजबूत करने और आत्मिक उन्नति प्राप्त करने का माध्यम है। यह मन, शरीर और आत्मा को संतुलित करता है और व्यक्ति को ध्यान, स्थिरता और आनंद की अनुभूति कराता है।

मुस्लिमों को आरक्षण देने वाली कांग्रेस का दलित, आदिवासी प्रेम दिखावा : अजय साह

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची । भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने मुस्लिमों को आरक्षण देने वाली कांग्रेस का दलित, आदिवासी प्रेम दिखावा है। कांग्रेस के आदिवासी और दलित प्रेम को ह्यदिखावटीह्ल और ह्यपाखंडीह्ल बताते हुए उसे केवल राजनीतिक नौटंकी करार दिया। साह सोमवार को कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता पर प्रतिक्रिया देते हुए बोल रहे थे। अजय साह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी और दलित वर्गों में अपनी गिरती पकड़ और कमजोर होती राजनीतिक स्थिति से बौखलाई हुई है, और इसी हताशा में रोज नए-नए बयानबाजी करके सहानुभूति पाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जिस वर्ग के अधिकारों का दावा कर रही है, उसी वर्ग का हक छीनकर वह मुस्लिम तुष्टिकरण में लगी हुई है। साह ने सोमवार को जोर देकर कहा कि जिस समाज को कांग्रेस ने दशकों तक गरीबी, पिछड़ेपन और शोषण के अंधेरे में रखा, भाजपा के शासनकाल में वही समाज विकास और सम्मान की मुख्यधारा में आया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने न सिर्फ.झारखंड को एक अलग राज्य का दर्जा दिया, बल्कि आदिवासी कल्याण मंत्रालय की भी स्थापना की। भाजपा ही वह पार्टी है जिसने देश को पहली बार एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति पद पर बैठाया और उस समय कांग्रेस ने इसका विरोध किया। साह ने कहा कि भाजपा सरकार ने आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण योजना, हर घर जल योजना, जैसे अनेक कार्यक्रमों के जरिए दलितों और आदिवासियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान देने का काम किया और इन सभी योजनाओं में झारखंड में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने मोदी सरकार की पीएम-जनमन योजना का विशेष उल्लेख किया, जिसे विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए शुरू किया गया है। यह योजना उन समुदायों को बुनियादी सुविधाएं, शिक्षा, आजीविका और स्वास्थ्य सेवाएं देकर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का कार्य कर रही है। एकलव्य विद्यालय मॉडल को भी वैश्विक पहचान मिल रही है, जो आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। साह ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने झारखंड को कांग्रेस के मुकाबले तीन गुना ज्यादा फंड उपलब्ध कराया है। लेकिन राज्य सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के हितग्राहियों तक इसका लाभ नहीं पहुंच सका। उन्होंने कहा कि इन फंड्स की बंदरबांट और घोटाले झारखंड की सच्चाई बयां करते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर संविधान के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा, ह्ययह वही पार्टी है जिसने आपातकाल के दौरान बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान में रातों-रात बदलाव किए, और आज वही पार्टी संविधान की दुहाई दे रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस अब कर्नाटक में दलितों और आदिवासियों के आरक्षण को मुस्लिमों में बांटने की जो परंपरा शुरू कर चुकी है, उसे देशभर में लागू करना चाहती है। यह न केवल संविधान की भावना के खिलाफ है बल्कि सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी आहत करता है।

डीजे की धुन पर खूब थिरके राम भक्त

चतरा, (एजेंसी)। भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव का पर्व रामनवमी जिले में शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। नवमी की पूरी रात सड़कों पर रामभक्तों का रेला लगा रहा। रविवार की शाम से शुरू हुई रामनवमी जुलूस सोमवार की दोपहर बाद संपन्न हुआ। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी भगवान श्रीराम की आराधना में लोग डूबे रहे। कई गांवों में विजयादशमी के अवसर पर सोमवार की शाम भी जुलूस निकाला गया।

27 क्लबों ने निकाली झांकी, आकर्षण का केंद्र बना काली मंदिर की झांकी: रामनवमी के अवसर पर शहर में 27 क्लबों ने झांकी निकाली थी। झांकियों में कई मठ-मंदिरों का स्वरूप उतारा गया था। काली मंदिर क्लब की झांकी में भगवान श्रीकृष्ण रथ खिलते दिखाई पड़े। काली मंदिर पूजा समिति अव्वल मोहल्ला की झांकी आकर्षण का केंद्र बना। नटराज क्लब की झांकी में विशाल शेर पर भव्य रामजी को स्थापित किया गया था। शिवशक्ति क्लब बिंड मोहल्ला की झांकी में अंगद रावण प्रसंग की जीवंत प्रस्तुती की गई। वीर योद्धा क्लब की झांकी में भगवान शंकर बड़े से डमरू पर विराजमान किए गए थे। शांति क्लब की झांकी में माता दुर्गा शेर की सवारी करते दिखाए गए। इसी तरह अन्य क्लबों ने भी एक से बढ़कर एक झांकी प्रस्तुत किया।

लोगों ने दिखाए हैरत अंगेज करतबः जुलूस में शामिल रामभक्तों ने जमकर तलवार भांजे और लाठी धुने। जुलूस जगह-जगह पर रुक-रुक कर आगे बढ़ते रही। इस बीच खिलाड़ियों ने कई हैरतअंगेज करतब दिखाए। युवाओं के साथ-साथ बुजूर्गों ने भी तलवार व लाठियां भांजी। पूजा समिति के सदस्यों ने केशरी चौक के पास जिला प्रशासन की ओर से बनाए गए पंडाल के समीप विशेष तौर पर कला का प्रदर्शन किया। इस दौरान क्लबों के द्वारा बनाए गए झांकी व तासा पार्टी का भी प्रदर्शन किया गया।

सुरक्षा का था पुख्ता प्रबंध, डीसी और एसपी ने संभाला था मोर्चाः रामनवमी जुलूस को लेकर शहर में सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया था। डीसी रमेश घोलप और एसपी विकास कुमार पांडेय स्वयं मोर्चा संभाल रखा था। डीसी व एसपी रात भर केसरी चौक पर बनाए गए जिला प्रशासन के पंडाल से स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखा। इसके अलावा एसडीपीओ संदीप सुमन, एसडीओ जहूर आलम, सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार रातभर शहर में गस्त करते रहे। शहर के सभी चौक-चौराहों एवं मोहल्लों में पुलिस के जवान तैनात किए गए थे। इन सभी जगहों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस के जवान पूरी रात डटे रहे। जिले के उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार ने भी रामनवमी जुलूस का जायजा लिया। सभी पदाधिकारी विधि व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

कई संस्थानों ने लगाया स्टॉल

रामनवमी जुलूस को लेकर शहर में कई स्टॉल लगाए गए थे। जिला प्रशासन के स्टॉल के अलावा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, रामनवमी पूजा महासमिति, हिंदू वीर संघ व भाजपा नगर इकाई ने स्टॉल लगाया था। इन स्टॉलों में शरबत , चना और गुड़ का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा इन स्टॉलों पर उपचार की भी व्यवस्था की गई थी। अन्य स्टॉलों पर भी फस्ट एड की व्यवस्था की गई थी।

संपादकीय

आपराधिक लापरवाही

जिस देश में करोड़ों लोग कुपोषण व खाद्यान्न की किल्लत से जूझ रहे हों, उसके सिर्फ एक राज्य में ही, चार साल में 8191 मीट्रिक टन अनाज सड़ जाए, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। हमारा गैर-जिम्मेदार तंत्र व अदूरदर्शी नेतृत्व इसकी जवाबदेही से बच नहीं सकता। ये लापरवाही की अंतहीन श्रृंखला की दुर्भाग्यपूर्ण परिणति है। किसानों के खून-पसीने से उपजी और कर दाता के धन से खरीदी गई लाखों टन उपज का यूं बर्बाद होना बताता है कि हमारे तंत्र में प्रबंधन से जुड़े अधिकारी कितने संवेदनहीन और गैर-जिम्मेदार हैं। चिंता की बात यह है कि पंजाब में साल-दर-साल बर्बाद होने वाले अनाज की मात्रा लगातार बढ़ती ही जा रही है। यानी इस संकट को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। चिंता की बात यह कि जहां वर्ष 2022-23 में जहां करीब 264 मीट्रिक टन अनाज खराब हुआ था, वहीं वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 29 गुना बढ़ गया बताया जाता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह आंकड़ा बढ़कर 7764 मीट्रिक टन हो गया बताया जाता है। जिस देश में तमाम लोग कुपोषण व भुखमरी का दंश झेलते हों, वहां ये आंकड़े शर्मशार करने वाले ही हैं। एक आकलन के अनुसार इस बर्बाद हुए अनाज से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सोलह लाख लोगों का पेट भरा जा सकता था। बताया जाता है कि खाद्यान्न की बबार्दी के इस आंकड़े का उल्लेख उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की रिपोर्ट में किया गया है। निश्चित रूप से साल-दर-साल बढ़ती अन्न की बबार्दी हमारी लचर भंडारण क्षमता पर सवाल खड़े करती है। हरित क्रांति की सफलता का पंजाब को भरपूर लाभ मिला। किसानों ने भी पूरे मनोयोग से कंधा से कंधा लगाकर सहयोग दिया। तत्कालीन सत्ताधीशों की सजगता व सक्रियता से यह क्रांति परवान चढ़ी। कालांतर में धरती सोना उगलने लगी। देश की खाद्य श्रृंखला को मजबूत बनाने में पंजाब के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। लेकिन राज्य के सत्ताधीशों ने इस बहुमूल्य खाद्यान्न को सहेजने में दूरदर्शिता नहीं दिखाई। यदि सरकार समय रहते बड़े पैमाने पर अनाज के गोदाम बनाती तो आज ये संकट पैदा नहीं होता। भंडारण संकट के चलते ही किसान भी फसल की कटाई के बाद तुरंत फसल बेचने मंडियों की तरफ दौड़ता है। जिसके चलते बिचौलिए व आढ़ती औने-पौने दाम पर किसानों को फसल बेचने के लिये मजबूर कर देते हैं। जिससे किसान को उसकी उपज का वाजिब दाम नहीं मिल पाता। किसान आज जो कई तरह के संकट उचित दाम न मिल पाने के कारण झेल रहा है, उसके मूल में भी अनाज भंडार व्यवस्था की खामियां भी हैं। बहरहाल, पंजाब में अनाज भंडार का जिम्मा संभालने वाले राज्य तंत्र तथा फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के लापरवाह अधिकारियों की इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। दरअसल, सख्त कार्रवाई के अभाव में अधिकारी अपने गंभीर दायित्व के प्रति भी उदासीन बने रहते हैं। उन्हें विश्वास रहता है कि छोटी-मोटी कार्रवाई के बाद भी साफ बच जाएंगे। निस्संदेह, अनाज की बबार्दी पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी।

(चिंतन-मनन)

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है। जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है।

जंगलों पर छाया इंसानों का आतंक: एक अनदेखा संकट

-प्रियंका सौरभ-

हाल ही में एक प्रमुख अखबार की हेडलाइन ने ध्यान खींचा-ह्लशहर में बंदरों और कुत्तों का आतंकह्व यह वाक्य पढ़ते ही एक गहरी असहजता महसूस हुई। शायद इसलिए नहीं कि खबर गलत थी, बल्कि इसलिए कि वह अधूरी थी। सवाल यह नहीं है कि जानवर शहरों में क्यों आ गए, बल्कि यह है कि वे जंगलों से क्यों चले आए? हम जिस ₹आतंक₹ की बात कर रहे हैं, वह वास्तव में प्रकृति का प्रतिवाद है-उस दोहरी मार का नतीजा जो हमने जंगलों और वन्यजीवों पर एक लंबे अरसे से चलाया है। विकास के नाम पर हमने जंगलों को काटा, नदियों को मोड़ा, और पहाड़ों को तोड़ा। वन्यजीवों के लिए न तो रहने की जगह छोड़ी, न भोजन का साधन। जब उनका प्राकृतिक निवास उजड़ गया, तब वे हमारी बस्तियों की ओर बढ़े। और अब, जब वे हमारी छतों, गलियों और पार्कों में दिखते हैं, तो हम उन्हें ह्यआतंकीह्व करार देते हैं। यह नजरिया न केवल नैतिक दृष्टि से अनुचित है, बल्कि हमारी नीति और प्राथमिकताओं में गहरी खामी को भी उजागर करता है। विकास और संरक्षण को एक-दूसरे के विरोधी खेमों में खड़ा कर देने का नतीजा यह है कि न तो सही मायनों में विकास हो पा रहा है, न ही प्रकृति का संतुलन बच पा रहा है....

हाल ही में एक अखबार की प्रमुख हेडलाइन पढ़ी-₹शहर में बंदरों और कुत्तों का आतंक₹। यह वाक्य महज एक खबर नहीं, बल्कि हमारे सोचने के तरीके का प्रतिबिंब था। हमने जानवरों के शहर में आने को ₹आतंक₹ करार दिया, लेकिन कभी यह सवाल नहीं पूछा कि वो शहर में आए ही क्यों? जब कोई बंदर किसी कॉलोनी की छत पर उछलता है, या कोई कुत्ता कूड़े के ढेर में भोजन तलाशता है, तो वह कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं होती। यह उस संकट का संकेत होता है जिसे हम-मनुष्य-ने स्वयं गढ़ा है। जंगल, जो कभी इन जीवों का घर थे, अब रियल एस्टेट की परियोजनाओं, खनन कार्यों, सड़कों और डैमों की बलि चढ़ चुके हैं। आज अगर कोई सच में आतंक फैला रहा है, तो वह है इंसानी लालच और विकास का अंधा मॉडल।

प्राकृतिक आवासों पर हमला

भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जहाँ जैव विविधता की अद्भुत संपदा है। लेकिन यही भारत आज अपने ही जंगलों को खा रहा है। 2021 की फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि भारत ने पिछले चार वर्षों में 1,100 वर्ग किलोमीटर से अधिक वनक्षेत्र खो दिया है। हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा जैसे राज्यों में यह गिरावट विशेष रूप से चिंताजनक रही है। वन कटान केवल पेड़ों का नुकसान नहीं है। यह पूरी एक पारिस्थितिकी व्यवस्था का ध्वंस है। जब हम पेड़ काटते हैं, हम न सिर्फ ऑक्सीजन के स्रोत मिटाते हैं, बल्कि हजारों पशु-पक्षियों के घर उजाड़ देते हैं। यही कारण है कि आज हमें गाँवों और शहरों के आसपास बाघ, हाथी, भालू और यहाँ तक कि तेंदुए भी दिखने लगे हैं।

शहरों में जानवरों की बढ़ती उपस्थिति: एक चेतावनी

बंदरों का शहरों में आना आज एक आम दृश्य बन गया है। दिल्ली, वाराणसी, जयपुर, और देहरादून जैसे शहरों में बंदरों की आबादी तेजी से बढ़ी है। कारण स्पष्ट हैं-कम होती हरियाली, अधिक होता कूड़ा, और बिगड़ता पारिस्थितिक संतुलन। इसी तरह, आवारा कुत्तों की संख्या भी शहरों में नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। डब्लूएचओ के अनुसार भारत में लगभग 3.5 करोड़ आवारा कुत्ते हैं, और हर साल हजारों लोग कुत्तों के काटने के शिकार होते हैं। मगर यह समस्या केवल स्वास्थ्य या सुरक्षा की नहीं है; यह समस्या हमारे कुप्रबंधन और लापरवाह विकास की है। हमने कूड़ा फेंकने के तरीकों को सुधारा नहीं, सार्वजनिक पशु-नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता नहीं दी, और अब जब जानवर हमारी बस्तियों में दिखते हैं, तो उन्हें ₹संकट₹ कह कर खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश करते हैं।

मीडिया की भूमिका और भाषा का प्रभाव

जब कोई अखबार लिखता है कि ₹बंदरों का आतंक₹, तो वह केवल सूचना नहीं दे रहा होता, बल्कि एक धारणा गढ़ रहा होता है। यह धारणा कि जानवर आक्रमणकारी हैं, और हम पीड़ित। मीडिया की यही भाषा यह छिपा लेती है कि असल में हम ही उनके घरों में घुसे थे, उनकी जमीन छीनी, और अब जब वो अपनी जगह पाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें दोषी ठहराते हैं। यह भाषा केवल संवेदनहीन नहीं, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि इससे संरक्षण के प्रति समाज की समझ और सहानुभूति दोनों कमजोर पड़ती हैं।

वन्यजीव संघर्ष: क्यों बढ़ रहा है?

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल औसतन 100 से अधिक लोग हाथियों के हमलों में मारे जाते हैं, और दर्जनों बाघ-मानव संघर्ष की घटनाएँ सामने आती हैं। मगर इन घटनाओं के पीछे की सच्चाई यह है कि वन्यजीवों का घर सिकुड़ता जा रहा है। जंगलों में भोजन और पानी की कमी उन्हें मानव बस्तियों की ओर खींचती है। कभी-कभी वे रास्ता भटक जाते हैं, तो कभी उन्हें मजबूरी में खेतों और घरों में घुसना पड़ता है। यह संघर्ष उनके लिए भी घातक है-हर साल सैकड़ों जानवर इंसानी जवाबी हिंसा में मारे जाते हैं।

क्या हो सकता है समाधान?

भारत में वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 और फारेस्ट कंजर्वेशन एक्ट 1980 जैसे सशक्त कानून हैं, लेकिन उनके लागू करने में अनेक समस्याएँ हैं। वन विभाग अक्सर संसाधनों और जनबल की कमी से जूझता है। इसके अलावा, जब विकास परियोजनाओं और वन्यजीव संरक्षण में टकराव होता है, तो अक्सर विकास को तरजीह दी जाती है, भले ही उसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी हों। इस संकट से उबरने के लिए केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन जरूरी है। कुछ संभावित उपाय इस प्रकार हैं: शहरी नियोजन में हरित क्षेत्र सुनिश्चित किया जाए-पार्क, बाग-बगिचे, और वृक्षारोपण को केवल सजावटी पहलू नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी के हिस्से के रूप में देखा जाए। वन्यजीव गलियारे विकसित किए जाएँ-जिससे जानवरों को सुरक्षित आवागमन का रास्ता मिले। कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए-ताकि जानवर शहरी कूड़े पर निर्भर न हों। मीडिया और शिक्षा में संवेदनशीलता लाई जाए-जानवरों को 'आतंकवादी' बताने के बजाय उनके संघर्ष को समझने और सहानुभूति की भाषा अपनाई जाए। स्थानीय समुदायों को शामिल किया जाए-उन्हें संरक्षण के साझेदार बनाना होगा, विरोधी नहीं।

अंतिम बात: इंसान अकेला नहीं है इस धरती पर

हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। जंगलों, नदियों, पहाड़ों, और समंदरों के साथ-साथ हर जीव-जंतु का इस पर उतना ही अधिकार है जितना हमारा। जब हम शहरों का विस्तार करते हैं, जब हम मॉल और एक्सप्रेसवे बनाते हैं, तब हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि किसी न किसी की जमीन छीनी जा रही है-कभी किसी हिरन की, कभी किसी हाथी की। हम अगर प्रकृति से लड़ते रहेंगे, तो अंततः हार हमारी ही होगी-क्योंकि प्रकृति को हराया नहीं जा सकता, बस अस्थायी रूप से दबाया जा सकता है। ₹बंदरों का आतंक₹ एक समाचार की हेडलाइन हो सकती है, लेकिन असल हेडलाइन यह होनी चाहिए थी-₹जंगलों पर इंसानों का आतंक₹। इस सच्चाई को स्वीकार करना कठिन है, लेकिन जरूरी है। अगर हम वास्तव में एक संतुलित, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति से नहीं, अपने अहंकार से संघर्ष करना होगा।

सितारों का प्रकाश कभी मंद नहीं पड़ा करता है...

-सुनील कुमार महला-

जब-जब भी हमारे कानों में 'भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं...' गीत के बोल गूंजते हैं, तो हमें बरबस ही याद आ जाती है -मनोज कुमार की। आपको देश-दुनिया 'भारत कुमार' के नाम से जानती है। पाठकों को बताता चलूं कि मनोज कुमार का असली नाम हरिकृष्ण गिरि गोस्वामी था। इनका जन्म 24 जुलाई, 1937 को एबटाबाद में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। उनका जन्म एक पंजाबी हिन्दू ब्राह्मण परिवार में हुआ था तथा बंटवारे के दौरान उनका परिवार दिल्ली आकर बस गया। संघर्षों से भरे उन दिनों में उन्होंने अपने सपनों को जीवित रखा और शिक्षा को अपनी ताकत बनाया। पाठकों को बताता चलूं कि मनोज कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हिन्दू कॉलेज से अपनी ग्रेजुएशन पूरी की थी। पढ़ाई के इन वर्षों ने न सिर्फ उनके विचारों को आकार दिया, बल्कि भीतर छुपे कलाकार को भी बाहर लाने का रास्ता दिखाया। कॉलेज के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया की ओर कदम बढ़ाया और फिर पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा। प्रसिद्ध एक्टर-डायरेक्टर मनोज कुमार का हाल ही में 87 साल की उम्र में मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में निधन हो गया। वे काफी समय से लीवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। वास्तव में, उनका हमारे बीच नहीं रहना एक बहुत बड़ी क्षति है। आपको शत शत नमन और विनम्र श्रद्धांजलि।

वे पटकथा लेखक, संगीतकार और सम्पादक थे तथा उनको भारतीय सिनेमा इतिहास के सबसे सफल और बेहतरीन अभिनेताओं में से एक माना जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि उनकी फिल्मों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को जगाया और ये पीढ़ियों को सदैव प्रेरित व प्रोत्साहित करती रहेंगी। सच तो यह है कि उनके अविस्मरणीय अभिनय ने हमारी सनातन संस्कृति को समृद्ध किया है। बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि मनोज कुमार भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर 'उपकार' फिल्म बनाई थी और यही वह फिल्म थी जिससे उन्हें भारत कुमार नाम मिला था। पाठकों को बताता चलूं कि वे विशेष रूप से अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते थे। उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान उनकी बेहद कामयाब फिल्में रहीं। मनोज कुमार की सुपरहिट फिल्में क्रमशः शहीद(1965), उपकार (1965), पत्थर के सनम(1967), पूर्व-पश्चिम (1967), शोर(1972), रोटी कपड़ा और मकान (1974) तथा क्रान्ति (1981) में आईं। पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 1965 में मनोज कुमार देशभक्ति पर बनी फिल्म शहीद में स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह के रोल में नजर आए थे। फिल्म जबरदस्त हिट रही और इसके गाने 'ऐ वतन, ऐ वतन हमको तेरी कसम', 'सरफरोशी की तमन्ना' और 'मेरा रंग दे बसंती चोला' काफी पसंद किए गए थे।

पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि उपकार (1967) फिल्म का गाना 'मेरे देश की धरती सोना उगले..' आज भी सबसे बेहतरीन देशभक्ति गानों में गिना जाता है। फिल्म के गाने की पॉपुलैरिटी देखते हुए मनोज कुमार को मीडिया ने भारत कहना शुरू कर दिया और फिर उन्हें भारत कुमार कहा जाने लगा। इतना ही नहीं, मनोज कुमार ने अपने निर्देशन में बनी फिल्म क्रांति (1981) में दिलीप कुमार को डायरेक्ट किया था। गौरतलब है कि वर्ष 1957 में बनी ह्यफैशन' उनकी पहली फिल्म थी, लेकिन बतौर अभिनेता उनके अभिनय की शुरूआत वर्ष 1960 में बनी फिल्म ह्यकांच की गुड़ियाह्व से हुई। इसके बाद उन्होंने ह्यपिया मिलन की प्यासह्वऔर ह्यरेशमी रुमालह्व फिल्म में काम किया, लेकिन उन्हें फिल्म ह्यहरियाली और रास्ताह्व से खास पहचान मिली। वास्तव में सच तो यह है कि 'हरियाली और रास्ता' और 'वो कौन थी', जैसी फिल्मों ने मनोज कुमार को मुख्यधारा में स्थापित कर दिया। इसके बाद उन्होंने ह्यहिमालय की गोद में' तथा अन्य फिल्मों में अभिनय किया। कहना गलत नहीं होगा कि उनकी फिल्म ह्यशहीदह्व से लेकर ह्यउपकारह्व, ह्यपूरब और पश्चिमह्व, ह्यरोटी कपड़ा और मकानह्व तक, हर एक किरदार में उनकी शिक्षा, सोच और राष्ट्र के प्रति भाव स्पष्ट तौर पर दिखाई देता है। उल्लेखनीय है कि मनोज कुमार को 7 फिल्म फेयर पुरस्कार मिले थे। पहला फिल्म फेयर 1968 में फिल्म उपकार के लिए मिला था। उपकार ने बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट स्टोरी और बेस्ट डायलॉग के लिए चार फिल्म फेयर जीते। वर्ष 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया तथा वर्ष 2016 में उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा फिल्म इंडस्ट्री के सबसे प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बचपन से ही मनोज कुमार, अभिनेता दिलीप कुमार के बहुत बड़े प्रशंसक थे। दिलीप साहब की फिल्म शबनम (वर्ष 1949) मनोज कुमार को इतनी पसंद आई थी कि उन्होंने उसे कई बार देखा। फिल्म में दिलीप कुमार का नाम मनोज था। जब मनोज कुमार फिल्मों में आए तो उन्होंने दिलीप कुमार के नाम पर ही अपना नाम भी मनोज कुमार कर लिया। संक्षेप में कहें तो अभिनय में मनोज कुमार, दिलीप कुमार की शैली को थामकर आगे बढ़े। बहुत कम लोगों को ही शायद इस बारे में जानकारी होगी कि लगातार फ्लॉप होती फिल्मों से परेशान जब अमिताभ बच्चन मुंबई छोड़कर अपने मां-बाप के पास दिल्ली वापस जा रहे थे, तब मनोज कुमार ही ऐसे शख्स थे

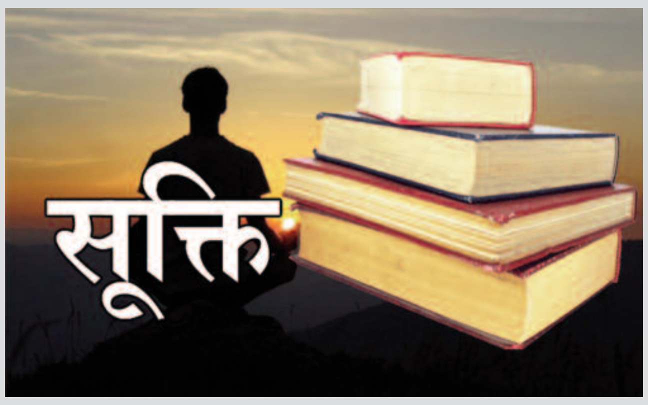

भय ही पतन और पाप का मुख्य कारण है।
- स्वामी विवेकानंद
उत्कृष्टता एक शतत प्रक्रिया है कोई दुर्घटना नहीं।
- अब्दुल कलाम

आपसी संवाद, जनता की जागरूकता से खत्म होगा नक्सलवाद!

-सुनील कुमार महला-

हाल ही में 5 अप्रैल 2025 को दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम महोत्सव में समापन समारोह के दौरान हमारे देश के केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने यह बात कही है कि अगली चैत्र नवरात्रि तक बस्तर से लाल आतंक समाप्त हो जाएगा। इस दौरान उन्होंने बस्तर की खुशहाली की कामना की। पाठकों को बताता चलूं कि उन्होंने उन्होंने कहा कि 'बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। नक्सलियों से अपील है कि वे आत्मसमर्पण करें। नक्सलियों को सरेंडर कराकर गांवों को नक्सल मुक्त कराइये। हर गांव को एक करोड़ मिलेगाह्व कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि 'बस्तर पंडुम को अंतरराष्ट्रीय दर्जा देने के लिए दुनियाभर के राजदूत जो राजधानी में हैं, उनको बस्तर में लाकर हमारी परंपराओं को, संस्कृति को और आदिवासी बच्चों की कला को पूरे विश्व में पहुंचाने का काम सरकार करेगीह्व वास्तव में, गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों से यह कहा है कि 'आप सब हमारे अपने हैं और आप हथियार डाल कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। जब कोई नक्सली मारा जाता है, तो कोई भी खुश नहीं होताह्व

बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज नक्सलवाद हमारे देश और समाज के लिए एक बड़ी समस्या है, लेकिन अच्छी बात यह है कि मार्च, 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह द्वारा नक्सलमुक्त घोषित गांवों को एक करोड़ रुपये की विकास निधि देने तथा नक्सलियों की सुरक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था सरकार द्वारा सुनिश्चित करने की बात यह स्पष्ट दशार्ती है कि सरकार विकास को तवज्जो देकर नक्सलवाद को खत्म करने की ओर लगातार अग्रसर है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले ही मार्च के अंतिम सप्ताह में ही छत्तीसगढ़ में 50 नक्सलियों ने सरेंडर किया था, उसके बाद सुरक्षाबलों ने एक साथ 13 नक्सलियों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार कुल दो जगहों से नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई। जिले के उसूर थाना क्षेत्र के टेकमेटला गांव के पास जंगल से सात नक्सलियों को पकड़ा गया, जबकि बासागुड़ा थाना क्षेत्र से छह नक्सलियों को पकड़ा गया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक एक्स पोस्ट में यह

बात कही थी कि, 'नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान के दौरान 16 नक्सलियों को ढेर कर दिया और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है। हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता; केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता हैह्व वास्तव में नक्सलवाद का समूह नाश करने के पीछे सरकार का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कितनी अच्छी बात है कि आज सरकार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा के समाज में वापस लौटने में सहायता के लिये वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामाजिक पुनर्एकीकरण कार्यक्रम प्रदान कर रही है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 (वर्ष 2014) से घटकर मात्र 12 (वर्ष 2024) रह गई है। आंकड़े बताते हैं कि नक्सल-संबंधी घटनाएँ 16, 463 (वर्ष 2004-2014) से घटकर 7, 700 (वर्ष 2014-2024) हो गई हैं तथा नक्सलवाद के कारण सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या में 73% की कमी आई है, जबकि नागरिक हताहतों की संख्या में 70% की कमी आई है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि नक्सलवाद, माओवादी विचारधारा से प्रेरित वामपंथी उग्रवाद का एक रूप है, जो सशस्त्र विद्रोह (हिंसा और गुरिल्ला युद्ध) के माध्यम से राज्य को समाप्त करने का प्रयास करता है। यदि हम नक्सलवाद की उत्पत्ति की बात करें तो नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गाँव से हुई है, जहाँ वर्ष 1967 में शोषक जमींदारों के खिलाफ किसानों का विद्रोह हुआ था। नक्सलवाद के कारणों की बात करें तो यह असमान भूमि वितरण और जमींदारों, साहूकारों एवं बिचौलियों द्वारा शोषणकारी प्रथाओं के कारण बढ़ा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और रोजगार के अवसर जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव भी कहीं न कहीं नक्सलवाद का कारण बना। नक्सलवाद के पीछे जनजातीय अलगाव भी एक प्रमुख कारण रहा है। इतना ही नहीं, सरकारी तंत्र अनुपस्थिति, बुनियादी सेवाओं की कमी, तथा हिरासत में मृत्यु सहित पुलिस की ज्यादतियों के मामलों ने शिकायतों को और बढ़ा दिया है, जिससे नक्सली विद्रोह को मजबूती मिली। पाठकों को बताता चलूं कि माओवाद का आदर्श वाक्य, 'शक्ति बंदूक की नली से निकलती है' रहा है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज सरकार द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आर्थिक असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सामाजिक न्याय, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए काम किया जा रहा है, बेरोजगारी, गरीबी को दूर किया गया है। नक्सलवाद की समाप्ति के लिए ऑपरेशन ग्रीन हंट(वर्ष 2009-10), ऑपरेशन समाधान(वर्ष 2017) चलाए गए और वर्तमान में भी अनेक अभियान जारी हैं। सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसे केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। इतना ही नहीं, सलवा जुडूम की शुरूआत छत्तीसगढ़ में वर्ष 2005 में माओवादियों के खिलाफ सरकार द्वारा समर्थित 'लोगों के प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में हुई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि दंतेवाड़ा और बस्तर के आदिवासियों की गोंडी भाषा में, सलवा जुडूम का मतलब शांति मार्च होता है। लेकिन असल में, इसमें माओवादियों से लड़ने के लिए अधिकारियों द्वारा आदिवासी ग्रामीणों को हथियार दिए गए थे। बहरहाल, गौरतलब है कि श्री शाह के बस्तर प्रवास के दरम्यान छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने हैदराबाद में सामूहिक समर्पण किया है, जिनमें बीस नक्सल महिलाएं भी शामिल हैं। ऊपर जानकारी दे चुका हूं कि पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से वर्ष 1967 में शुरू किसानों के विद्रोह को नक्सलवाद कहा गया था और इसमें शामिल लोगों को नक्सलवादी या नक्सल कहा जाने लगा। कहना गलत नहीं होगा कि वास्तव में इनको मुख्यतया वामपंथी आंदोलनों से जोड़ा जाता रहा है, जो कि माओवादी राजनीतिक विचारधारा का पालन करते हैं।

यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि सरकार के अनुसार देश में नक्सल प्रभावित जिले सत्रह से घट कर छह रह गए हैं और छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड और ओडिशा में इनकी(नक्सलवाद) की जड़ें फैली हुई हैं। गौरतलब है कि बिहार के दो जिले बांका और पश्चिमी चंपारण (बगहा) को नक्सल प्रभाव से मुक्त जिला घोषित कर दिया गया है। अब राज्य के आठ जिले ही उनके(नक्सलवाद) प्रभाव वाले रह गए हैं, जिनमें क्रमशः औरंगाबाद, गया, मुंगेर, जमुई, कैमूर, नवादा, लखीसराय और रोहतास शामिल हैं। पाठकों को बताता चलूं कि गया का इमामगंज बिहार का अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था। दरअसल, नक्सली समय-समय पर सरकार के प्रति नाराजगी और बुनियादी जरूरतों की विभिन्न मांगों को लेकर उग्र प्रदर्शन करते रहे हैं।

7_Page 3.qxd 4/7/2025 9:53 PM Page 1

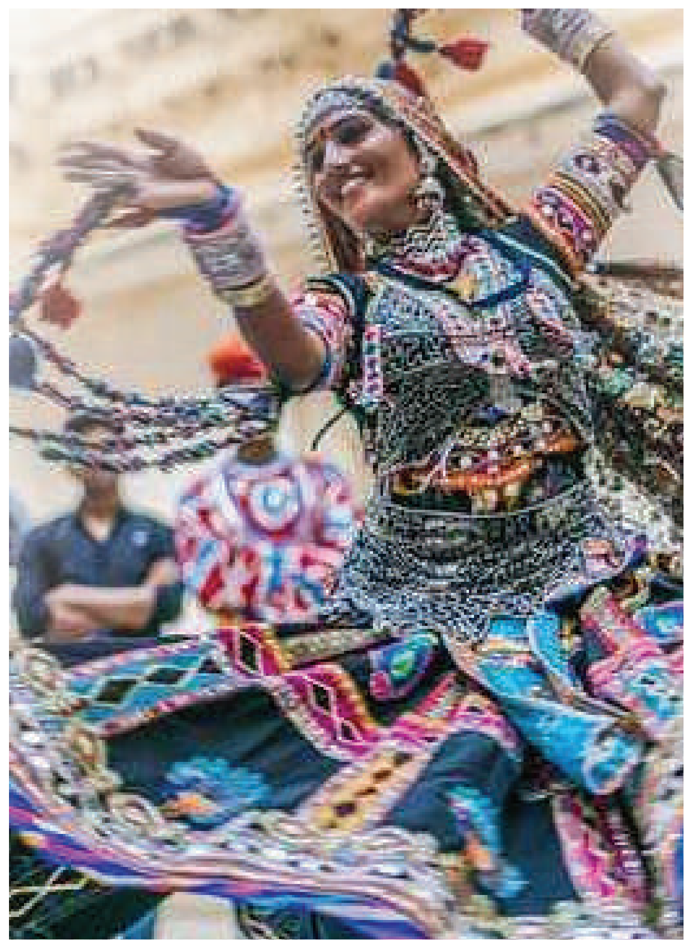

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्ममा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

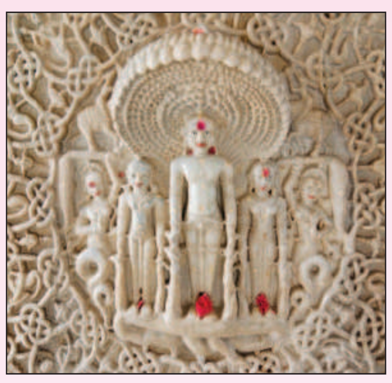

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मं दिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्ति यांहैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूतियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मं दिर में 76 छोटे गु म्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थ ना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खं भेहैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घु माएं गेआपको छोटे-बड़े आकारों के खं भेदिखाई दे तेहैं, परं तुये खं भेइस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण सं बंधी दूरदर्शिता का परिचय दे तेहैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मं दिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निम र्ण कै सेहुआ- इस मं दिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसु ंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मं त्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे सं तुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपु र पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी सं देश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उके रेगए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कै सेपहु ंचें-

सड़क मार्गः- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवेः- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्गः- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

सेबी ने रिलायंस सिक्योरिटीज पर लगाया सात लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली/मुंबई, (एजेंसी) : भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को रिलायंस सिक्योरिटीज पर 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना शेयर ब्रोकर्स के नियमों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा है कि यह जुर्माना 45 दिनों के भीतर भरना होगा।

पूंजी बाजार नियामक का यह निर्देश भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के 22 दिसंबर, 2022 से 24 जनवरी, 2023 तक पंजीकृत स्टॉक ब्रोकर रिलायंस सिक्योरिटीज का निरीक्षण करने के बाद आया है। इसके तहत यह जांच की गई कि इकाई ने स्टॉक ब्रोकिंग गतिविधियों को संकलित किया है या नहीं।

सेबी ने अपनी जांच में पाया कि रिलायंस सिक्योरिटीज ने तीन मामलों में ग्राहकों को भेजे गए दैनिक मार्जिन ब्योरे में गलत विवरण दिया। इसके अलावा, एक मामले में लेजर बैलेंस को गलत तरीके से रिपोर्ट किया गया था। इसके अलावा पूंजी बाजार नियामक ने पाया कि रिलायंस सिक्योरिटीज ने जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण (आरबीएस) के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया, क्योंकि आरबीएस ब्योरे की रिपोर्टिंग करते समय नकद जमानत के लिए आंकड़ों को नहीं रखा गया था। पूंजी बाजार नियामक ने उल्लेख किया कि ब्रोकिंग कंपनी ने कई मामलों में कुछ ग्राहक को अग्रिम जुर्माना लगाया। नियमों के तहत सदस्य किसी भी परिस्थिति में ग्राहक पर अग्रिम मार्जिन के कम संग्रह के लिए जुर्माना नहीं लगाएंगे। इस तरह की गतिविधियों के जरिए रिलायंस सिक्योरिटीज ने स्टॉक ब्रोकिंग मानदंडों का उल्लंघन किया है। नियामक ने इसके अनुसार उस पर सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

जापान में मेडिकल हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, तीन लोगों की मौत

टोक्यो, (एजेंसी) : जापान के दक्षिण-पश्चिमी तट के पास रविवार दोपहर एक मेडिकल हेलीकॉप्टर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। कोस्ट गार्ड ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।

जानकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर नागासाकी क्षेत्र के त्सुशिमा द्वीप से फुकुओका शहर के एक अस्पताल की ओर जा रहा था। हेलीकॉप्टर में कुल छह लोग सवार थे, जिनमें एक 86 वर्षीय बुजुर्ग महिला मरीज, उनका 68 वर्षीय परिजन, एक 34 वर्षीय डॉक्टर, पायलट, मैकेनिक और एक नर्स शामिल थे।

दुर्घटना के कुछ घंटों बाद कोस्ट गार्ड की एक गश्ती नौका ने हेलीकॉप्टर का मलबा और सभी छह यात्रियों को समुद्र में खोज निकाला। कोस्ट गार्ड के अनुसार, मरीज, उनके परिजन और डॉक्टर अचेत अवस्था में पाए गए और बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अन्य तीन लोग पायलट, मैकेनिक और नर्स होश में थे और हेलीकॉप्टर के मलबे से चिपके हुए मिले।

फुकुओका अस्पताल के प्रमुख यूजी टोमिनागा ने इस घटना को बेहद दयविदारक बताया। हेलीकॉप्टर कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि पायलट और मैकेनिक दोनों अनुभवी थे और मौसम भी उड़ान के लिए अनुकूल था। राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समिति ने दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

बांग्लादेश में इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन से सामान्य जनजीवन पर बड़ा असर

ढाका, (एजेंसी) :बांग्लादेश में आज इजराइल के खिलाफ और फिलिस्तीन के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन हुआ। इससे सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। इसमें विश्वविद्यालयों, स्कूलों, मदरसों के विद्यार्थियों के अलावा विभिन्न व्यावसायिक एवं नागरिक समाज संगठनों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस प्रदर्शन की वजह से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बांग्लादेश में शैक्षणिक परिसर आज खाली रहे। इस वजह से कक्षाएं और परीक्षाएं स्थगित कर दी गईं। ढाका विश्वविद्यालय के गलियारों से लेकर रंगमती विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पहाड़ी परिसर तक आक्रोश की लहर ने छात्रों और शिक्षकों को सड़कों पर ला खड़ा किया।

जहांगीरनगर विश्वविद्यालय की छात्रा शर्मिन जहान ने कहा, "हम विद्यार्थी हैं, सैनिक नहीं लेकिन जब हमारी आंखों के सामने नरसंहार हो रहा हो, तो हम चुप नहीं रह सकते।" ढाका विश्वविद्यालय प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर सभी कक्षाओं और परीक्षाओं को स्थगित कर दिया। जगन्नाथ विश्वविद्यालय में शिक्षक संघ ने दोपहर को शहीद मीनार के पास एक रैली की। रैली का नेतृत्व संघ के महासचिव डॉ. मोहम्मद रोइस उद्दीन ने किया।

रंगपुर में बेगम रोकेया विश्वविद्यालय ने अपने स्वतंत्रता स्मारक पर एकजुटता रैली की। तंगेल टेक्सटाइल इंजीनियरिंग कॉलेज, पिरोजपुर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और मदरसा-ए-आलिया ढाका के छात्र भी प्रदर्शन में शामिल हुए। बेगम बदरुन्नसा सरकारी महिला कॉलेज की छात्राओं ने ढाका विश्वविद्यालय परिसर में मार्च किया।

तेल कंपनियों की क्षतिपूर्ति के लिए पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में की गई वृद्धि : पुरी

नई दिल्ली,(एजेंसी) : केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में दो रुपये प्रति लीटर की यह वृद्धि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों को होने वाले 43 हजार करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति पूरा करने के लिए की गई है, जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है। इसका असर पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर नहीं होगा।

हरदीप सिंह पुरी ने राजधानी नई दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ₹आपने वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना देखी होगी, जिसमें कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जा रही है। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि इसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी है, उसका बोझ पेट्रोल और डीजल के उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि उत्पाद शुल्क में यह वृद्धि तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति करने के लिए की गई है, जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है...। हरदीप सिंह ने इस तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत घटकर लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है, लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियां 45 दिनों की अवधि के लिए स्टॉक रखती हैं। अगर आप जनवरी में वापस जाएं, तो उस समय कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर प्रति बैरल थी, जो बाद में घटकर 75 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। इसलिए उनके पास औसतन 75 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल का स्टॉक है।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उत्पाद शुल्क में इस बढ़ोतरी का उद्देश्य पेट्रोल और डीजल के उपभोक्ताओं पर बोझ डालना नहीं है, बल्कि एलपीजी पर होने वाले नुकसान के लिए तेल विपणन कंपनियों की सहायता करना है। उन्होंने कहा, ₹एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ जाएगी। पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए यह 500 से 550 रुपये प्रति सिलेंडर हो जाएगी, जबकि अन्य उपभोक्ताओं के लिए यह 803 रुपये प्रति सिलेंड से 853 रुपये हो जाएगी। यह एक ऐसा कदम है, जिसकी हम आगे चलकर समीक्षा करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क दो-दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया। हालांकि, पेट्रोलियम मंत्री ने साफ किया है कि पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर उत्पाद शुल्क के वृद्धि का कोई असर नहीं पड़ेगा। पेट्रोलियम कंपनियों ने उत्पाद शुल्क बढ़ने के बावजूद खुदरा कीमतें स्थिर रहने की बात कही है।

गाजा पट्टी में छिड़ा युद्ध और आक्रामक हुआ, हमास ने इजराइली शहरों पर दागे रॉकेट

तेल अवीव/गाजा पट्टी, (एजेंसी) :इजराइल और फिलिस्तीन के आतंकी समूह हमास के बीच गाजा पट्टी में छिड़ा युद्ध और आक्रामक हो गया है। हमास ने इजराइल के हमलों का जवाब तगड़ा जवाब दिया है। हमास ने 06 अप्रैल को इजराइल के दक्षिण में शहरों पर रॉकेटों की बौछार की। इजराइली सुरक्षा बलों (इजराइल डिफेंस फोर्सेज) ने बताया कि करीब 10 प्रोजेक्टाइल दागे गए, लेकिन अधिकतर को सफलतापूर्वक रोक दिया गया।इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने 'एक्स' हैंडल पर कहा कि इससे पहले रात को गाजा से प्रक्षेपास्त्र दागने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लांचर को मार गिराया गया। हमारे सुरक्षा बल अपने नागरिकों को किसी भी खतरे से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमास गाजा के नागरिकों को ढाल बनाकर इजराइली नागरिकों पर गोलीबारी कर रहा है। आईडीएफ का कहना है कि गाजा पट्टी में सुरक्षा बलों ने हमास के घातक हथियारों का जखीरा बरामद किया है। इनका प्रयोग यहूदिया और सामरिया में इजराइली सैनिकों पर किया जाना था। द टाइम्स ऑफ इजराइल की एक खबर में आईडीएफ के हवाले से कहा गया कि बेट शेमेश इलाके में रात को हुई सैन्य संबंधी कार दुर्घटना में दो महिला सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों इजराइली वायु सेना से हैं। उन्हें इलाज के लिए सैनिक अस्पताल ले जाया गया। हादसे की जांच की जा रही है। आईडीएफ का कहना है कि कुछ समय पहले उसने गाजा पट्टी के मध्य में हमास के रॉकेट लांचर पर ड्रोन हमला कर उसके प्रभाव को निष्क्रिय कर दिया। इजराइली अधिकारियों ने कहा कि डेर अल-बलाह क्षेत्र में हमले से पहले फिलिस्तीनियों के लिए निकासी की चेतावनी जारी की थी। आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता कर्नल अविचाय एड्राई ने एक्स पर एक पोस्ट में उस क्षेत्र का नक्शा अपलोड किया, जहां उसे हमला करना था।

स्टॉक मार्केट में रेटाज्जियो इंडस्ट्रीज की फीकी शुरूआत, पहले दिन आईपीओ निवेशकों को मामूली मुनाफा

नई दिल्ली, (एजेंसी) :ज्वेलरी बनाने वाली कंपनी रेटाज्जिओ इंडस्ट्रीज की सोमवार को शेयर बाजार में फीकी लिस्टिंग हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 25 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 पैसे के मामूली प्रीमियम के साथ 25.10 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कुछ ही देर में यह शेयर टूट कर 23.85 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में निचले स्तर पर हुई खरीदारी के कारण इस शेयर की ट्रेडिंग दोबारा शुरू हुई। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 25.50 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले कारोबारी दिन कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 2 प्रतिशत का फायदा हो पाया।

रेटाज्जिओ इंडस्ट्रीज का 15.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 मार्च से 2 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.57 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 61.98 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 8.09 प्रतिशत बढ़कर 3.34 करोड़ रुपये हो गया था। इसी तरह कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 0.91 प्रतिशत बढ़कर 23.28 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इसकी पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 81 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 9.03 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करने में सफल रही थी।

दस वर्षों में पीएम मुद्रा योजना के बांटे गए 32 लाख करोड़ के लोन, उद्यमिता क्रांति को बढ़ावा मिला

नई दिल्ली, (एजेंसी) :प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 10 वर्षों में 32.61 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 52 करोड़ से अधिक लोन दिए गए हैं।इस योजना से देशभर में उद्यमिता क्रांति को बढ़ावा मिला है। इससे व्यापार वृद्धि अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह छोटे शहरों और गांवों तक फैल रही है, जहां पहली बार उद्यमी अपने भाग्य की बागडोर संभाल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरूआत 8 अप्रैल, 2015 को की गई थी। तब से दस वर्षों के दौरान 32.61 लाख करोड़ रुपये के 52 करोड़ से ज्यादा लोन स्वीकृत किए गए हैं। यही वजह है कि लोग अब नौकरी चाहने वाले नहीं रह गए हैं, बल्कि वे नौकरी देने वाले बन रहे हैं। इस योजना से छोटे शहरों और गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद मिली है। इस योजना से पहली बार कारोबार करने वाले लोगों को प्रोत्साहन भी मिला है। एसकेओसीएच की ह्वआउटकम्स ऑफ मोदीनॉमिक्स 2014-24" की रिपोर्ट के मुताबिक ह्व2014 से हर साल औसतन कम से कम 5.14 करोड़ व्यक्ति वर्ष रोजगार सृजित हुए हैं, जिसमें अकेले पीएमएमवाई ने 2014 से प्रति वर्ष औसतन 2.52 करोड़ स्थिर और टिकाऊ रोजगार जोड़े हैं। इस परिवर्तन का एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर है, जिसे पीएम मुद्रा योजना के तहत अत्यधिक लाभ हुआ है और 20,72,922 मुद्रा लोन स्वीकृत किए गए हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मिली मदद

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक ह्वइस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिली और 70 फीसदी से अधिक लोन महिला उद्यमियों के द्वारा लिए गए हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ी है। इसके साथ ही लैंगिक समानता में योगदान मिला है।ह्व पीएम मुद्रा योजना के तहत पिछले नौ वर्षों में प्रति महिलाओं को दिए जाने वाले लोन राशि 13 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 62,679 रुपए हो गई। वहीं, प्रति महिला वृद्धिशील जमा राशि 14 फीसदी की सीएजीआर से बढ़कर 95,269 रुपये हो गई।

इस योजना ने 52 करोड़ से अधिक लोन खाते खोलने में मदद की

एसबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 10 वर्षों में पीएम मुद्रा योजना ने 52 करोड़ से अधिक लोन खाते खोलने में मदद की है, जो उद्यमशीलता गतिविधि में भारी उछाल को दशार्ता है। पीएम मुद्रा योजना के तहत किशोर लोन (50,000 से 5 लाख रुपये), जो बढ़ते व्यवसायों का समर्थन करते हैं, वित्त वर्ष 2016 में 5.9 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 44.7 फीसदी हो गए हैं, जो छोटे उद्योगों की वास्तविक प्रगति को दशार्ता है। तरुण श्रेणी (5 लाख से 10 लाख रुपये) भी तेजी से आगे बढ़ रही है, जो साबित करती है कि पीमए मुद्रा योजना केवल व्यवसाय शुरू करने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें बढ़ाने में मदद करती है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की सराहना की

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पीएम मुद्रा योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना जो महिला उद्यमिता पर विशेष ध्यान देने के साथ जमानत-मुक्त लोन प्रदान करती है, इसने महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई की संख्या को बढ़ाने में मदद की है, जो अब 28 लाख से अधिक हो गए हैं। इस योजना से पूरे देश में लोगों की जिंदगी बदल गई है। इस योजना ने सिलाई इकाइयों और चाय की दुकानों से लेकर सैलून, मैकेनिक की दुकानों और मोबाइल मरम्मत व्यवसायों तक, करोड़ों सूक्ष्म-उद्यमियों ने आत्मविश्वास के साथ कदम आगे बढ़ाया है, यह एक ऐसी प्रणाली के द्वारा सक्षम किया गया है, जो उनकी क्षमता में विश्वास करती है। पीएमएमवाई ने गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि सूक्ष्म और लघु उद्यमों को संस्थागत ऋण प्रदान करके इन यात्राओं का समर्थन किया है जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का उद्देश्य वित्तपोषित न होने वाले सूक्ष्म उद्यमों और छोटे व्यवसायों को वित्तपोषित करना है। इस योजना से देशभर के छोटे शहरों और गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद मिली है। इससे पहली बार कारोबार करने वाले लोगों को प्रोत्साहन मिला है। उद्यमियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख रुपये तक के जमानत-मुक्त ऋण प्रदान करने के लिए 8 अप्रैल, 2015 में यह योजना शुरू की गई थी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लाभार्थियों को तीन श्रेणियों में शिशु (50,000 रुपये तक), किशोर (50,000 से 5 लाख रुपये तक) और तरुण (5 लाख से 10 लाख रपये तक) लोन मिलता है।

डोनाल्ड ट्रंप की टीम ने टैरिफ का बचाव किया

वाशिंगटन, (एजेंसी) :संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सहयोगी शनिवार को विभिन्न मीडिया आउटलेट्स पर पहुंचे और टैरिफ का बचाव किया। कुछ ने कहा कि उन्होंने पहले ही विदेशी देशों की प्रतिक्रिया सुनी। यह देश अब सौदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप के शीर्ष आर्थिक सलाहकारों ने दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह व्यापार युद्ध अंततः अमेरिका के आर्थिक भाग्य को बेहतर बनाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के विश्लेषण में कहा गया कि ब्रेक्सिट की तरह ट्रंप के टैरिफ ने स्थापित व्यवस्था पर बड़ा प्रहार किया है। वैश्विक वाणिज्य के आधार के रूप में यूएस की स्थिति का मतलब है कि ट्रंप के कदम का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। हालांकि ब्रेक्सिट की तरह अंतिम परिणाम भी अनिश्चित हैं। ट्रंप अभी भी अपने फैसले को उलट सकते हैं। आशावादी बताते हैं कि यूरोपीय संघ ब्रिटेन के जाने के बाद भी नहीं टूटा।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अर्थशास्त्रियों ने कहा कि मुक्त व्यापार का उदय अपरिवर्तनीय हो सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू पुर्तगाल की राजकीय यात्रा पर लिस्बन पहुंची

लिस्बन,(एजेंसी) : भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पुर्तगाल की राजकीय यात्रा पर लिस्बन पहुंच गईं। वो पुर्तगाल के राष्ट्रपति मासेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर पुर्तगाल की राजकीय यात्रा पर हैं।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर उनके नई दिल्ली से रवाना होने पर कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पुर्तगाल और स्लोवाक गणराज्य की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा पर रवाना हुईं। 25 से अधिक वर्षों में भारत के राष्ट्रपति की यह पहली राजकीय यात्रा है। इन यात्राओं से यूरोपीय संघ के दो महत्वपूर्ण भागीदारों के साथ भारत के बहुआयामी जुड़ाव का और विस्तार होगा।

राष्ट्रपति मुर्मु सात और आठ अप्रैल को पुर्तगाल में रहेंगी। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और पुर्तगाल के बीच राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे हो रहे हैं। इससे पहले, 1998 में तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन ने पुर्तगाल की यात्रा की थी।

इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मु पुर्तगाल के राष्ट्रपति मासेलो रेबेलो डी सूसा, प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और संसद अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइयर-ब्रांको से मुलाकात करेंगी। इन बैठकों में व्यापार, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने पर चर्चा होगी। इसके अलावा, राष्ट्रपति मुर्मु पुर्तगाल में भारतीय समुदाय के लोगों से भी मिलेंगी।

पुर्तगाल के बाद, राष्ट्रपति मुर्मु नौ अप्रैल को स्लोवाकिया जाएंगी। यह यात्रा इस मायने में भी खास है कि लगभग 30 वर्षों में यह किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की पहली स्लोवाकिया यात्रा होगी। स्लोवाकिया में राष्ट्रपति मुर्मु वहां के राष्ट्रपति पीटर पेल्लेग्रिनी, प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको और संसद अध्यक्ष रिचर्ड राशी से मुलाकात करेंगी। इन बैठकों में भारत और स्लोवाकिया के बीच व्यापार, तकनीकी सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा होगी।

हाई कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

काठमांडू, (एजेंसी) : सहकारी घोटाले में नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की निचली अदालत से मिली जमानत हाई कोर्ट ने रद्द कर दी है।इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भैरहवा जेल भेज दिया गया है।

बुटवल हाई कोर्ट ने रवि लामिछाने को जिला अदालत से मिली जमानत को रद्द करते हुए तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजने का आदेश दिया था। अदालत के आदेश पर शुक्रवार की मध्य रात को रवि लामिछाने की गिरफ्तारी हुई थी। काठमांडू स्थित अपने निवास से आधी रात को गिरफ्तार किए गए पूर्व प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को सोमवार को बुटवल हाई कोर्ट में पेश किया गया। शनिवार को सार्वजनिक अवकाश और रविवार को रामनवमी का राष्ट्रीय अवकाश होने के कारण रवि लामिछाने पिछले दो दिनों से पुलिस हिरासत में थे। भैरहवा के डीएसपी सूरज कार्की ने बताया कि मंगलवार को रवि लामिछाने को हाई कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायाधीश ने उन्हें तत्काल ही भैरहवा जेल में भेजने का आदेश दिया। अदालत के आदेश के बाद रवि लामिछाने को भैरहवा जेल के ब्लॉक 4 में रखा गया है। भैरहवा के जेलर सुरेश भंडारी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से रवि लामिछाने को फिलहाल अपने ब्लॉक में अकेले ही रखा गया है। भंडारी ने बताया कि वीवीआईपी कैदी की सुरक्षा कारणों से उन्हें अकेले रखे जाने का फैसला जेल प्रशासन का है।

नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मैच में जॉस द बॉस को हराकर सुपर सिक्सर ने अपनी तूफानी जीत दर्ज की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

नवादा : नवादा गोंदापुर प्रीमियर लीग के आयोजनकर्ता समाजसेवी मो इबरार अंसारी द्वारा नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट आयोजित किया गया जिसमें उद्घाटन समारोह में गणपति रेस्टोरेंट के मालिक पप्पू जी,नवादा सदर के पूर्व प्रमुख इम्तियाज अंसारी,भदौनी पैक्स अध्यक्ष शाहनवाज रशीद,पूर्व वार्ड सदस्य अफसर भाई,फैसल भाई,इरशाद भाई,इकबाल भाई, जहांगीर भाई और भी जिला के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, टूनार्मेंट में कुल आठ टीमों ने मैच में हिस्सा लिया था,रविवार को फाइनल मैच में सुपर सिक्सर का मुकाबला जॉस द बॉस की टीम से हुआ,फाइनल में सुपर सिक्सर के खिलाड़ियों ने अपना बेहतर प्रदर्शन दिखाते हुए फाइनल मैच में अपनी जीत दर्ज की है,फाइनल में मैन ऑफ द मैच साहब को दिया गया और मैन ऑफ द सीरीज दिलशाद को दिया गया,फाइनल मैच में सुपर सिक्सर के खिलाड़ी फैज अकरम और अरशद ने अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपना जलवा बरकरार रखा है,जितने भी टीम हिस्सा लिए थे वो सभी खिलाड़ी को इबरार अंसारी द्वारा मेडल और ट्राफी देकर सभी को सम्मानित किया गया, मैच के दौरान दर्शक काफी खुश दिखे,पूरे टूनार्मेंट में स्कोरर के रूप में मुजाहिद सर ने अपनी भूमिका निभाई,सभी मैचों में अपनी शानदार कॉमेंटेटर के रूप में जफर फातमी साहब ने अपनी भूमिका निभाई और अंपायर के रूप में मंजर भाई एवं मिथुन राजपूत ने योगदान दिया, वॉलंटियर के रूप में शाकिब भाई,वसीम अकरम और अरमान भाई ने काफी मेहनत किया और कैमरामैन के भूमिका में ताहिर मौजूद थे, स्टेज पर सभी लोगों ने सुपर सिक्सर की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

नई गेंद से विकेट लेना केकेआर के जीत की चाबी: ओटिस गिब्सन

कोलकाता, (एजेंसी) : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के असिस्टेंट कोच ओटिस गिब्सन ने आगामी मुकाबले से पहले टीम की गेंदबाजी रणनीति को लेकर आत्मविश्वास जताया है।

ईडन गार्डन्स में 08 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ होने वाले मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिब्सन ने कहा, ₹हमारा लक्ष्य है कि नई गेंद से विकेट लेना है, जो हमने पिछली जीत में किया था। हम आगे भी यही रणनीति अपनाएंगे।

गिब्सन ने बताया कि टीम के भारतीय तेज गेंदबाज विशेष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा की तारीफ करते हुए कहा, ₹इन दोनों ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले मैच में हमने अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को बाहर बैठाया और इन दो युवाओं पर भरोसा जताया, जो हमारी ताकत को दर्शाता है।₹

वैभव अरोड़ा की प्रगति में टीम मेंटर ड्वेन ब्रावो की बड़ी भूमिका रही है। गिब्सन ने बताया, ₹वैभव, ब्रावो के साथ मिलकर अपनी रणनीति पर मेहनत कर रहे हैं झ ओवर कैसे सेट करने हैं, विकेट कैसे निकालने हैं।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो।

(जिला पर्यटन कला–संस्कृति खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)

Email:-dsobokaro1@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं यूवाकार्य विभाग अन्तर्गत खेलकूद एवं यूवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड रॉची द्वारा बोकारो जिले में संचालित आवासीय एथलेटिक्स क्रीडा प्रशिक्षण केन्द्र /सेंटर ऑफ एक्सलेंस एथलेटिक्स प्रशिक्षण केन्द्र चन्दनकियारी, बोकारो में प्रतिभावान बालक बालिका खिलाडियों का एक दिवसीय चयन ट्रायल किया जाना है । जिसके लिए चंदनकियारी स्टेडियम बोकारो में दिनांक 12.04.2025 को प्रातः 7:.00 बजे सुनिश्चित किया गया है । चयन ट्रायल बैटरी टेस्ट के माध्यम से किया जायेगा । जिसमें Hight, Weight, Vertical Jump, M.Ball Throw, 6 x10 Suttle Run, 30” mitter Flying Race, Fexlibility , 800” M, Skill Test लिया जायेगा ।

चयनित प्रशिक्षुओं को खेल विभाग द्वारा आवासन, भोजन, खेल किट एवं खेल पोशाक के साथ – साथ खेल विधा का प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क न0 – एथलेटिक्स क्रीडा प्रशिक्षक श्री आशु भाटिया एवं चौहान महतो मो0 – 9631116400, 9835523049 .

नोटः– विस्तृत जानकारी के लिए, Website:-bokaro.nic.in में देखा जा सकता है ।

जिला खेल पदाधिकारी
बोकारो

PR 349826 Tourism(25-26)D

संक्षिप्त खबरें

आशीष कुमार व सागरिका ने जीती विवेक मैराथन

बिजनौर, (एजेंसी) : विवेक विश्वविद्यालय द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पुरुष वर्ग में आशीष कुमार तथा महिला वर्ग में सागरिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर पुरुष वर्ग में विरेन्द्र सिंह तथा महिला वर्ग में काजल कुमारी रही तथा तृतीय स्थान पर पुरुष वर्ग में मोनू एवं महिला वर्ग में सना रही। इसके अलावा प्रथम 25 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। मैराथन में प्रथम पुरस्कार ग्यारह हजार रुपये द्वितीय पुरस्कार 5100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये महिला व पुरुष दोनों वर्गो को अलग-अलग दिये गये।

मैराथन का शुभारम्भ प्रातः 7 बजे नेहरू स्टेडियम से विश्वविद्यालय के चांसलर अमित गोयल प्रो चांसलर दीपक मित्तल वाइस चांसलर एन.के.गुप्ता, वित्तीय सलाहकार अनिल शर्मा एवं जिला क्रीडाधिकारी राजकुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया ।विवेक मैराथन नेहरू स्टैडियम से प्रारम्भ होकर शक्ति चौक थाना कोतवाली बुखारा रोड होते हुए जानी का चौराहा से नूरपुर रोड पर स्थित विवके कॉलेज पर समाप्त हुई।इस मैराथन में पांच चेक पोस्ट बनाये गये थे जिसमें सभी प्रतिभागियों के चस्ट नम्बर को सत्यापित किया गया। इस प्रतियोगिता में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से, 1300 युवाओं महिलाओं तथा बुजुर्गों ने प्रतिभाग किया। बिजनौर की महिलाओं व पुरुषों द्वारा इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया।विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अमित गोयल ने कहा कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस मैराथन के माध्यम से सभी बिजनौर वासियों को अच्छे स्वास्थ्य का संदेश देना है ।कार्यक्रम के समापन में महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना, फयुजन, हरियाणवी डांस, चक दे इंडिया, शास्त्रीय नृत्य तथा माइम एक्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा श्रोताओं का भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन विश्वजीत एवं नेहा द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के डीन डॉ. दीप्ती डिमरी, डॉ. राजीव चौधरी, डॉ. देबाशीष, डॉ. सौरभ शर्मा, डॉ. सर्वेश शीतल, डॉ. रंगानाथन, डॉ. संजय कुमार त्यागी, डॉ रिजवान अहमद, डॉ. मीना चौधरी, डॉ. पुष्पा जोशी, शैलेन्द्र शर्मा, मनिका मुकुल कुमार आदि सभी शिक्षकों एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉड्र्स 2025: नोवाक जोकोविच की अगुवाई में मैड्रिड में होगा खेल सितारों का जमावड़ा

मैड्रिड, (एजेंसी) : विश्व के दिग्गज ऐथलीट्स इस महीने के अंत में होने वाले लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2025 के लिए मैड्रिड में जुटने को तैयार हैं।मैड्रिड के प्रतिष्ठित पलेसियो दे सिबेलेस में 21 अप्रैल को होने वाला यह समारोह खेल जगत के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है। इस साल इसका 25वां संस्करण मनाया जा रहा है। लगातार दूसरे साल यह कार्यक्रम मैड्रिड में होगा, जिए 160 देशों में प्रसारित किया जाएगा।इस लिस्ट में सबसे आगे 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और मौजूदा 'लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर' नोवाक जोकोविच हैं। पांच बार यह पुरस्कार जीत चुके जोकोविच ने कहा, ह्लमैड्रिड लौटना बेहद उत्साहजनक है, खासकर लॉरियस के 25 साल पूरे होने के इस खास मौके पर। पिछले साल यहां पांचवां अवॉर्ड पाना मेरे करियर की अनमोल यादों में से एक है। यह सिर्फ सम्मान का क्षण नहीं होता, बल्कि खेल के जरिए दुनिया को बदलने के संकल्प को दोहराने का भी अवसर है झ जैसा कि नेल्सन मंडेला ने हमें 25 साल पहले बताया था।ह्व जोकोविच ने 2024 में यह अवॉर्ड जीतने के बाद पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल भी जीता, जिससे वह गोल्डन स्लैम हासिल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए।इस साल लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2025 में दुनिया भर के कई दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी दर्ज होगी। फुटबॉल जगत से काफू, रॉड गुलिट, लुइस फिगो, फाबियो कैपेलो और कोसोवार अस्लानी जैसे दिग्गज मैड्रिड पहुंचेंगे। एथलेटिक्स में एडविन मोसेस, नवाल एल मौतावाकेल और टेगला लोरोप की उपस्थिति होगी, जबकि पैरा एथलेटिक्स में तान्नी ग्रे-थॉम्पसन शामिल होंगी। रग्बी खेल से सीन फिट्जपैट्रिक, ब्रायन हबाना और ह्यूगो पोर्टा के नाम शामिल हैं।

बिली जीन किंग कप 2025 के लिए टीईएफएफ को सस्टेनेबिलिटी पार्टनर के रूप में चुना गया

पुणे, (एजेंसी) : महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए) ने अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) और पुणे महानगर जिला टेनिस संघ (पीएमडीटीए) के साथ मिलकर प्रतिष्ठित बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 के लिए इको फैक्ट्री फाउंडेशन (टीईएफएफ) को आधिकारिक सस्टेनेबिलिटी पार्टनर के रूप में चुना है। पुणे के प्रसिद्ध म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में 8 से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाला यह टूनार्मेंट टीईएफएफ की अभिनव पहलों के माध्यम से सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को अपनाएगा।एमएसएलटीए के मानद सचिव सुंदर अय्यर और सुहाना मसाला में प्रौद्योगिकी एवं इनोवेशन डायरेक्टर तथा टीईएफएफ के संस्थापक आनंद चोराडिया के नेतृत्व में दोनों संगठन पूरे टूनार्मेंट में 'जीरो वेस्ट' थीम पर जोर देकर बिली जीन किंग कप को सस्टेनबिलिटी के मामले में एक ऐतिहासिक आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण आकर्षण टीईएफएफ का महत्वाकांक्षी 'वृक्षदान अभियान' है। इस पहल के माध्यम से 37 स्वदेशी भारतीय वृक्ष प्रजातियों के 20,000 से अधिक पौधे प्रतिभागियों, उपस्थित लोगों और समुदाय के सदस्यों को वितरित किए जाएंगे, जो पारिस्थितिक संरक्षण और प्राकृतिक आवासों की बहाली के महत्व को दर्शाते हैं। वृक्षदान अभियान के अलावा टूनार्मेंट स्थल पर टीईएफएफ की अभूतपूर्व पहल, शाश्वत भारत सेतु - विनिंग नेट जीरो की सुविधा होगी, जो एक मोबाइल शिक्षण और जागरूकता केंद्र है।

इस साझेदारी के बारे में जानकारी साझा करते हुए एमएसएलटीए के मानद सचिव सुंदर अय्यर ने बताया, ₹बिली जीन किंग कप 2025 के गौरवशाली मेजबान के रूप में हमने यह सुनिश्चित करने का बीड़ा उठाया है कि यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन एक सकारात्मक पर्यावरणीय विरासत छोड़ जाए। टीईएफएफ के साथ हमारी साझेदारी सस्टेनेबिलिटी के लिए एमएसएलटीए की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ती है और साथ मिलकर हमारा लक्ष्य इस टूनार्मेंट को एक शानदार उदाहरण बनाना है कि कैसे खेल भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारे ग्रह की रक्षा और संरक्षण का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।इस साझेदारी पर आनंद चोराडिया ने कहा, बिली जीन किंग कप 2025 के साथ टीईएफएफ की रणनीतिक साझेदारी इस बात का प्रतीक है कि कैसे खेल और सस्टेनबिलिटी मिलकर एक हरियाली भरे, स्वस्थ ग्रह का निर्माण कर सकते हैं। जैसे-जैसे खिलाड़ी कोर्ट पर प्रतिस्पर्धा करते हैं, टीईएफएफ सुनिश्चित करता है कि असली विजेता पर्यावरण है जो टूनार्मेंट से कहीं आगे तक फैली पारिस्थितिक चेतना की विरासत को पोषित करता है।

इंटर मियामी को टोरंटो एफसी ने 1-1 की बराबरी पर रोका

नई दिल्ली, (एजेंसी) : फोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा में रविवार रात लियोनेल मेसी की इंटर मियामी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की की टीम टोरंटो एफसी के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

गए मुकाबले में मेसी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की ने अपनी अपनी टीमों के लिए एक-एक गोल किए। इस ड्रॉ के साथ इंटर मियामी (4-0-2, 14 अंक) ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पहले स्थान से फिसल गई, जबकि टोरंटो एफसी (0-4-3, 3 अंक) ने एक मुश्किल मुकाबले से अंक हासिल किया।

इंटर मियामी की इस नाकामी को और निराशाजनक इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि टीम में लियोनेल मेसी के साथ लुइस सुआरेज, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी शुरूआत से ही मैदान पर मौजूद थे। बावजूद इसके टीम दो बार गोल करने के बाद भी स्कोरबोर्ड पर बढ़त नहीं बना सकी, क्योंकि एक गोल को ऑफसाइड और दूसरे को फाउल करार देकर खारिज कर दिया गया दूसरे हाफ की शुरूआत में, 47वें मिनट में लोरेंजो इन्सिन्ये के क्रॉस पर बेर्नार्डेस्की ने शानदार कंट्रोल दिखाते हुए दो डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद गोल कर टोरंटो को 1-0 की बढ़त दिलाई।

झारखंड सरकार
कार्यालय-जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद

दूरभाष सं०– 0326–2313331 Email: drda.dhanbad@gmail.com

–:: बिरसा हरित ग्राम योजना से संबंधित अल्पकालीन पुनर्निविदा ::–

ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार, राँची के पत्रांक (N) 273 (अनु0) दिनांक 03.03.2025 के आलोक में बिरसा हरित ग्राम योजना (वित्तीय वर्ष 2025–26) के कार्यान्वयन हेतु धनबाद जिला अन्तर्गत सभी प्रखण्ड के पंचायतों में बागवानी से संबंधित विभिन्न सामग्रियों का क्रय किया जाना है, जिसके लिए इच्छुक निर्माताओं/आपूर्तिकर्त्ताओं से निम्न सामग्रियों का मुहरबंद निविदा आमंत्रित किया जाता है:–

क्र0सं0	सामग्री का नाम	विवरणी
1	खाद	केंचुआ खाद या समतुल्य (प्रति किलो)
		गोबर खाद या Farm Yard Manure FYM (प्रति किलो)
		नोट–केंचुआ खाद या गोबर खाद में से किसी एक सामग्री का क्रय किया जायेगा
		नीम/करंज खल्ली (प्रति किलो)
		बोनमील (Bone Meal) या SSP (प्रति किलो)
		Dolomite (In Kg)
2	फफुन्दनाशक	Trichoderma Viride 1.5%WP(2x10^6-10^8CFU/gm) (In Kg)
		Chlorothalonil 75%WP (In Kg)
		Copper Oxychloride (Blue copper or equivalent) (In Kg)
3	कीटनाशक	Fipronil 0.3 GR (In Kg)
		Azadirechtin 3000 PPM (In Liter)
		Lamda-Cyhalothrin 5% EC (In Liter)
		दीमकनाशक दवा (Bifenthrin 2.5% EC: Bifex TC or equivalent) (प्रति लीटर)
4	रसायनिक खाद	सूक्ष्म–पोशक तत्व (Totocare/Agromin या Equivalent) (प्रति लीटर)
		यूरिया (प्रति किलो)
		NPK 10:26:26 (सुफला या समतुल्य) (In Kg)
		SSP (In Kg)
		MOP (पोटाष) (In Kg)
5	Antibiotic	Plant Antibiotic (Kasugamycin 5% या समतुल्य) (प्रति लीटर)
6	प्लास्टिक	जलकुंड हेतु 250 माइक्रोन का UV resistant पॉलिथीन (एक जलकुंड हेतु 6 Kg पॉलिथीन जिसका लम्बाई 18 फीट एवं चौड़ाई 14 फिट हो)
7	अन्य	गोबर खाद (प्रति किलो), बॉस(प्रति पीस), कील(Nail)(प्रति किलो), तार(GI wire)(प्रति किलो)

नोटः–
1. निविदा की सामग्री, नियम एवं शर्त्तों की पूर्ण विवरणी धनबाद जिला के वेबसाईट www.dhanbad.nic.in पर एवं जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है।
2. इच्छुक निविदादाता दिनांक 23/04/2025 के ~~पूर्वाह्न~~/अपराह्न 2.00 बजे तक जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हो कर मुहरबंद निविदा दे सकते हैं।
3. प्राप्त मुहरबंद निविदाओं को दिनांक 23/04/2025 के ~~पूर्वाह्न~~/अपराह्न 3.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष खोला जाएगा। निविदा खोलने के समय निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

उप विकास आयुक्त,
धनबाद।

PR.NO.349860 Rural Development(25-26):D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

Email ID- (drdagiridih@yahoo.co.in)

बिरसा हरित ग्राम योजना हेतु आमंत्रित अतिअल्पकालीन निविदा से संबंधित

–: संशोधित सूचना :–

सरकार के अपर सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची के पत्रांक–(N) 273 (अनु0) दिनांक 03.03.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना (बागवानी योजना) के क्रियान्वयन हेतु गिरिडीह जिला अन्तर्गत सभी प्रखण्ड के पंचायतों में बागवानी से संबंधित विभिन्न सामग्रियों का क्रय किया जाना है, जिसके लिए इच्छुक निर्माताओं/आपूर्तिकर्त्ताओं से कार्यालय ज्ञापांक–722/जि0ग्रा0वि0 गिरिडीह, दिनांक 27.03.2025 द्वारा पैकेटवार मुहरबंद निविदा आमंत्रित की गई है, जिसमें निम्न संशोधन किया जाता है:–

आवश्यक कागजात जिसे तकनीकी बीड के लिफाफे में जमा करना अनिवार्य है की कंडिका 08 को निम्नवत् प्रतिस्थापित किया जाता है :–

8. निविदादाता को किसी जिला में बिरसा हरित ग्राम योजना अन्तर्गत संबंधित सामग्री (जैविक खाद, फफुन्दनाशक, कीटनाशक, रासायनिक खाद, Antibiotic एवं प्लास्टिक) जिसके लिए निविदा डाला जा रहा है, की आपूर्ति करने का अनुभव (कार्यादेश की प्रति) संलग्न करना अनिवार्य होगा। **शेष शर्तें यथावत् रहेंगी।**

परियोजना पदाधिकारी, जि0ग्रा0वि0शा0, गिरिडीह। | उप विकास आयुक्त–सह– अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, गिरिडीह। | उपायुक्त–सह– जिला कार्यक्रम समन्वयक, गिरिडीह।

PR.NO.349839 Rural Development(25-26):D

गिरिडीह नगर निगम, गिरिडीह।

बन्दोबस्ती आम सूचना (तृतीय)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष– 2025–26 (01.05.2025 से 31.03.2025 तक) के लिए गिरिडीह नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत निम्नलिखित सैरातों की बंदोबस्ती हेतु आम डाक की तिथि निम्नवत् निर्धारित की गई है –

क0	सैरात का नाम	डाक का स्थान	डाक की तिथि एवं समय	प्रस्तावित सुरक्षित जमा राशि	सुरक्षित राशि का 15 प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
1	वार्ड नं0– 01 से 36 तक के लिए टेम्पो/थ्री व्हीलर/इलेक्ट्रॉनिक तीन पहिया टॉल वसूली (स्थल/स्टैण्ड– 1. रोटरी आई होस्पीटल के पास 2. झंडा मैदान 3.हुट्टी बाजार संकट मोचन मंदिर 4. तिरंगा चौक एवं 5. रेलवे स्टेशन के पास)	गिरिडीह नगर निगम कार्यालय	16.04.2025 को पूर्वा0–11.30 बजे से (अपरिहार्य कारणवश स्थगित होने पर अगले कार्य दिवस को पूर्व निर्धारित समय पर)	45,83,925.00	6,87,589.00

बन्दोबस्ती की शर्ते पूर्ववत रहेंगी, जो नगर निगम के सूचना पट्ट अथवा विभागीय वेवसाइट udhd.jharkhand.gov.in पर देखी जा सकती हैं। PR 349850 Urban Development (25-26)D

प्रशासक,
नगर निगम, गिरिडीह।

झारखंड सरकार
कार्यालय-जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद

दूरभाष सं०– 0326–2313331 Email: drda.dhanbad@gmail.com

:: अल्पकालीन पुनर्निविदा सूचना ::

मनरेगा अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में ''बिरसा हरित ग्राम योजना'' के तहत धनबाद जिला में गुणवत्तापूर्ण Grafted Layered आम, अमरूद, नींबू कटहल, Drum Stick आदि पौधों की खरीदारी के लिए दर निर्धारण हेतु विभागीय पत्रांक (N) 244 (अनु0), दिनांक– 27.02.2025 के द्वारा झारखंड राज्य में अवस्थित स्थानीय NHB (National Horticulture Board) द्वारा निबंधित नर्सरियों से जिनका झारखंड राज्य अन्तर्गत GST No. हो, के द्वारा पौधों का क्रय करने हेतु दिशा निदेश प्राप्त है।

विभागीय पत्र के आलोक में NHB (National Horticulture Board) अंतर्गत निबंधित झारखंड राज्य में अवस्थित नर्सरियों से पौधा आपूर्ति के लिए दर निर्धारण हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है।

नोटः–
1. निविदा की सामग्री, नियम एवं शर्त्तों की पूर्ण विवरणी धनबाद जिला के वेबसाईट www. dhanbad.nic.in पर एवं जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है।
2. इच्छुक निविदादाता दिनांक 23/04/2025 के ~~पूर्वाह्न~~/अपराह्न 2.00 बजे तक जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हो कर मुहरबंद निविदा दे सकते हैं।
3. प्राप्त मुहरबंद निविदाओं को दिनांक 23/04/2025 के ~~पूर्वाह्न~~/अपराह्न 4.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष खोली जाएगी। निविदा खोलने के समय निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

PR.NO.349859 Rural Development(25-26):D

उप विकास आयुक्त, धनबाद।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद

मोबाईल नं0 : 8789242462 ,Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः–276 धनबाद/दिनांक–07.04.2025

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – 02/2025-26/RDSD/EE/Dhanbad(DMFT)

1.कार्य की विस्तृत विवरणीः–

क्र0 सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	बाधमारा प्रखण्ड अन्तर्गत चिटाही में स्थित ठाकुर बॉध के चारों तरफ गार्डवाल एवं सीढ़ी घाट का निर्माण।	282.55600	परिमाण विपत्र की राशि 2%	10000.00	12 महीना

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि –15.04.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–दिनांक 15.04.2025 से दिनांक 22.04.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 24.04.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– ई0 नरेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 8789242462 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,धनबाद

PR 349873 Rural Development(25-26).D

संक्षिप्त खबरें

ईडी ने सपा के पूर्व विधायक के ठिकानों पर मारा छापा

लखनऊ, (एजेंसी)ः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज, सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की गंगोत्तरी इंटरप्राइजेज कंपनी के लखनऊ, गोरखपुर, मुम्बई समेत कई जगहों छापा मारा। कार्रवाई के दौरान दावा है कि करोड़ों रुपये की संपत्ति और धांधली से जुड़े इलेक्ट्रानिक साक्ष्य हाथ लगे हैं। इससे उनकी मुसीबत और बढ़ सकती है। ईडी ने उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार कर ली हैं, जल्द उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पूर्व विधायक पर यह पहली कार्रवाई नहीं है। इससे पहले भी ईडी ने बीते साल 72.08 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त किया था। ईडी के अधिकारियों के अनुसार, उनकी कंपनी मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने, निदेशकों, गारंटरों, प्रमोटरों संग मिलकर बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े सात बैंकों के कंसोर्टियम से 1129.44 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधा ली थी। बैंकों को पैसे वापस न करने की बजाए कंपनी ने अन्य सहयोगी कंपनियों में डायवर्ट कर दिया था। इससे बैंकों करीब 754.24 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

बैंकों की शिकायत पर सीबीआई मुख्यालय में कंपनी के मुखिया पूर्व विधायक विनय शंकर और कंपनी के समस्त निदेशक, प्रमोटर और गारंटर के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। वर्ष 2023 में ईडी के जोनल कार्यालय ने विनय शंकर तिवारी की गोरखपुर, महराजगंज और लखनऊ स्थित कुल 27 संपत्तियों को जब्त किया था। ये संपत्ति करीब 72.08 करोड़ रुपये की आंकी गई थीं।

कबीरधाम में भक्त निवास का शिलान्यास करेंगे सरसंघचालक डा. भागवत

लखनऊ, (एजेंसी)ः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत मंगलवार को जिला लखीमपुर के मुस्तफाबाद स्थित तपोभूमि कबीरधाम में भक्त निवास का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय संत असंग देव महाराज के साथ भेंटवार्ता और कबीर पंथ से जुड़े प्रमुख संतों से सत्संग करने का कार्यक्रम हैं। सरसंघचालक दोपहर का भोजन प्रसाद भी आश्रम में ही ग्रहण करेंगे। राष्ट्रीय संत असंग देव के सानिध्य में आयोजित सुखद सत्संग में भी सरसंघचालक डा. मोहन भागवत शामिल होंगे। इस अवसर पर सरसंघचालक का उदबोधन भी होगा। संत देवकर साहब ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि कबीरधाम में जन सहयोग से 15 कमरे का भक्त निवास का निर्माण होना है। इसका शिलान्यास पूज्य असंग देव महाराज की पावन उपस्थिति में सरसंघचालक डा.मोहनराव भागवत के हाथों होगा। गौरतलब है कि असंग देव महाराज के कई राज्यों में बड़ी संख्या में शिष्य हैं। वह सत्संग के माध्यम से भक्तों को कुरीतियों से दूर रहने की प्रेरणा देने का काम करते हैं। वह नशामुक्ति का भी संदेश सत्संग के माध्यम से देते हैं। उनका प्रवचन सोशल मीडिया के माध्यम से भी भक्त सुनते हैं।

आज लखनऊ पहुंचेंगे सरसंघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा.मोहन भागवत सोमवार शाम को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचेंगे। लखनऊ में रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार प्रातः वह लखीमपुरखीरी के लिए सड़क मार्ग से रवाना होंगे।

प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और साहित्यकार डॉ. सूर्यकांत बाली नहीं रहे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जताई संवेदना

नई दिल्ली, (एजेंसी)ः प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और प्रतिष्ठित लेखक और साहित्यकार डॉ. सूर्यकांत बाली नहीं रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। उनके साहित्य में राष्ट्र और राष्ट्र के मुद्दे सबसे ऊपर रहे। उन्होंने अपने जीवनकाल राष्ट्रीय चिंतन को नई धार दी। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज में शिक्षक और नवभारत टाइम्स से संबद्ध रहे। इसके बाद स्वतंत्र लेखन उनके जीवन का हिस्सा रहा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शोक संदेश में कहा कि प्रख्यात लेखक और साहित्यकार डॉ. सूर्यकांत बाली के देहावसान का दुःखद समाचार है। डॉक्टर बाली ने अपने प्रखर राष्ट्रवादी चिंतन से हिन्दी साहित्य का पोषण किया। उनकी रचनाओं से साहित्यिक और पत्रकारिता के क्षेत्र में नई रोशनी आई। हिंदी और संस्कृत भाषा के वे मूर्धन्य ज्ञाता थे। डॉ. बाली की विद्वत्ता के प्रति आदर व सम्मान से मैं नतमस्तक हूं। उनकी स्मृति में भावपूर्ण श्रद्धांजलि समर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। उनके परिवारजनों एवं मित्रों को मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर शोकाकुल परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

सूर्यकांत बाली का जन्म 09 नवंबर, 1943 को मुलतान (अविभाज्य भारत) में हुआ था। हंसराज कॉलेज से उन्होंने बी.ए. ऑनर्स (अंग्रेजी), एमए (संस्कृत) और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय से ही संस्कृत भाषा-विज्ञान में पीएचडी की। बाद में अध्ययन-अध्यापन और लेखन से खुद को जोड़ा। राजनीतिक लेखन पर केंद्रित दो पुस्तकों-भारत की राजनीति के महाप्रश्न और भारत के व्यक्तित्व की पहचान के अलावा बाली की भारतीय पुराविद्या पर तीन पुस्तकें महत्वपूर्ण हैं। इनमें महाभारत केंद्रित पुस्तक 'महाभारतः पुनर्पाठ' प्रमुख हैं। उन्होंने वैदिक कथारूपों को हिन्दी में पहली बार दो उपन्यासों के रूप में प्रस्तुत किया, इनके नाम हैं 'तुम कब आओगे श्यावा' तथा 'दीर्घतमा'। नवभारत टाइम्स के रविवार्ता में भारत के मील पत्थर पाठकों का सर्वाधिक पसंदीदा कॉलम रहा। यह 'भारतगाथा' पुस्तक के रूप में पाठकों तक पहुंचा।भारतीय संस्कृति के अध्येता और संस्कृत भाषा के विद्वान् बाली ने नवभारत टाइम्स के सहायक संपादक (1987) बनने से पहले दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापन भी किया। नवभारत के स्थानीय संपादक (1994-97) रहने के बाद वो जी न्यूज के कार्यकारी संपादक रहे। विपुल राजनीतिक लेखन के अलावा भारतीय संस्कृति पर इनका लेखन खासतौर से सराहा गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्वस्थ विश्व' बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली,(एजेंसी)ः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आज जारी अपने संदेश में 'स्वस्थ विश्व' बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार ध्यान केन्द्रित करेगी। लोगों के स्वास्थ्य के मद्देनजर योजनाओं और संसाधन बढ़ाने पर निवेश जारी रहेगा। अच्छा स्वास्थ्य हर समृद्ध समाज की नींव है।प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, ''विश्व स्वास्थ्य दिवस पर,आइए हम स्वस्थ विश्व बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केन्द्रित करती रहेगी तथा लोगों के स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य हर समृद्ध समाज की नींव है!

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की देशव्यापी संघर्ष की घोषणा

नई दिल्ली, (एजेंसी)ः अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों की समस्याओं के लिए देशव्यापी संघर्ष की घोषणा की है। यह आंदोलन सालभर चलेगा। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने यह जानकारी पत्रकारों की। उन्होंने कहा कि साल के आखिर में नई दिल्ली में संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन होगा। संवाददाता सम्मेलन में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल सहित अन्य 14 राज्यों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षक नेता पाण्डेय ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में रविवार शाम संवाददाता सम्मेलन पूरी कार्ययोजना का विवरण साझा किया। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र और राज्य सरकारों ने समस्याओं का समाधान नहीं किया कि अगले साल शिक्षक कर्मचारी एकजुट होकर बड़ा आंदोलन करेंगे। पाण्डेय ने कहा कि इस साल देश के सभी राज्यों और जनपद मुख्यालयों में धरना दिया जाएगा। इस दौरान प्रशासन के माध्यम से शिक्षकों की समस्याओं पर केंद्रित ज्ञापन केंद्र और राज्य सरकारों को भेजे जाएंगे।

कुछ समय से संगठन के पदाधिकारियों के विवाद पर सवाल पूछे जाने पर संघ के उपाध्यक्ष रामअवतार पाण्डेय ने बताया कि कतिपय लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि वह लोग ही असल पदाधिकारी हैं। ऐसा करने वालों में पूर्व महासचिव कमलाकान्त त्रिपाठी और वासूराज गुरीकर प्रमुख हैं। ओडिशा निवासी त्रिपाठी सेवानिवृत्त हैं। वह बीजू जनता दल के सक्रिय सदस्य हैं। साथ ही बीजद के कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। ऐसा करना संघ का नियमावली का उल्लंघन है। संघ के दूसरे नेता घनश्याम प्रसाद यादव ने आरोप लगाया कि त्रिपाठी लगातार संगठन को कमजोर करने की साजिश कर रहें है। उनके बहकावे में आकर सेवानिवृत्त वासूराज गुरीकर उनका साथ दे रहे हैं। गुरीकर तो एक राजनीतिक पार्टी से चुनाव भी लड़ चुके हैं। उनका साथ पूर्व पदाधिकारी रंगराजन भी दे रहे हैं। रंगराजन और समानांतर खड़ी गई उनकी कार्यकारिणी के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में गुहार लगाई गई है। हाई कोर्ट ने सत्यापन के लिए तीन सदस्यीय पूर्व न्यायाधीशों की कमेटी गठित की। कमेटी की आख्या पर हाई कोर्ट ने कार्यकारिणी को अवैध घोषित कर दिया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पाण्डेय ने साफ किया कि पंजीकृत नियमावली के अनुसार रामपाल सिंह अध्यक्ष थे। 22 सितम्बर, 2023 को उनका देहांत हो गया। उनके कार्यकाल में मैं (सुशील कुमार पाण्डेय) उपाध्यक्ष (प्रथम) था। नियमावली के अनुसार अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष (प्रथम) को समस्त कार्य एवं संघ की कार्यवाही संचालित करने का संवैधानिक अधिकार है। इसलिए यह दायित्व स्वतः मुझे मिल गया। इस दौरान पूर्व महासचिव कमलाकान्त त्रिपाठी ने नियमावली की अवहेलना करते हुए उनके खिलाफ साजिश रचनी शुरू कर दी। राज्य इकाइयों को प्रलोभन देकर बरगलाया गया। इससे चिंतित संघ महासभा ने अक्टूबर में बैठक बुलाकर अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने का प्रस्ताव पारित किया। इसके बाद अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में महासभा के निर्वाचन कराए जाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर पर्यवेक्षक और निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए गए।चुनाव में वह (सुशील कुमार पाण्डेय) अध्यक्ष निर्वाचित हुए। कुछ समय बाद महासभा की सहमति और पंजीकृत संविधान के अनुसार, 11 पदाधिकारियों और 17 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया।

नड्डा ने दी विश्व स्वास्थ्य दिवस की बधाई, स्वस्थ जीवनशैली पर दिया जोर

नई दिल्ली,(एजेंसी)ः आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लोगों को बधाई दी है। सोमवार को नड्डा ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि यह दिन हमें अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सभी को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं।

उन्होंने कहा कि प्राचीन प्रथाओं और आधुनिक चिकित्सा दोनों के माध्यम से स्वास्थ्य के बारे में भारत की गहरी समझ दुनिया के लिए स्वास्थ्य सेवा समाधानों को तैयार करने में सहायक रही है। हमें हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ डॉक्टरों, नर्सों और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करना चाहिए।

क्यों मनाया जाता है विश्व स्वास्थ्य दिवस

हर साल 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। यह दिन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और स्वास्थ्य सेवाओं की अहमियत समझाने को समर्पित है। आज के दौर में हमारी जीवनशैली बीमारियों और मानसिक तनाव को तेजी से बढ़ा रही है। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य दिवस का महत्व और भी जायदा हो गया है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है। वैश्विक स्तर पर यह दिन स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर सरकारों और संगठनों का ध्यान आकर्षित करने का माध्यम बनता है।

पुंछ में पाकिस्तान ने की गोलीबारी, नियंत्रण रेखा पर तलाशी अभियान जारी

पुंछ,(एजेंसी)ः पाकिस्तान की सेना ने रविवार मध्य रात जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर दिगवार सेक्टर में आतंकवादियों की घुसपैठ करवाने के इरादे से भीषण गोलीबारी की।

सूत्रों ने कहा कि गोलीबारी का उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ को आसान बनाना था। भारतीय सेना ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया और दोनों ओर से सारी रात रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही।सेना नियंत्रण रेखा पर हाई अलर्ट पर है। उसने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को विफल कर दिया। सुबह होते ही क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। आसपास के क्षेत्रों को घेर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि 25 फरवरी 2021 को नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम समझौता हुआ था। पाकिस्तान कई बार इसका उल्लंघन कर चुका है।

नासिक में बांग्लादेशी मां-बेटा गिरफ्तार, पति की तलाश

मुंबई, (एजेंसी)ः नासिक जिले के जुन्नर में एक निमार्णाधीन इमारत में पुलिस ने छापा मारकर बांग्लादेशी मां-बेटा को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस महिला के पति की तलाश कर रही है। इस मामले की छानबीन जुन्नर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। नासिक जिले के पुलिस उपअधीक्षक भाग्यश्री धीरबस्सी ने सोमवार को मीडिया को बताया कि पुणे के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने इन बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में इनपुट दिया था। इस पर पुलिस ने जुन्नर शहर के शिपाई मोहल्ला स्थित रिजवान हाइट्स बिल्डिंग नामक निमार्णाधीन इमारत में छापा मारा और साथी उर्फ सनम मंडल को उसके छोटे बच्चे के साथ हिरासत में ले लिया।

अमित शाह जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर, आज कठुआ में अग्रिम चौकी का करेंगे दौरा

जम्मू, (एजेंसी)ः केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के अपने तीन दिवसीय दौरे की शुरूआत करने के लिए रविवार शाम यहां पहुंचे हैं। वो आज

कठुआ जिले के दौरे के दौरान पाकिस्तान सीमा पर स्थापित एक अग्रिम चौकी विनय पोस्ट तक जाएंगे। घुसपैठ पर अंकुश लगाने के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारी लेंगे और अपने दौरे के दौरान सुरक्षा स्थिति और विकास पहलों की समीक्षा करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान शाह कठुआ आतंकी हमले में बलिदान हुए पुलिस कमीर्यों के परिजनों से मुलाकात करेंगे व उनके स्वजनों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। मंगलवार को शाह सबसे पहले श्रीनगर के राजभवन में आयोजित बैठक में केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न विकास कार्यक्रमों का जायजा लेंगे। इसके बाद वो श्रीनगर के राजभवन में एकीकृत मुख्यालय की एक बैठक में भाग लेंगे, जहां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की जाएगी। दूसरी बैठक श्रीअमरनाथ यात्रा की सुरक्षा तैयारियों को लेकर होगी।

केंद्रशासित प्रदेश में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के गठन के बाद यह उनका पहला दौरा है। रविवार देर रात उन्होंने पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर में भाजपा के विधायकों और अन्य पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक की। शाह का भाजपा मुख्यालय का दौरा पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ। कार्यकताओं और नेताओं ने मुख्यालय में स्थापना दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। अधिकारियों ने बताया कि शाह के दौरे के मद्देनजर पुलिस और सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

सरकारी योजनाओं का लाभ वंचित समुदाय तक पहुंचाने में राज्यों की भूमिका अहमः केन्द्रीय मंत्री

दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर का केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ- प्रधानमंत्री की नीतियों से 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से हुए पारः पुष्कर सिंह धामी

देहरादून, (एजेंसी)ः केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ वंचित समुदाय तक पहुंचाने में राज्यों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। चिंतन शिविर का उद्देश्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाना ही है।

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार सोमवार को देहरादून में दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर को संबोधित कर रहे थे।इससे पहले केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीप प्रज्ज्वलित कर इस शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा कि जब आगरा से ऐसे चिंतन शिविरों का सफर शुरू किया गया था, तब उस कार्यक्रम में सिर्फ आठ

राज्यों का प्रतिनिधित्व शामिल हुए और मात्र 12 राज्यों के अधिकारी कार्यक्रम में पहुंचे थे। यह शुभ संकेत है कि देहरादून चिंतन शिविर में 15 राज्यों का प्रतिनिधित्व हो रहा है। उन्होंने कहा कि वंचित समुदाय तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में राज्यों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। इस चिंतन शिविर का उद्देश्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। केन्द्रीय मंत्री ने नशामुक्त भारत अभियान का खास तौर पर जिक्र करते हुए कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि छात्र, युवा नशे की चपेट में आ रहे हैं। केंद्र और राज्यों को इस चुनौती से मिलकर निबटना है।शिविर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य के लिए गौरव का विषय है कि यहां सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषय पर राष्ट्रीय स्तर का चिंतन शिविर आयोजित किया जा रहा है। ये चिंतन शिविर बाबा साहब अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे मनीषियों के चिन्तन का विस्तार भी है। शिविर में संवाद से भविष्य में अपनाई जाने वाली सामाजिक सशक्तिकरण की नीतियों का रोडमैप तैयार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय एक ओर देशभर के बुजुर्गों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों को विशेष पेंशन देकर उनका जीवन स्तर सुधार रहा है, वहीं छात्रों को छात्रवृत्ति देकर उन्हें अपना भविष्य उज्वल बनाने का अवसर भी दे रहा है। इसी तरह विभिन्न योजनाओं एवं नीतियों के माध्यम से स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित कर अति पिछड़े वर्ग को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नशे की लत से पीड़ितों के लिए जागरुकता कार्यक्रम और पुनर्वास केंद्रों का संचालन भी किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाने के साथ ही पति-पत्नी दोनों को पेंशन दे रही है, पेंशन योजनाओं का भुगतान मासिक आधार पर किया जा रहा है। पेंशन योजनाओं को ऑनलाइन किए जाने के साथ ही अन्त्योदय परिवारों को प्रतिवर्ष तीन गैस सिलेंडर निशुल्क दिए जा रहे हैं। इसी तरह अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के बच्चों को कक्षा 1 से लेकर बारहवीं तक छात्रवृत्ति देने के साथ ही उनके लिए निशुल्क 15 छात्रावास, 5 आवासीय विद्यालय और 3 आईटीआई भी संचालित की जा रही हैं।

दुबई के क्राउन प्रिंस आएंगे भारत, वाणिज्यिक सहयोग पर होगी बातचीत

नई दिल्ली,(एजेंसी)ः दुबई के क्राउन प्रिंस यूएई के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम 8-9 अप्रैल को भारत की यात्रा पर आएंगे। दुबई के क्राउन प्रिंस के रूप में यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। उनके साथ कई मंत्री, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और एक उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी होगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार 8 अप्रैल को प्रधानमंत्री क्राउन प्रिंस के लिए एक दोपहर के भोजन की मेजबानी करेंगे। क्राउन प्रिंस, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भी बैठक करेंगे। क्राउन प्रिंस मुंबई का भी दौरा करेंगे। यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के प्रमुख व्यापारिक नेताओं के साथ एक व्यापार गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। यह बातचीत पारंपरिक और भविष्य के क्षेत्रों में भारत-यूएई आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग को मजबूत करेगी।

परंपरागत रूप से दुबई ने भारत के यूएई के साथ वाणिज्यिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के लगभग 4.3 मिलियन प्रवासी दुबई में रहते हैं और काम करते हैं। क्राउन प्रिंस की यात्रा भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी और दुबई के साथ हमारे बहुआयामी संबंधों को मजबूत करेगी।

संक्षिप्त खबरें

कोनारटाड़ गांव में अखंड हरी कीर्तन कार्यक्रम का समापन पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया भाग

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : कोनारटाड़ गांव में तीन दिवसीय अखंड हरी कीर्तन कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समापन समारोह में कुंज मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बावन भोग वितरण और आरती कार्यक्रम भी शामिल था। मौके पर अखंड हरी कीर्तन कार्यक्रम को संपन्न कराने में गांव के युधिष्ठिर महतो, विद्याधर महतो, शंकर प्रमाणिक, भोलानाथ प्रमाणिक, सुरेश महतो, कृष्णा महतो, गौरी नाथ, शंकर महतो आदि का योगदान रहा।

बलियापुर लालाडीह में बजरंगबली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : बलियापुर लालाडीह में बजरंगबली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने ₹जय बजरंगबली₹ और ₹जय श्री राम₹ के जयकारे लगाए। महिलाओं की उलर ध्वनि और शंख ध्वनि से कलश यात्रा भक्तिमय बन गई। महिलाओं की उलर ध्वनि और शंख ध्वनि से कलश यात्रा भक्तिमय बन गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान बजरंगबली की पूजा-अर्चना की। कलश यात्रा बलियापुर लालालाडीह के विभिन्न टोला में भ्रमण करते हुए सिन्दुरपुर जोड़ियां पहुंच जा पंडित संजय पांडे ने वैदिक मंत्रौ उच्चारण के साथ जल भरनी का रस्म कराया। कल 17 पुणे भ्रमण करते हुए लालजी बजरंगबली मंदिर पहुंच कलश स्थापित किया गया। बजरंगबली प्राण प्रतिष्ठा पूजा अर्चना किया गया। शाम को श्रद्धालुओं के बीच भंडारा का वितरण किया गया। मौके पर तारा देवी, घनश्याम ग्रोवर, आशा देवी, बेगू ठाकुर, कंचन देवी आदि श्रद्धालु मौजूद थे।

बलियापुर में प्रधान शिक्षकों की बैठके आयोजित हुई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : प्रखंड कार्यालय के सभागार में सोमवार को शिक्षा विभाग की ओर से प्रधान शिक्षकों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रीना कुमारी ने किया। बैठक में विद्यालय में एमडीएम, एसएमसी का पुनर्गठन की स्थिति, प्रसार आईडी की स्थिति प्रोजेक्ट इंपैक्ट एसएचडब्लूपी आदि के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आदित्य प्रसाद मिर्धा, नारायण पंडित, संदीप महतो, शंकर गोराई, दिलीप गोप, शीला कुमारी, कुलदीप, चंद्रशेखर समेत विभिन्न विद्यालयों के प्रधान शिक्षक एवं बीआरसी कर्मी मौजूद थे।

आमलापाड़ा में चैती दुर्गा पूजा का समापन कलश विसर्जन के साथ धूमधाम से हुई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : आमलापाड़ा स्थित दशेर मेला दुर्गा मंदिर में चार दिवसीय चैती दुर्गा पूजा का समापन सोमवार को कलश विसर्जन के साथ हुआ। इस अवसर पर महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर मां से आशीर्वाद मांगा। कलश विसर्जन के दौरान भक्तों ने मां दुर्गा की आरती की और उन्हें विदाई दी। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने ढोल नगाड़े के साथ नाचते गाते आनंद भवन तालाब पहुंचकर मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया। पुजारी राजू बनर्जी और पुरोहित तपन चक्रवर्ती ने विधिवत पूजा-अर्चना कर नौ पौधों को एक साथ बांधकर मां का कलश विसर्जन कराया। पूजा के दौरान मंदिर परिसर में चार दिनों तक भक्तों की लाइनें लगी रहीं। देर शाम को झरिया नगर का भ्रमण कराकर मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विसर्जन से पूर्व महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर मां से आशीर्वाद मांगा।

सुरूगॉ गांव में 1960 से चली आ रही चैती दुर्गा पूजा की परंपरा आज भी जीवंत

तीन पीढ़ियों द्वारा निभाई जा रही है पूजा की परंपरा

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : सुरूगॉ गांव में 1960 से चली आ रही चैती दुर्गा पूजा की परंपरा आज भी जीवंत है। इस पूजा की शुरूआत कृष्ण चंद्र देव एवं त्रिलोचन देव ने की थी और अब उनके पुत्र रघुनंदन देव, गिरिजा प्रसाद देव एवं बलराम देव द्वारा निभाई जा रही है। यह परंपरा उनकी आने वाली पीढ़ियों द्वारा पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाई जा रही है। चैती दुर्गा पूजा की शुरूआत माता के कलश स्थापना से होती है, जिसके उपरांत माँ दुर्गा कि प्रतिमा कि स्थापना कर विधिवत पूजन किया जाता है। यह पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि गांव कि एकता और संस्कृति कि प्रतीक बन चुकी है। विशेष बात यह है कि पूरे 15 दिनों तक गांव में प्याज और लहसुन जैसे तामसिक पदार्थों का प्रयोग नहीं किया जाता है। चैती दुर्गा पूजा के दौरान, पूजा की पवित्रता और धार्मिक अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। इस आयोजन के दौरान कीर्तन, भक्ति जागरण, छऊ नृत्य जैसे विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से भक्तों को माँ दुर्गा की भक्ति में लीन होने का अवसर मिलता है। इस पारंपरिक नृत्य के माध्यम से माँ दुर्गा की महिमा को दशार्या जाता है। पहले के वर्षों में 9 दिनों तक रामलीला का भव्य आयोजन भी किया जाता था, जो गांव वासियों के लिए अत्यंत आकर्षण का केंद्र रहता था। चैती दुर्गा पूजा का महत्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से है, बल्कि यह सामाजिक एकता और समरसता का भी प्रतीक है। यह पूजा गांव के लोगों को एक साथ लाने और उनकी आस्था को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। पूजा कमिटी में नंदलाल देव, शिव शंकर देव, महेंद्र देव, सुरेश देव, मदन देव, अंशु देव, विक्रम देव, उदय देव समेत गांव के सभी देव परिवार के सदस्य, जो इसे एक धार्मिक महोत्सव के रूप में हर वर्ष पूरी श्रद्धा के साथ मनाते हैं।

रैयतों की जमीन पर जबरन ओबी डंपिंग को लेकर एडीएम ला एंड आर्डर ने की वार्ता

प्रबंधन को एक माह के अंदर मुआवजा भुगतान करने का निर्देश दिया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : एंटी, एसटी, जीनागोरा में संचालित देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना में प्रबंधन द्वारा सुरुँगा के रैयतों को बिना मुआवजा एवं नियोजन दिए उनकी जमीन पर जबरन ओबी डंपिंग कर जमीन अधिग्रहण किए जाने के मुद्दे पर सोमवार को एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा एवं एसडीएम राजेश कुमार की टीम सुरुँगा पंचायत भवन में ग्रामीणों और बीसीसीएल के अधिकारियों के साथ वार्ता की। एडीएम पीयूष सिन्हा ने देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना प्रबंधन को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने सुरुँगा के रैयतों को बिना मुआवजा दिए उनकी जमीन पर ओबी डंपिंग किया है, जो घोर अन्याय और गुंडागर्दी है। एडीएम ने प्रबंधन को चेतावनी दी कि वे रैयतों को परेशान न करें और एक माह के अंदर वास्तविक रैयतों को मुआवजा का भुगतान करें। देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना में सुरुँगा के रैयतों की जमीन

देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना में बिना मुआवजा दिए जमीन अधिग्रहण का मामला

बिना मुआवजा दिए अधिग्रहित की गई है। एडीएम पीयूष सिन्हा ने प्रबंधन को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने रैयतों के अधिकार को छीनने का प्रयास किया है। एडीएम ने प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे एक माह के अंदर वास्तविक रैयतों को मुआवजा का भुगतान करें।उन्होंने कहा कि जब तक मुआवजा राशि का भुगतान नहीं हो जाता, रैयतों की जमीन पर ओबी डंपिंग नहीं होगी। उन्होंने प्रबंधन को चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने पर प्रशासन कार्रवाई करने को बाध्य होगा। एसडीएम राजेश कुमार ने कहा कि जमीन की जरूरत

बीसीसीएल को है, इसलिए वे सीओ के साथ मिलकर रैयतों का वंशावली ग्राम सभा कर समस्या का समाधान करेंगे। जिला प्रशासन की टीम ने पंचायत भवन में ग्रामीणों के साथ बैठक की और रैयतों की जमीन पर जबरन ओबी डंपिंग के मुद्दे पर चर्चा की। इसके बाद, टीम ने बाउरी टोला, सुरूँगा तालाब और बेल धौड़ा के समीप ओबी डंपिंग क्षेत्र और बंद सार्वजनिक सड़क का निरीक्षण किया। वार्ता में बलियापुर सीओ परवीन कुमार सिंह,झरिया सीओ मनोज कुमार,एजीएम परवेज आलम, पीओ संजीव कश्यप,प्रबंधक अजय विश्वकर्मा,प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी,मुखिया विजय कालिंदी ,अनिरुद्ध देव,गौतम देव,राजाराम महतो, भजोहरी महतो विजय रजक,हीरालाल मोदक,संतोष महतो ,प्रभाकर देव आदि थे।

खरमास खत्म होते ही गूँजेगी शहनाई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : खरमास का समापन 13 अप्रैल को होगा और 14 अप्रैल से शादी विवाह की धूम मचेगी, शहनाई की आवाज सड़कों, गलियों में गूंजेगी, बैंड-बाजे बजने लगेंगे। शहनाई की गूंज में फूल बरसेंगे, बधाई दी जाएगी। जी हां, लगन के मौसम में इस बार और अधिक धूम मचाने वाली है। वर-वधू पक्ष विवाह की शुभ महूर्त तय होते ही खरीदारी करने लग चुके हैं। खर्च करने में भी पीछे नहीं हो रहे हैं। मनचाहे और आकर्षक बनाने के लिए लेटेस्ट की डिमांड कर रहे हैं। अधिक रकम देने में भी हिचकिचा नहीं रहे हैं। दूर रह रहे मित्रों, सगे संबंधियों को अभी से ही सूचना दे रहें हैं। वहीं, लोगों को जहां खरमास के बाद विवाह के शुभ मुहूर्त का इंतजार था, जो अब कुछ दिन शेष रह गए हैं, उसका असर दिखने लगा है। शहनाई की मधुर लहरियों से होटल, बैंक्वेट हॉल,

धर्मशाला, मैरिज लॉन धड़ाधड़ बुक हो रहे हैं, कुछ बुकिंग भी हो चुकी है। डेकोरेटर एसोसिएशन के पदाधिकारी कहते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस साल और रौनक दिखेगी। लग्न की शुरूआती दौर से ही खचाखच बुकिंग है। धनबाद के कई मंदिरों में भी लोग अपने बच्चों का विवाह करना पसंद करते हैं। उनका मानना है कि फिजूलखर्ची छोड़ प्रभु के सामने जोड़ियां बनेगी। शांति पूर्ण तरीके से विवाह संपन्न होगा। भुईफोड़ मंदिर के पुजारी अक्षय आचार्य कहते हैं कि लगन के अलावा सामान्य दिनों में भी मंदिर में शादी करने को सनातन धर्मावलंबी आते हैं।

कपड़ों की खरीदारी में विशेष छूट

शादी समारोह में शामिल होने के लिए हर कोई आकर्षक कपड़े पहनने की चाह रखता है। सो बाजार में भी मनचाहे कपड़ों की खरीद के लिए भीड़ हो रही है। कपड़ों की खरीदारी में लेटेस्ट डिजाइन की मांग हो रही है। कपड़ा कारोबारी प्रदीप अग्रवाल कहते हैं कि हमारे पास अच्छी रेंज है, वैरायटी भी। छूट भी दे रहे हैं। आकर्षक विवाह निमंत्रण तो अभी भी छप रहे हैं पर इनकी संख्या में पूर्व की तुलना में कमी आई है। अनेक लोग दोस्तों व मेहमानों को वॉट्सऐप पर ही निमंत्रण भेज देते हैं। सरायढेला के विनोद सिंह कहते हैं कि इसके बावजूद प्रिंटेड कार्ड का चलन खत्म नहीं हुआ है। यह तो हमेशा के लिए यादगार होता है। और तो और अब तो वर वधू की तस्वीर भी कार्ड पर छापने की डिमांड होती है।

ये हैं इस वर्ष के शुभ मुहूर्त

अप्रैल: 14, 16, 18, 19, 20, 21, 25, 29, 30
मई: 1, 5, 6, 8, 10, 14, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 24, 27, 28
जून: 2, 4, 5, 7, 8
नवंबर: 2, 3, 6, 8, 12, 13, 16, 17, 18, 21, 22, 23, 25, 30
दिसंबर: 4, 5, 6

तोपचांची प्रखंड में धूमधाम से मनाई गई रामनवमी पर्व

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद जिले के तोपचांची प्रखंड अंतर्गत दुमदुमी पंचायत के नरकोपी गांव में रामनवमी के शुभ अवसर पर विशाल जुलूस निकाला गया। इस जुलूस का नेतृत्व जागृति क्लब दुमदुमी ने किया। जुलूस से पहले बजरंगबली मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। दुमदुमी पंचायत के बजरंगबली मंदिर में भव्य जुलूस निकाला गया। इस दौरान गांव की महिलाएं और पुरुष विधि-विधान से पूजा-अर्चना में शामिल हुए। जुलूस रविवार को शाम 3 बजे शुरू हुआ। रामनवमी का त्योहार भगवान राम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जो चैत्र माह की नवमी तिथि को पड़ता है। इस दिन को हिंदू धर्म में बहुत महत्व दिया जाता है और लोग भगवान राम की पूजा-अर्चना करते हैं।यह जुलूस गादी टोला नरकोपी ठाकुर टोला,गोस्वामी टोला, दुमदुमी स्कूल,रंगरीटाड,गोमो रोड,सुभाष चौक से होते हुए जीटी रोड दुमदुमी मंदिर प्रांगण तक जाकर समापन किया गया।वहीं अखाड़े में खिलाड़ियों ने बहुत आकर्षक प्रदर्शन किया। इस जुलूस में चुरामन महतो समाजसेवी,रामचंद्र सिंह,सरयू प्रसाद महतो,कुलदीप प्रमाणिक विनय प्रमाणिक,दयानंद प्रमाणिक मुखिया प्रतिनिधि, सदानंद महतो,नीरज प्रमाणिक, घनश्याम महतो,विक्रम प्रमाणिक विमल महतो आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद थे।

कई रामनवमी अखाडा दलों ने सुनैना किन्नर को सम्मानित किया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद जिले में रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शरबत-पानी की व्यवस्था की। धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों में रामनवमी का त्यौहार बड़े ही शांति पूर्ण ढंग से विधि विधान के साथ मनाया गया। मनईटांड में रामनवमी के अवसर पर अखिल भारतीय किन्नर समाज की जिला अध्यक्ष सुनैना सिंह किन्नर का भव्य स्वागत किया गया। उन्हें पगड़ी और तलवार देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान विश्व हिंदू परिषद के मंच पर दिया गया। सुनैना सिंह किन्नर ने इस मौके पर लोगों से भाईचारे के साथ मिलकर रामनवमी का पर्व मनाने और अपनी कला का प्रदर्शन करने का आग्रह किया। इस तरह के आयोजनों से समाज में एकता और सौहार्द का संदेश फैलता है। सुनैना सिंह किन्नर जैसे व्यक्तित्व समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करते हैं। मौके पर सुनैना सिंह किन्नर का कुम्हार पट्टी,बरमसिया , महतो बस्ती, पुराना बजार, गोल घर,स्टील गेट, गोबिंदपुर,समेत दर्जनों अखाडा कमीटियों ने उनका पगड़ी और तलवार भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान सुनैना किन्नर के साथ किन्नर समाज के कई किन्नर भी शामिल थे। रामनवमी कमिटी के रामचंद्र पंडित, अजय मंडल, अरुण मण्डल, रामेश्वर प्रसाद, लल्लू मलकार, नुनु मंडल, सुखदेव रवानी, शम्भू साव, सुरेश सिंह, नरायण प्रसाद, उमेश साव आदि शामिल थे।

धनबाद के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अमल चंद्र दे का हुआ निधन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : धनबाद के बलियापुर निवासी 65 वर्षीय अमल चंद्र दे का सोमवार की शाम निधन हो गया। वह लीवर की बीमारी से पीड़ित थे। दे धनबाद सिविल कोर्ट में स्टेनोग्राफर के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके परिवार में पत्नी टुनटुन दे और दो पुत्र समेत भरा-पूरा परिवार है। उनके निधन से विधायक चंद्रदेव महतो, पूर्व विधायक आनंद महतो, भाजपा नेत्री तारा देवी, भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, मुखिया गणेश महतो, विजय गोराई, शैलेन मंडल, राधानाथ महतो आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया।

सीडीपीओ कार्यालय में आंगनबाड़ी सेविकाओं को मोबाइल वितरण किया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : सीडीपीओ कार्यालय में सोमवार को आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं के बीच मोबाइल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी सेविकाओं को उनके कार्यों में सहायता करने और उनके काम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए मोबाइल फोन प्रदान करना था। सीडीपीओ कार्यालय द्वारा आंगनबाड़ी सेविकाओं को मोबाइल फोन वितरित किए गए। मोबाइल फोन का उद्देश्य आंगनबाड़ी सेविकाओं को उनके कार्यों में सहायता करना और उनके काम को अधिक प्रभावी बनाना है। मौके पर सीडीपीओ अलका रानी, महिला पर्यवेक्षिका पूर्णिमा मरांडी, रश्मि सिन्हा, कीर्ति पुष्प, श्वेता कुमारी आदि मौजूद थे।

भूख हड़ताल पर बैठी महिला कर्मी, 17 माह पूर्व अनुकंपा में हुई थी नौकरी

प्रबंधन अपनी मनमानी बंद करे व सीमा कुमारी को न्याय दे : बीसीकेयू

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : सीमा कुमारी और उनकी मां अंजना बाउरी ने गोलकडीह कार्यालय के मुख्य द्वार पर सोमवार को भूख हड़ताल पर बैठी। बीसीकेयू ने उनका समर्थन किया और नेताओ ने कहा है कि वे सीमा कुमारी को न्याय दिलाकर रहेंगे। यदि 14 अप्रैल तक सीमा कुमारी को पुनः काम पर बहाल नहीं किया गया, तो 15 अप्रैल से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल होगी। सीमा कुमारी ने कहा है कि वे अंतिम सांस तक लड़ाई लड़ने का काम करेंगी। बीसीकेयू ने भी चेतावनी दी है कि यदि जरूरत पड़ी, तो वे बस्ताकोला क्षेत्र का चक्का जाम करने से पीछे नहीं हटेंगे। गौरतलब है कि सीमा कुमारी बस्ताकोला क्षेत्र के केओसीपी में कार्यरत थी।जिसे कुइयां प्रबंधन द्वारा फरवरी 2025 में काम

से बैठा दिया गया था। जिसको लेकर सीमा कुमारी ने स्थानीय कार्यालय से लेकर कोयला भवन तक पत्राचार की थी। तब प्रबंधन कि ओर से कोई सकारात्मक करवाई नहीं हुई। सीमा कुमारी को अपने पिता के बदले ओसीपी कोलियरी में अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिली थी। उनके पिता शुभम बाउरी ड्रिलर के पद पर कार्यरत थे, जिनकी 30 जून 2023 को ड्यूटी के दौरान तबीयत खराब होने के बाद इलाज में मौत हो गई थी। संयुक्त मोर्चा के नेताओं के प्रयास से सीमा कुमारी को प्रोविजनल ज्वाइनिंग मिली थी। हालांकि, 17 महीने काम करने के बाद, कुइयां कोलियरी प्रबंधन ने उम्र विवाद का हवाला देते हुए 3 फरवरी 2025 को उन्हें काम से हटा दिया। बीसीकेयू ने सीमा कुमारी का समर्थन किया है और उनकी भूख हड़ताल में शामिल हुए हैं। बीसीकेयू नेताओं ने कहा है कि वे सीमा कुमारी को न्याय दिलाकर रहेंगे। यदि 14 अप्रैल तक सीमा कुमारी को पुनः काम पर बहाल नहीं किया गया, तो 15 अप्रैल से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल होगी। सीमा कुमारी ने कहा है कि वे अपने पिता की मौत के बाद मिले अनुकंपा के आधार पर नौकरी को बनाए रखना चाहती हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि कुइयां कोलियरी प्रबंधन ने उम्र विवाद का हवाला देकर उन्हें गलत तरीके से काम से हटाया है। वक्ताओं ने कहा कि सीमा कुमारी की प्रोविजनल ज्वाइनिंग के समय सर्विस बुक में उनकी उम्र 33 साल 6 महीने दर्ज थी, लेकिन एज एसेसमेंट मेडिकल बोर्ड के बाद प्रबंधन ने उनकी उम्र 37 साल 4 महीने 7 दिन बताई। इस उम्र विवाद के कारण सीमा कुमारी को काम से हटा दिया गया। नेताओं ने इसे हिटलर शाही बताया और प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाया। मौके पर प्रहलाद महतो,ए एम पाल, तुलसी रवानी, निर्मल बाउरी, तेजेंद्र वर्मा,सुभाष महतो, भगवान प्रसाद नोनिया, देव रंजन दास,राजेंद्र पासवान, राजाराम पासवान, प्रभास सिंह, गणेश महतो,संतोष रवानी, आदि शामिल थे।

सिंगड़ा पंचायत में उत्पन्न पेयजल संकट के समाधान हेतु पीएचईडी व रेल की संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण

मुखिया व बाघमारा विधायक ने पेयजल संकट के समाधान के लिए किया था आवाज बुलंद

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदा : सिंगड़ा पंचायत में उत्पन्न पेयजल संकट के समाधान हेतु सोमवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग एवं रेलवे की संयुक्त टीम ने महुदा के पास स्थित पदूगोड़ा अंडरपास के समीप निरीक्षण किया. इस मौके पर दोनों टीमों के अधिकारियों ने स्थल का मुआयना किया और जलापूर्ति बहाल करने के लिए नई पाइप लाइन बिछाने का निर्णय लिया. टीम के अधिकारियों ने बताया कि सिंगड़ा पंचायत में जलापूर्ति शीघ्र चालू करने के लिए यहां पर एक नई पाइप लाइन बिछाई जाएगी. इस कार्य के लिए स्टीमेट तैयार किया जाएगा, जिसे आद्रा डीआरएम के

पास भेजा जाएगा. डीआरएम से स्वीकृति मिलने के बाद यह कार्य 20 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा. अधिकारियों के अनुसार, डीआरएम आद्रा से स्वीकृति मिलने में लगभग 10 दिन का समय लगेगा, जबकि कार्य पूरा करने में 20 दिन का समय होगा. इस प्रकार करीब 20 से 30 दिनों के भीतर सिंगड़ा पंचायत में पेयजल आपूर्ति फिर से शुरू हो जाएगी. यह घटनाक्रम उस समय सामने आया जब सिंगड़ा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि किशुन महतो ने गांव की पेयजल समस्या को लेकर महिलाओं के साथ मिलकर पीएचईडी विभाग एवं उपायुक्त के समक्ष आवेदन के माध्यम से समस्या को रखा था.पेयजल संकट को लेकर मीडिया में खबरें भी प्रकाशित हुई थी, इस मुद्दे को बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने विधानसभा में उठाया था और सांसद ढुल्लू महतो ने अधिकारियों से जलापूर्ति शीघ्र बहाल करने की अपील की थी. इन प्रयासों के बाद डीआरएम आद्रा के निर्देश पर रेलवे और पीएचईडी विभाग के अधिकारियों की टीम सोमवार को मौके पर पहुंची और स्थिति का निरीक्षण किया. पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्य महुदा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के अंतर्गत किया जाएगा और इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा. मौके पर रेलवे की और से आइओडब्लु दिनेश चंद्रा, जेई वर्कर्स शिभांकर मंडल तथा पीएचईडी विभाग की और से एसडीओ जेपी सिंह, कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, कनीय अभियंता मोहन मंडल, गजेंद्र सिंह, किशुन महतो आदि मौजूद थे.

संक्षिप्त खबर

कोटपा 2003 के पालन कराने हेतु झाडुडीह व कार्मिक नगर में चलाया गया जागरुकता अभियान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिला तंबाकू नियंत्रण कोषांग ने सोमवार को झाडुडीह एवं कार्मिक नगर के विभिन्न विद्यालयों के100 गज के दायरे में स्थित दुकानों पर कोटपा 2003 की धारा 6 बी के अनुपालन के लिए निरीक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया.

इसमें झाडुडीह के गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, गवर्नमेंट आइटीआइ, मध्य विद्यालय, कार्मल स्कूल एवं कार्मिक नगर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के आसपास कोटपा 2003 की धारा 6 बी का उल्लंघन करते हुए पाए गये दुकानदार को सख्त चेतावनी दी गई तथा विद्यालय से 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद नहीं बेचने का निर्देश दिया.अभियान में जिला नोडल पदाधिकारी डॉ मंजु दास, जिला सलाहकार राहुल कुमार, जिला एनसीडी कोषांग के उमा शंकर मंडल, सोशल वर्कर शुभांकर मैत्रा व अन्य लोग शामिल थे.

जमुआटांड में गाजे-बाजे व आकर्षक झांकियों के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

ग्रामीणों ने जगह-जगह किया श्रद्धालुओं के लिए पेयजल व शरबत की व्यवस्था

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : जमुआटांड ऊपर टोला में श्री श्री 108 श्री मारुति नन्दन महायज्ञ सह तृतीय वार्षिक महोत्सव को सोमवार को गाजे-बाजे व आकर्षक झाकियों के भव्य कलश यात्रा निकाली गयी. कलश यात्रा में भारी संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चें जयकारा लगाते हुए चल रहे थे. है.आचार्य सोनू कश्यप महाराज एवं उनके सहयोगियों के द्वारा कतरी नदी पर विशेष पूजा-अर्चना करायी गयी. मारुति नंदन महायज्ञ 12 अप्रैल तक चलेगी.यहां हर दिन हवन, पाठ, संध्या आरती व भंडारे का आयोजन किया गया है. कलश यात्रा में रामकनाली थानेदार संतोष कुमार रवि दलबल के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए. शोभा यात्रा श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह ग्रामीणों ने पेयजल शरबत आदि की व्यवस्था की थी.

कुमारडुबी के त्रिपति फैक्ट्री में कार्य के दौरान करंट से मजदूर की मौत, पुलिस जांच में जुटी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : कुमारधुबी ओपी क्षेत्र स्थित पंचमोहली पंचायत के बरडंगाल त्रिपति बालाजी फैक्ट्री में कार्य के दौरान करंट लगने से मजदूर ललन भुइयां की मौत मौके पर ही हो गई. घटना के बाद आनन फानन में मजदूरों ने स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां डॉक्टरों ने जांच कर मजदूर को मृत घोषित कर दिया. घटना की सुचना मिलते ही कुमारधुबी पुलिस अस्पताल पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन में जुट गयी है.घटना के संबंध में मृतक के पिता जूनकुंदर निवासी कुलेजन भुइयां ने बताया की बेटा रोजाना की तरह सुबह काम करने फैक्ट्री गया था, जहां से उन्हें कुछ देर पूर्व सुचना मिली की वह बीमार हो गया है, उसका इलाज चल रहा है. आने पर पता चला की उसकी मौत हो गई है. मृतक मेरा बड़ा बेटा है, इसके अलावा एक छोटा बेटा तथा दो बेटी है. घटना के संबंध में एक अन्य मजदूर ने बताया की सुबह वह काम करने के लिए फैक्ट्री आया था.मिट्टी पिसाईं करने के लिए जैसे ही वह लोहे की सीढ़ी पर चढ़ा उसे करंट लग गया. सीढ़ी के पास से एक तार गया हुआ था जो कटा रहने के कारण सीढ़ी में सट गया और पुरे सीढ़ी में करंट आ गया, जिसके कारण घटना घटी है. परिजनों का रो रो के बुरा हाल है.

भूली नगर कांग्रेस कमेटी ने नवनियुक्त अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष का किया स्वागत

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : भूली नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा सोमवार को नवनियुक्त अध्यक्ष गंगा वाल्मीकि एवं कार्यकारी अध्यक्ष दीपक कुमार पासवान का भूली में स्वागत किया गया। इस अवसर पर अंबेडकर चौक बी ब्लॉक में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर मालार्पण किया गया।। भूली नगर कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं द्वारा गंगा वाल्मीकि एवं दीपक कुमार पासवान को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी । मौके पर गंगा वाल्मीकि ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक पार्टी नहीं बल्कि एक विचारधारा है जिसमें सभी जाति समुदाय को लेकर चलने का काम किया है। कार्यकारी अध्यक्ष दीपक कुमार पासवान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी है और मुझे जो सम्मान दिया गया उस विश्वास को पूर्ण करूंगा। अजय कुमार चौधरी उर्फ गुड्डू चौधरी ने कहा कि गंगा बाल्मीकि को तीसरी बार भूली नगर अध्यक्ष बनाने से भूली में कांग्रेस पार्टी और मजबूत होगी।

आईआईटी आईआईएम में पांच दिवसीय देशव्यापी लीडरशिप व मैनेजमेंट डवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : भारत सरकार की विकेंद्रीकृत शासन व्यवस्था और ग्रामीण सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ते हुए, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आईआईटी आईआईएम में पांच दिनों का देशव्यापी लीडरशिप और मैनेजमेंट डिवेलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया. इसमें पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु, असम, ओडिशा, अंडमान एंड निकोबार द्वीप समूह तथा झारखंड जैसे विविध भौगोलिक क्षेत्रों से 50 प्रतिभागी शामिल हुए. इस एमडीपी का उद्देश्य ऐसे जागरूक और दक्ष जमीनी नेतृत्वकताओं की एक सशक्त पीढ़ी को विकसित करना है, जो लीडरशिप, कम्युनिकेशन, गवर्नेंस, फिस्कल मैनेजमेंट तथा टेक्नोलॉजिकल एडाप्टेशन जैसे महत्वपूर्ण कौशलों से युक्त हो.कार्यक्रम का उद्घाटन बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. प्रेम व्रत द्वारा किया गया.

कार्यक्रम में वे ऑनलाइन जुड़े थे.उद्घाटन समारोह में आईआईटी (आईएसएम) के डायरेक्टर प्रो. सुकुमार मिश्रा, डिप्टी डायरेक्टर प्रो. धीरेज कुमार, तथा डीन ऑफ कॉरपोरेट कम्युनिकेशन्स और एमडीपी कोऑर्डिनेटर प्रो. रजनी सिंह, रजिस्टार प्रमोद पांडेय उपस्थित हुए.पहले दिन के सत्र में रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन, ब्रिजिंग गैप्स थ्रू इफेक्टिव कम्युनिकेशन और ग्राम पंचायत एंड वर्क मैनेजमेंट टॉपिक रहा. 8 अप्रैल को फोकस टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन और रूरल डिवेलपमेंट पर रहेगा.

कार्यक्रम का समापन पोस्ट-असेसमेंट रिव्यू और वैलेडिक्टरी सेरेमनी के साथ होगी.

कतरास कलाली फाटक के समीप से बीसीसीएल कर्मी का शव बरामद

कतरास पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : कतरास थाना अंतर्गत कलाली फाटक पेट्रोल पंप के निकट 56 वर्षीय राजकुमार भुइयां नामक बीसीसीएल कर्मी का शव सोमवार शाम 4 बजे कतरास पुलिस ने बरामद किया है. मृतक कतरास क्षेत्र के वेस्टमोदीडीह कोलियरी के मैगजीन घर में बारूद भरने का काम करता था. सोमवार सुबह मृतक का दामाद रंजीत कुमार अपने ससुर को मैगजीन घर ड्यूटी पर छोड़ कर आया था. मृतक के दामाद ने बताया कि मृतक का एक पुत्र भी है. शाम 4 बजे किसी ने मृतक को बेसुध गिरा देखकर कतरास पुलिस को सूचना दी. कतरास पुलिस सूचना के आधार पर छानबीन शुरू किया तो पता चला कि मृतक कतरास गुहीबांध बस पड़ाव के पीछे का रहने वाला है. मृतक का दामाद अपने ससुर का शव को देखकर शिनाख्त की. कतरास थानेदार असित कुमार सिंह ने इसकी जानकारी कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी मुरारी मोहन को दे दी.

गोविंदपुर उपर बाजार में सड़क दुर्घटना से बाइक सवार एक व्यक्ति घायल व महिला की मौत

गोविंदपुर में ट्रैफिक व्यवस्था भगवान भरोसे, हर दिन दुर्घटना से लोग रहते हैं डर से सहमें

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गोविंदपुर : गोविंदपुर जाम से समस्या से त्रस्त रहता है, केंद्र सरकार के द्वारा फ्लाई ओवर को अभी तक धरातल पर नहीं उतारा गया है, काम नहीं करने से उनकी बातें सिर्फ ढकोसला साबित हो रही है.झारखंड सरकार भी जाम से निबटने के लिए कोई सार्थक पहल नहीं करने से गोविंदपुर जीटी रोड दुर्घटना स्पाट बनकर रह गई है. गोविंदपुर ऊपर बाजार में आज एक बाइक सवार व्यक्ति एक भारी वाहन जेएच 02 इ जे 3251 के चपेट मे आ जाने से वह और बाइक पर सवार एक महिला घायल हो गये. जिसे स्थानीय और प्रशासन की मदद से हस्पताल ले जाया गया. बता दे कि गोविंदपुर में सड़क दुर्घटना आम बात सी होती जा रही है. धनबाद के जीटी रोड गोविंदपुर में लगातार दुर्घटना के बावजूद जिला प्रशासन के कानों तक इसकी आवाज नहीं जा पा रही है. या तो इन बड़ी मुद्दों पर जिला प्रशासन सुस्त नजर आ रही है. ऊपर बाजार में कुछ दिनों तक ट्रैफिक व्यवस्था के लिए ट्रैफिक पुलिस दी गई थी, लेकिन अभी फिर से पहले वाली स्थिति दिख रही है. ट्रैफिक लाइट तो सिर्फ दिखावा मात्र के लिए लगा दिया गया है,जो सही से काम तक नहीं करता. धनबाद में ट्रैफिक व्यवस्था जीरो लेवल पर काम कर रही हैं. ट्रैफिक भगवान भरोसे चल रही है.

कुमारधुबी रेलवे स्टेशन के पास युवक की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

रामनवमी के रात मिला था घायल अवस्था में युवक, अस्पताल भेजने के दौरान हुई मौत

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : चिरकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुमारधुबी रेलवे स्टेशन के समीप रविवार की देर रात लहूलुहान अवस्था में एक घायल युवक मिला था. जहां अस्पताल लेजाने के क्रम में युवक की मौत हो गई थी. परिजन हत्या का आरोप लगा रही है. रामनवमी की रात हुई घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. घटना कुमारधुबी रेलवे स्टेशन के नए भवन के पीछे स्थित हनुमान मंदिर के समीप की है, जहां कुंदन रवानी नामक युवक को गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया गया. सूचना मिलते ही चिरकुंडा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कुंदन को इलाज के लिए धनबाद रेफर किया गया. हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में युवक

मौत हो गई. बताया जा रहा है कि मृतक कुंदन रवानी पूर्व में हत्या के एक मामले में आरोपी था और कुछ ही दिन पहले जेल से रिहा हुआ था. पुलिस ने शक के आधार पर एक युवक को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है. चिरकुंडा पुलिस ने घटनास्थल की गहन जांच शुरू कर दी है. कुछ संदिग्धों की पहचान भी की गई है.फिलहाल, पुलिस मामले के सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही है.। हत्या के पीछे आपसी रंजिश या पुरानी अदावत की आशंका जताई जा रही है, लेकिन स्पष्ट कारणों का पता जांच के बाद ही चल पाया है. मृतक बैंक मोड़ क्षेत्र का रहने वाला बताया गया.

निरसा कोलियरी प्रबंधन ने आउटसोर्सिंग कंपनी की मिलीभगत से कर रही पानी स्त्रोत की भराई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : इसीएल मुगमा क्षेत्र के अंतर्गत निरसा कोलियरी के प्रबंधन एवं आउटसोर्सिंग कंपनी के मिलीभगत से वर्षों से जल स्त्रोत वाले खदान को भीषण गर्मी के समय खदान से निकलने वाले मिट्टी और पत्थर (ओबीआर) के जरिए भराई करने पर रोक लगाने के संबंध में राष्ट्रवादी कांग्रेस के उमेश गोस्वामी ने पत्राचार से अवगत कराया है.

निरसा इसीएल मुगमा क्षेत्र के अंतर्गत निरसा कोलियरी प्रबंधन एवं आउटसोर्सिंग कंपनी के मिलीभगत से बरसों से ग्रामीणों को जल स्त्रोत को एक साजिश के तहत एक जनप्रतिनिधि के इशारे पर भराई करने में लगे है. जो खदान से पूर्व में हड़ियाजाम कोलियरी एवं पेयजल स्वच्छता

विभाग के द्वारा पूरे निरसा के तीन पंचायत क्रमशः निरसा मध्य, निरसा उत्तर और भमाल में पेयजल आपूर्ति होता था. लेकिन मैथन धनबाद जलापूर्ति चालू होने से पेयजल स्वच्छता विभाग का भमाल स्थित फिल्टर प्लांट तोड़ दिया गया और मैथन का पानी सप्लाई होने लगा. लेकिन इसके बावजूद भी निरसा कोलियरी के प्रबंधन एवं आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा उक्त खदान से निकलने वाले मिट्टी और पत्थर (ओबीआर) के द्वारा भराई किया जा रहा है. जबकि उस खदान से लगभग 30 हजार आबादी वाले तीनों पंचायत के लोग पूजा पाठ जानवरों को धोने तथा पीने का पानी का एकमात्र साधन था. जिसको बंद किया जा रहा है जबकि अभी भीषण गर्मी आने वाला है लेकिन प्रबंधन अपने मनमानी से बाज नहीं आ रही है. उक्त जल स्त्रोत को बंद करने का साजिश चल रहा है. एक तरफ सरकार प्रत्येक वर्ष करोड़ों रुपया जल जीवन मिशन के तहत खर्च कर हर घर, नल-जल योजना चला रही है दूसरी तरफ इसीएल मुगमा क्षेत्र के प्रबंधन एक साजिश के तहत उक्त जल स्त्रोत को बंद करने का कार्य कर रही है. आसपास के लगभग सैकड़ों कुआं का जल स्त्रोत उसी खदान से है जो आज सूखने लगा है. लोग बूंद - बूंद पानी के लिए तरसने लगे हैं. एक तरफ मुगमा क्षेत्र के द्वारा छठ के समय लाखों रुपया का लागत से उक्त खदान में छठ घाट का निर्माण कराया है, अभी उसकी सफाई का कार्य चल रहा है दूसरी तरफ निरसा कोलियरी प्रबंधन उक्त जल स्त्रोत को खदान से निकलने वाले मिट्टी पत्थर से भराई करने में लगे है. श्री गोस्वामी ने पत्र के माध्यम से निवेदन किया है कि इस पर अभिलंब रोक लगाते हुए जल स्त्रोत को बंद करने वाले प्रबंधन एवं आउटसोर्सिंग कंपनी के उपर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में आने वाले गर्मी के मौसम में लोगों को इस खदान का जल उपयोग कर सके.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई नं.JHAHIN/2015/63780.